मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	21.0	9.0
जमशेदपुर	24.4	15.0
डालटनगंज	22.8	10.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

www.lagatar.in | सोमवार, 22 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 275 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

श्री राम

SARALA BIRLA UNIVERSITY

अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत् २०८०

सोमवार (22 जनवरी 2024)

की

हार्दिक बधाई

करतल बान धनुष अति सोहा।

देखत रूप चराचर मोहा॥

सरला बिरला विश्वविद्यालय

Berkeley University of California | University of Minnesota | Princeton University | Aditya Birla Group | B K Birla Group of Companies

Courses Offered

LL B | LL M

BA-LL B | BBA-LL B | B Com-LL B

D.PHARM | B.PHARM

B.Tech | M.Tech

BBA | MBA | BCA | MCA

B.A. | B.COM

M.A. | M.COM

B.Sc. | B.Sc. Nursing

Yogic Science | Ph.D.

Birla Knowledge City, P.O.-Mahilong, Purulia Road, Ranchi-835103 (Jharkhand)

Visit : www.sbu.ac.in

18008906077

इंतजार विकास योजनाओं का : बूढ़ा पहाड़ से पहले बहेराडीह में है स्कूल, लेकिन खुलता ही नहीं

जहां हांफ रहा था विकास, वहां मुस्कुराहट देख मिल रहा सुकून

बूढ़ा पहाड़ से लौट कर प्रवीण कुमार

पार्ट-3

झारखंड के बूढ़ा पहाड़ का नाम सुनते ही पहले रूह कांप जाती थी. जहां विकास की बात करना भी बेमानी थी. विकास पूरी तरह से हांफता था. आज वहां के लोगों की सूरत और सीरत बदल रही है. ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान है. 22 साल बाद नक्सलियों की इस मांद में सीएम हेमंत सोरेन ने पिछले साल 27 जनवरी को खुद वहां जाकर लोगों से बात की थी. और विकास की धारा से क्षेत्र को जोड़ने का एलान किया था.

सीएम की योजना काम आई : सीएम हेमंत ने अपने विजन से वहां के लोगों की तस्वीर और तकदीर बदलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी. सीएम के इी विजन को लेकर अधिकारियों ने वहां की छह पंचायतों का गहन सर्वेक्षण करा कर कार्य योजना तैयार की. जिसमें बूढा पहाड़ पर जेरडा के द्वारा सोलर पावर प्लांट लगाए गए. सोलर पावर प्लांट लगाने वाली कंपनी वैष्णवी इंजीनियर के प्रबंधक संदीप पाटिल कहते हैं कि जब प्लाट लगाने का काम मिला, तो वहां सोलर प्लांट का समान ले जाने में काफी कठिनाई हुई. इलाका दुर्गम है. बूढ़ा पहाड़ के आदिम जनजातियों का दैनिक जीवन भी कठिनाइयों से भरा है.

ग्रामीणों की हैं शिकायतें : उधर कोरवाडीह गांव के बिगन कोरवा की शिकायत है कि उसने राजू कोरवा के मेढबंदी निर्माण में कार्य किया था, उसकी मजदूरी उनको आधी अधूरी ही मिली. उसकी रोजगार कार्ड में काम की कोई प्रविष्टि नहीं है. इधर काम किए हुए मजदूरगण मजदूरी मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं, उधर ऑनलाइन रिकॉर्ड में 38 हजार की योजना में मात्र 26 हजार खर्च दिखा कर पूर्ण दिखा दिया गया है. अब इसमें मजदूरी भुगतान की कोई गुंजाइश नहीं रही.

बहेराडीह में स्कूल हैं, लेकिन खुलते ही नहीं

कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति नक्सलियों के प्रभुत्वकाल में जितनी बुरी थी, आज भी कमोबेश वैसी ही है. बहेराडीह गांव में स्कूल खुले लगभग 23 साल हो गए लेकिन गांव में दीपक कोरवा, प्रभु कोरवा, अशोक कोरवा, मनोहर कोरवा, बिगन कोरवा सरीखे युवा हैं, जो शिक्षा से कोसों दूर हैं क्योंकि गांव में स्थित स्कूल में शिक्षक नियुक्त तो रहे हैं, लेकिन वे सिर्फ वेतन, मानदेय उठाते रहते हैं, स्कूल कभी आते नहीं हैं. आज भी यहां दो पारा शिक्षक नियुक्त हैं, वो हेसातू गाँव में रहते हैं लेकिन वे स्कूल खोलते नहीं हैं. ग्रामीण बताते हैं कि शिक्षक 2-3 महीने में एक दिन के लिए आते हैं और हाजिरी बना कर चले जाते हैं. इससे शिक्षण कार्य तो नहीं ही चलता है. साथ में स्कूलों में मिलने वाला दोपहर का भोजन भी बच्चों को नहीं मिलता है. जबकि यह विद्यालय सीआरपीएफ कैंप प्रवेश द्वार के बिल्कुल साथ में स्थित है. बहेराडीह के वाशिंदों को आज भी महज बिजली ट्रांसफ़ॉर्मर नहीं लगने की वजह से बिजली मयस्सर नहीं हो रही है, जबकि बिजली गांव में पहुंच चुकी है और सीआरपीएफ कैंप में ही बिजली है.

जब ग्रामीणों को हटाया था बूढ़ा पहाड़ इलाके से

नक्सली गतिविधियों और विस्थापन की घटना को याद करते हुए ग्रामीण बलदेव बिरजिया और विफा बिरजिया बताते हैं, उनको प्रति परिवार 5-5 एकड़ जमीन देने का प्रलोभन दिया गया था. लेकिन वहां 4 – 4 डिसमिल ही जमीन मिली. उसी जमीन में बने मकानों में बसाया गया था. जब उन्हें गांव से ले जाया जा रहा था, तब जानेवाले दिन 15 – 16 कमांडर जीप गाड़ी नीचे पुंदाग तक आई हुई थी. उसी में हम अपने जरूरत के सामान यथा बर्तन और कपड़े वगैरह ले गए थे. हमारे घरों में रह रहे पशुओं को भी हमें बेचने संभालने का मौका नहीं दिया गया. संगठन (नक्सली संगठन) के लोग यहां आस – पास जमीन खोद कर मांद बना कर रहते थे. मांद के अवशेष अभी भी देखे जा सकते हैं.

बूढ़ा पहाड़ पर ऐसे घर में रहते हैं बिरजिया परिवार.

बहेराडीह गांव का स्कूल पिछले 20 सालों से कागजो पर ही चल रहा.

बुनियादी सवालों का अब तक जवाब नहीं

हालांकि सीएम दौरे के एक साल बाद भी ग्रामीणों के कई बुनियादि सवाल बिना जवाब के ही हैं. नक्सली उन्मूलन के नाम पर उस गांव के सभी आदिम जनजाति परिवारों को 7 साल तक अपनी जमीन से बेदखल होकर गांव से दूर मदगड़ी (च) में अर्द्धसैनिक बलों की निगरानी में समय काटना पड़ा आदिवासी जातीय भेदभाव के शिकार भी हुए. पिछले एक साल से आदिवासी परिवार अपने वतन (बूढ़ा पहाड़) को लौटने लगे हैं और अपने जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत कर रहे हैं. इस दूसरी पारी के लिए ग्रामीणों का कहना है कि सरकार के सहयोग बिना यह संभव नहीं है .लेकिन अधिकारी विकास योजना लागू करनें में सुस्त रफ्तार में नजर आते हैं.

सीआरपीएफ कैंप के लिए आदिम जनजातियो को हटना पड़ा था अपनी जमीन से : जगवा कोरवा जो वर्षों से खेत, खलिहान, घर द्वार बना कर जमीन पर काबिज था, उसको अपने घर और जमीन से भरी बरसात व ठंड के सीजन में सीआरपीएफ कैंप निर्माण के नाम हटना पड़ा था. क्योंकि उसके पास जमीन के कागजात नहीं थे.

'हम सब विकसित भारत में प्रतिबद्ध होकर अपना योगदान दें'

हम सब एक रहेंगे: राज्यपाल

संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि हमारा देश विविधताओं से भरा है लेकिन विविधता में एकता है. हम सब एक हैं और एक रहेंगे. देश के विभिन्न प्रदेशों में मनाए जाने वाले पर्व, त्योहार एवं उत्सव की अवधारणा एवं उद्देश्यों में भी समानता है. पोंगल पर्व फसल पैदावार वाले के लिए प्रकृति, किसान एवं पशु के प्रति आभार प्रकट करने का पर्व है. हमारे किसान बिना किसी लोभ-लालच के सूर्य की भांति नियत समय पर खेत की ओर निकाल जाते हैं. सोहराई एवं टुसु पर्व के केंद्र बिंदु में भी प्रकृति, कृषि एवं पशु की पूजा ही हैं, जो हमारे जीवन के आधार हैं.

राज्यपाल रविवार को राजभवन में संयुक्त रूप से पोंगल, सोहराई एवं टुसु पर्व के साथ-साथ त्रिपुरा, मेघालय एवं मणिपुर के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि त्रिपुरा, मेघालय एवं मणिपुर प्रकृति के गोद में बसे हैं. इनका गौरवशाली इतिहास रहा है एवं गरिमामयी विरासत रही है. ये सांस्कृतिक विविधताओं से भरे पड़े हैं.

एक-दूसरे की संस्कृति से हो रहे हैं अवगत

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत हम एक दूसरे के संस्कृति से अवगत हो रहे हैं. आपसी सौहार्द एवं समन्वय की भावना भी प्रगाढ हो रही है. राज्यपाल ने देश के विकास के लिए सभी से साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया. कहा कि हम सभी का दायित्व है कि हम सब 'विकसित भारत 2047' में प्रतिबद्ध होकर अपना योगदान दें. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रदेशों के लोगों द्वारा लोक नृत्य व गीत भी पेश किए गए. इससे पूर्व राज्यपाल राज भवन के मूर्ति गार्डेन में आयोजित पोंगल उत्सव में सम्मिलित हुए एवं पूजा अर्चना की. उन्होंने सभी के सुख समृद्धि की कामना की.

राज्यपाल ने तपोवन मंदिर में साफ-सफाई की

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को रांची स्थित तपोवन मंदिर जाकर अपने साफ-सफाई की. उन्होंने वहां पूजा-अर्चना भी की व सभी के सुख समृद्धि की कामना की.

सरना कोड की मांग को लेकर 4 फरवरी को रैली

रांची। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के लोगों ने कांके रोड प्रधान कार्यालय में बैठक की. अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि 4 फरवरी को आदिवासी एकता महारैली मोरहाबादी में बुलायी गयी है. आदिवासी समाज की विभिन्न मुद्दों का आवाज उठायी जाएगी. आदिवासियों की हक अधिकार की बात होगी. केंद्र सरकार से आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग की जाएगी. मौके पर सती तिर्की, अनिता उरांव, संगीता गाड़ी, बसंती कुजूर, कुईली उरांव, मनोज उरांव, भानु उरांव समेत अन्य शामिल हैं.

राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन शीघ्र हो : दीपेश

रांची। द रांची प्रेस क्लब, रांची में फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन की बैठक अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संगठन के सभी सदस्यों सहित राज्यभर के व्यापारियों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और सर्विस प्रोवाइडरों ने भाग लिया. संगठन के नए सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र और आईकार्ड प्रदान किया गया. बैठक में संगठन के कार्यों की आगामी रूपरेखा और वर्तमान व्यापारिक हालात और व्यापारियों के समक्ष आ रही चुनौतियों पर व्यापक चर्चा विमर्श किया गया, जिसमें मुख्य रूप से राज्य की विधि-व्यवस्था पर व्यापक चर्चा हुई.

रांची के 39 परीक्षा केंद्रों पर सीटेट की परीक्षा संपन्न

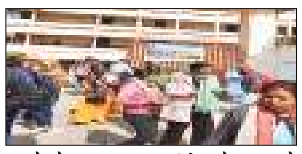

रांची। रांची सहित झारखंड के पांच शहरों में रविवार को सीटेट की परीक्षा संपन्न हुई. रांची के 39 परीक्षा केंद्रों में भी परीक्षा हुई. परीक्षा सुबह 9:30 बजे से शुरू हुई जो दोपहर 12.30 बजे तक चली. इस परीक्षा में करीब 40,000 अभ्यर्थी शामिल हुए. सीटेट की परीक्षा दो लेवल प्राइमरी और एलिमेंट्री में आयोजित की गयी. दोनों लेवल में 150-150 प्रश्न पूछे गये. परीक्षा में पास करने के लिए अभ्यर्थियों को कम से कम 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है. बता दें कि रांची के अलावा झारखंड के हजारीबाग, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में परीक्षा केंद्र बनाया गया था.

डीलिस्टिंग आंदोलन : देश के सभी सांसदों का होगा घेराव

विशेष संवाददाता। रांची

धर्मांतरण कर चुके पूरे देश भर के आदिवासियों को डीलिस्टिंग करने की मांग अब तेज हो गयी है. झारखंड के बाद जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक रविवार को छत्तीसगढ़ के जशपुर में राष्ट्रीय संयोजक गणेण राम भगत के आवासीय कार्यालय में हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक धर्मांतरित आदिवासियों को आरक्षण से वंचित करने के लिए आंदोलन तेज होगा. जनजाति सुरक्षा मंच दिल्ली कूच करने की तैयारी में जुट गया है. अब देश के सभी सांसदों का होगा घेराव और सभी राज्यों में जन आंदोलन होगा. मंच की बैठक छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा के संयुक्त कार्यकर्ताओं की बैठक होगी. बैठक में रौशन प्रताप सिंह, पिंकी खोया, सन्नी उरांव, हिंदुआ उरांव, जगरन्नाथ भगत, करूण भगत, मनोज भगत, हरि नागवंशी, अनिता भगत सहित अन्य हिस्सा लिया.

धर्मांतरण की चपेट में है झारखंड : गणेश

जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा चलाए जा रहे डीलिस्टिंग अभियान पूरे भारत देश में वृहद आंदोलन का रूप ले चुका है. छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड धर्मांतरण की चपेट में है. यह एक गंभीर चिंता है. सभी राज्यों के सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आने वाले समय में एक नए संघर्ष की ओर आगे बढ़ना है.

आदिवासियों की समस्या में धर्मांतरण भी : संदीप

जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि जनजाति समाज में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिसमें प्रमुख समस्या धर्मांतरण हैं. धर्मांतरण के कारण जनजाति समाज का अस्तित्व अस्मिता और उनकी पहचान खतरे में है.

CLASSIFIED

राममय हुई है अयोध्या
दुल्हन की तरह सजी नगरी

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

आ रहे हैं राम

शुभम संदेश नेटवर्क

अयोध्या में रामलला के आगमन की घड़ी नजदीक है. सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. अयोध्या को आध्यात्मिक रंग से सजाया गया है. मंदिर परिसर की छंटा देखती ही बनती है. इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों न्योता मिला है. अब भारत समेत दुनिया की नजरें प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक घड़ी पर टिकी हुई हैं.

10 बजे सुबह से गूंजेगी **मंगलध्वनि**

84 सेकेंड के शुभ मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा

प्राण प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम क्या है?

सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए हैं. श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः काल 10 बजे से मंगल ध्वनि का भव्य वादन होगा. विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनेंगे.

10:30 बजे तक मेहमानों को करना होगा प्रवेश

मेहमानों को 10:30 बजे तक परिसर में प्रवेश करना होगा. तीर्थ क्षेत्र द्वारा जारी की गई प्रवेशिका के जरिए ही प्रवेश संभव है. निमंत्रण पत्र से आगंतुक प्रवेश नहीं कर पाएंगे. प्रवेशिका पर बने क्यूआर कोड के मिलान के बाद ही प्रवेश मिलेगा. सोशल मीडिया पर प्रवेशिका का एक प्रारूप भी साझा किया गया है.

प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे से

प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू होगी. मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में होगी. प्राण प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला है. यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में होगा.

84 सेकेंड का शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त दिन के 12.29.8 सेकेंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकेंड तक का है. यानी शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकेंड का है. यजमान पीएम मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी. अनुष्ठान काशी के आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में संपन्न होगा.

4 घंटे रहेंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी सोमवार को चार घंटे अयोध्या में रहेंगे. सुबह 10:25 बजे एयरपोर्ट और 10:55 पर राम जन्मभूमि पहुंचेंगे. प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के बाद 1 बजे सभा को संबोधित करेंगे. 2:10 पर कुबेर टीला के दर्शन कर दिल्ली लौट जाएंगे.

शाम में होगा दीप प्रज्ज्वलन

समारोह के बाद राम ज्योति प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनेगी. शाम को अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगाएगी. मकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर 'राम ज्योति' प्रज्ज्वलित होगी. रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, सरयू तट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,500
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

मोदी ने वेड इन इंडिया का नारा दिया

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीयों द्वारा विदेशों में जाकर शादी रचाने के बढ़ते चलन का मुद्दा उठाया और कहा कि लोगों को भारत में ही शादी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि देश का धन देश में ही बना रहे. उन्होंने वेड इन इंडिया का नारा दिया है.

एम्स, दिल्ली आज भी बंद नहीं रहेगा

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाएं अपराह्न 2:30 बजे तक बंद रखने के अपने फैसले को वापस ले लिया है. अब सोमवार को भी ओपीडी खुली रहेगी.

भारत में कोविड के 290 नये मामले, 6 की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 290 नये मामले दर्ज किए गए. देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या अब 2,059 हो गयी है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी.

बजट में कर मोर्चे पर मिल सकती है राहत

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिन में आम बजट पेश करेंगी. बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है.

झामुमो ने केंद्र सरकार पर लगाये गंभीर आरोप, कहा

राष्ट्रपति शासन की थी साजिश : झामुमो

कौशल आनंद। रांची

झामुमो ने सीएम हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान उतारे गए 500 से अधिक सीआरपीएफ जवानों की तैनाती को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है. झामुमो ने कहा कि एक सोची समझी रणनीति के तहत केंद्र सरकार ने झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने साजिश रची गयी थी. अगर झामुमो कार्यकर्ता संयम न बरते होते, तो विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती थी. इसके बाद राज्य में विधि व्यवस्था का हवाला देकर राष्ट्रपति शासन के हालात पैदा किये जाते. पार्टी ने राज्य सरकार से सीआरपीएफ आईजी की भूमिका की जांच की मांग की है, नहीं तो आंदोलन की चेतावनी दी है.

झामुमो केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य एवं विनोद पांडेय ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी के अनुरोध पर ही राज्य सरकार ने विधि व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ईडी के अधिकारियों की सुरक्षा, उनके कार्यालय की सुरक्षा, उनके परिवार की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संभालने के लिए करीब 2000 पुलिस एवं वरीय दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की थी. इस दौरान आम जनता एवं झामुमो कार्यकर्ता केंद्र की जांच एजेसियों की पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे. इसको देखते हुए पुनः रांची जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए सीएम हाउस के आसपास 500 मीटर की दूरी पर धारा 144 लगा दिया था. मगर, इसी बीच अचानक सीआरपीएफ के सैकड़ों जवानों को बस में भर कर भेजा गया. पहुंचते ही सीआरपीएफ के जवान बिना किसी अनुमति या सूचना के मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश का प्रयास करने लगे.

सीएम से ईडी की पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ की इंट्री गैरकानूनी सरकार इसकी कराए जांच और ले एक्शन, वरना करेंगे आंदोलन

झामुमो कार्यकर्ताओं से उलझने लगे जवान

झामुमो नेताओं ने आरोप लगाया कि एक तो बिना अनुमति या सूचना के सीआरपीएफ के जवानों को उतारा गया. बिना अनुमति या सूचना के सीएम हाउस में प्रवेश करने की कोशिश की गयी. इतना ही नहीं बाद में जवानों ने झामुमो कार्यकर्ताओं से उलझने का भी प्रयास किया, ताकि माहौल को बिगाड़ कर राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सके.

क्या कहा

- पर्याप्त सुरक्षा के बावजूद माहौल बिगाड़ने के लिए 500 सीआरपीएफ जवान उतारे गये
- ईडी के अनुरोध पर सरकार ने 2 हजार पुलिस-प्रशासन अफसरों की सुरक्षा में लगाये थे
- झामुमो के कार्यकर्ताओं से उलझने का प्रयास किया गया, माहौल बिगाड़ने का प्रयास हुआ
- बिना अनुमति के सीएम हाऊस में प्रवेश का भी किया गया प्रयास
- पूरे मामले और सीआरपीएफ आईजी की भूमिका की जांच हो

बिना अनुमति या सूचना के सीआरपीएफ की तैनाती भड़काऊ-गैर कानूनी

झामुमो नेताओं ने कहा कि विधि-व्यवस्था के इतने संवेदनशील समय एवं स्थान पर जिला प्रशासन की अनुमति के बिना और बिना सूचना दिए इतनी बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के बल का निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करना एक भड़काऊ एवं गैरकानूनी कार्य है. झामुमो कार्यकर्ताओं ने यदि संयम का परिचय नहीं दिया होता, तो हिंसक परिस्थिति उत्पन्न हो सकती थी.

सीआरपीएफ आईजी इस साजिश में शामिल

झामुमो नेताओं ने कहा कि सीआरपीएफ का यह कृत्य सोची समझी साजिश का हिस्सा था, जिसमें उसके के आईजी भी शामिल थे. वे चाहते थे कि सीआरपीएफ एवं कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हो जाए तथा प्रदर्शनकारी उग्र होकर यदि सीआरपीएफ पर हमला कर दें, तो राज्य सरकार पर संवैधानिक तंत्र की विफलता का आरोप लगाया जा सके और राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सके.

केंद्र के इशारे पर हुआ कायराना हमला

सुप्रियो ने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ कभी भी जिला प्रशासन के अनुरोध अथवा अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के विधि-व्यवस्था का कार्य नहीं कर सकती है. इससे स्पष्ट है कि सीआरपीएफ ने यह कार्रवाई साजिशन केंद्र सरकार के इशारे पर की है, जो राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास है और संघीय ढांचे पर एक कायराना हमला है.

राज्य सरकार जांच कराये अन्यथा झामुमो करेगा आंदोलन

झामुमो ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह सीआरपीएफ आईजी, कमांडेट एवं उनके अन्य वरीय पदाधिकारियों पर इस असंवैधानिक कार्य के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए एक उच्च स्तरीय जांच करा कर पूरी साजिश का भांडाफोड़ करे, अन्यथा झामुमो आंदोलन के लिए बाध्य होगा.

भीड़ ने रोकी राहुल की बस लगाए मोदी-मोदी के नारे

एजेंसी। गुवाहाटी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इन दिनों असम से गुजर रही है. राज्य के सोनितपुर में भीड़ ने राहुल गांधी की बस को रोक लिया, तो राहुल बस से नीचे उतर आए. हालांकि उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों ने राहुल को वापस बस में बैठने के लिए कहा. इस दौरान भीड़ में मौजूद लोग मोदी-मोदी के नारे लगाते हुए नजर आए. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि सबके लिए मोहब्बत की दुकान खुली है. जुड़ेगा भारत, जीतेगा हिंदुस्तान. उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है.

कांग्रेस के राज्य प्रमुख पर हमला: कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष भूपेन बोरा पर रविवार को सोनितपुर के जमुगुरीहाट इलाके में अज्ञात लोगों ने पर हमला किया. प्रवक्ता बेदब्रत बोरा के अनुसार, भीड़ ने भूपेन बोरा की कार को रोक दिया, जब वह यात्रा में शामिल होने के लिए गाड़ी चला रहे थे. बेदब्रत ने कहा, हमारे अध्यक्ष देखने के लिए अपनी कार से बाहर निकले कि क्या हो रहा है. उनकी नाक पर मुक्का मारा गया, जिससे खून बहने लगा. उन्होंने बताया कि पार्टी के एक अन्य कार्यकर्ता हृदय दास गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में भर्ती हैं. इससे पहले, कांग्रेस की संचार समन्वयक महिमा सिंह ने बताया कि सोनितपुर में जयराम रमेश के वाहन पर भी हमला हुआ और मीडियाकर्मियों से उपद्रवियों ने हाथापाई की. सिंह ने बताया, जयराम और कुछ अन्य की कार जा रहे थी, तभी उन पर हमला हुआ.

कांग्रेस नेता ने दी फ्लाइंग किस

जनता भाजपा से डरने वाली नहीं: राहुल

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम की भाजपा सरकार लोगों को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के खिलाफ धमकी दे रही है और यात्रा कार्यक्रमों की अनुमति देने से भी इनकार कर रही है. राहुल ने एक जनसभा मे कहा, लेकिन लोग भाजपा से डरते नहीं हैं. उन्होंने दावा किया कि पार्टी आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ भारी अंतर से जीत हासिल करेगी. उन्होंने कहा, हम यात्रा में लंबे भाषण नहीं देते हैं. हम हर दिन 7-8 घंटे यात्रा करते हैं, आपके मुद्दों को सुनते हैं और हमारा उद्देश्य इन मुद्दों को उठाना है.

झारखंड में आज आधे दिन सरकारी दफ्तर बंद, स्कूलों में भी छुट्टी

रांची। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर झारखंड समेत पूरे देश में उत्साह का माहौल है. सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी घोषित कर रखी है, तो कई राज्यों में भी छुट्टी घोषित की गई है. अब झारखंड में भी हेमंत सोरेन सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर आधे दिन की छुट्टी का ऐलान कर दिया है. इस दौरान झारखंड के सभी सरकारी कार्यालय दोपहर 2:30 बजे तक बंद रहेंगे. इसके अलावा सरकारी स्कूलों को पूरे दिन बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है. भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के यह निर्देश मुख्य सचिव को दिया था. इसके बाद कार्मिक विभाग ने रविवार को यह आदेश जारी कर दिया.

शिबू सोरेन की अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला आज

एजेंसी। रांची/नयी दिल्ली

झामुमो के प्रमुख शिबू सोरेन की उस याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट सोमवार को फैसला सुनाएगा, जिसमें उन्होंने लोकपाल द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को चुनौती दी है. लोकपाल ने सोरेन के खिलाफ कार्यवाही भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे की एक शिकायत पर शुरू की है, जिसमें दुबे ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है. फैसला न्यायमूर्ति सुब्रह्मण्यम प्रसाद की पीठ द्वारा सुनाया जाएगा. अगस्त 2020 में हुई शिकायत में, भाजपा नेता दुबे ने दावा किया कि शिबू और उनके परिवार ने सरकारी खजाने का दुरूपयोग करके भारी संपत्ति अर्जित की है. 12 सितंबर, 2022 को हाईकोर्ट ने यह कहते हुए लोकपाल की कार्यवाही रोक दी थी कि इस पर विचार की आवश्यकता है. शिकायत के साथ ही लोकपाल की कार्यवाही को लेकर सोरेन ने हाईकोर्ट के समक्ष दलील दी कि उनके खिलाफ मामला पूरी तरह से दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित है.

खास बातें

- लोकपाल के खिलाफ गुरुजी ने दायर कर रखी है याचिका
- गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत पर चल रही कार्रवाई

मोदी ने धनुषकोडी के राम मंदिर में की पूजा

एजेंसी। रामेश्वरम (तमिलनाडु)

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को अरिचल मुनाई के पास राम मंदिर में पूजा करके देश के दक्षिणी हिस्सों में रामायण से संबंध वाले मंदिरों की अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूरी की. मोदी रविवार को अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए. मोदी ने वहां प्राणायाम भी किया.

उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया. प्रधानमंत्री ने वहां बने राष्ट्रीय प्रतीक स्तंभ पर भी पुष्पांजलि अर्पित की. रामायण से जुड़े मंदिरों का उनका दौरा सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले संपन्न हुआ है. मोदी ने श्री कोठंडारामस्वामी मंदिर में पूजा की, जो धनुषकोडी और अरिचल मुनाई की ओर जाने वाले रास्ते पर है, जहां से श्रीलंका कुछ ही दूरी पर है. तमिल में कोठंडारामस्वामी भगवान राम को धनुष और बाण से दर्शाते हैं. मोदी ने रात्रि प्रवास रामेश्वरम में किया था और इसके बाद वह अरिचल मुनाई गए. कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है, जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था. राम सेतु को एडम ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है. इस सप्ताह की शुरुआत में, मोदी ने आंध्र प्रदेश और केरल के उन मंदिरों में भी प्रार्थना की, जिनका रामायण से संबंध है. उन्होंने शनिवार को श्रीरंगम और रामेश्वरम में क्रमशः श्री रंगनाथस्वामी और अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिरों में पूजा अर्चना भी की थी.

खास बातें

- पवित्र कलश लेकर आज अयोध्या आयेंगे पीएम
- मोदी की मंदिरों की यात्रा पूरी, आज करेंगे बड़ा यज्ञ

राजनीति बिहार में लोकसभा सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में तनातनी बरकरार

होने जा रहा 'गेम', नीतीश के लिए भाजपा ने खोली खिड़की

विशेष संवाददाता। पटना

बिहार में भले ही कड़ाके की ठंड पड़ रही हो, लेकिन सियासी हलचल से राजनीतिक पारा गर्म है. कल तक जो भाजपा के नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आक्रामक तरीके से निशाने पर ले रहे थे, वे अब नरम पड़ गए हैं. जदयू भी बीजेपी नेताओं के विरोध में उठाए हथियार को फिलहाल टांग चुकी है.

प्रदेश की सियासत में इसकी चर्चा खूब हो रही है कि नीतीश कुमार की भाजपा के साथ नजदीकियां बढ़ गई हैं. वैसे, इस मामले को लेकर भाजपा और जदयू की तरफ से कोई भी नेता खुल कर बयान नहीं दे रहा. सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों में तनातनी बनी हुई है. जदयू जहां जल्द सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन पर दबाव बनाए हुए हैं, वहीं राजद इसे जल्दबाजी बता कर सीट बंटवारे की बात को टाल रही है. ऐसी स्थिति में प्रदेश की सियासत में इस बात की चर्चा ने जोर पकड़ ली है कि नीतीश फिर से एनडीए में जाएंगे. अगर ऐसा होता है तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य बदलना तय है.

शाह के बयान से उठे सवाल

दरअसल, इस चर्चा के गर्म होने के कारण भी हैं. जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान आए कि प्रस्ताव आएगा तो पार्टी विचार करेगी, उससे दोनों दलों के सुर बदलते दिखे. इस बयान को लेकर कहा जाने लगा कि भाजपा ने दरवाजे तो नहीं लेकिन नीतीश के लिए रोशनदान जरूर खोल दिए हैं. एनडीए के घटक दलों को भी इससे परहेज नहीं दिख रहा है. सभी इसे लेकर तैयार हैं. बिहार के भाजपा नेता भी अब नीतीश को लेकर नरम रुख अपना रहे हैं. वहीं जदयू भी इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करने की जल्दी में नहीं है.

भाजपा-जदयू के नरम रुख

गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर जदयू ने भी भाजपा के अंदाज में ही जवाब दिया है. जदयू के नेता अशोक चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि अमित शाह ने कभी ऐसा बयान नहीं दिया है कि नीतीश के लिए दरवाजे बंद हैं. ऐसे में तय दिख रहा है कि जदयू के व्यवहार में भी नरमी आई है. इन बयानों को देख कर साफ है कि दोनों पुराने मित्रों में आपसी सामंजस्य बढ़ रहा है. लेकिन अमित शाह ने ही अपने बिहार दौरे के क्रम में सार्वजनिक मंच से कहा था कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं. इसके बाद भाजपा के स्थानीय नेता भी नीतीश पर आक्रामक बयान दे रहे थे.

नीतीश, भाजपा के लिए जरूरी हैं या मजबूरी

जदयू भी मान कर चल रही है कि अगर पार्टी के फिर से एनडीए के साथ जाने की बात सियासी हलकों में रहेगी, तो इंडिया में सीट शेयरिंग में फायदा हो सकता है. इस दौरान गौर करने वाली बात है कि पीएम का बिहार दौरा भी टाला गया है. नीतीश, जो झारखंड से जनसभा करने वाले थे, उसकी भी तारीख बढ़ाई गई है. बहरहाल, राजनीति संभावनाओं के आधार पर होती है. इतना कह सकते हैं कि नीतीश भाजपा के लिए जरूरी हैं या मजबूरी, यह जल्द ही साफ हो जाएगा.

ब्रीफ खबरें

जहर पीने से नवागांव के युवक की हुई मौत

किरीबुरु । किरीबुरु थाना अन्तर्गत नवागांव निवासी लादुरा तोरकोट (45 वर्ष) की जहर पीने की वजह से इलाज के दौरान सेल अस्पताल किरीबुरु में मौत हो गई. लादुरा की मौत की जांच किरीबुरु पुलिस ने प्रारम्भ कर दी है. घटना के बाबत बताया जा रहा है का लादुरा एवं उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. इससे नाराज लादुरा ने 20 जनवरी को गांव में ही विषैला पदार्थ खा लिया. लादुरा की तबीयत खराब होने के बाद परिजन सेल अस्पताल में भर्ती कराये. शनिवार की देर रात लगभग डेढ़ बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. लादुरा की एक बेटी है.

लोकेश्वरनाथ मंदिर से निकली शोभायात्रा

किरीबुरु । श्री श्री लोकेश्वरनाथ धाम मंदिर प्रांगण से राम भक्तों द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाला गया. यह शोभायात्रा भगवान श्री राम की अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठान कार्यक्रम के मद्देनजर आयोजित किया गया. इस शोभा यात्रा में राम भक्त डीजे पर बजने वाली भक्ति गीतों पर झूमते तथा हाथों व वाहनों में भगवान राम की तस्वीर लगा ध्वज लिये नाचते-गाते पूरे किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर का भ्रमण किये. इस शोभा यात्रा में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या काफी अधिक थी.

गुरुनानक जयंती पर गुरुद्वारा में भव्य कार्यक्रम

किरीबुरु । गुरुनानक जयन्ती के शुभ अवसर पर गुरुनानक सिंह सभा गुरुद्वारा, किरीबुरु में भव्य कार्यक्रम व लंगर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम सुखमणी साहिब का पाठ के साथ-साथ महिलाओं द्वारा धार्मिक कीर्तन के साथ किया गया. तत्पश्चात भव्य लंगर का आयोजन किया गया. पूरे गुरुद्वारा को भव्य तरीके से सजाया गया था. इसमें ओड़िसा के बड़बिल, बोलानी के अलावे झारखंड के विभिन्न शहरों से सिख समुदाय के लोग शामिल हुए. लंगर कार्यक्रम में सेल के अधिकारियों के अलावे शहर के सभी वर्ग के लोग शामिल हुए.

1100 दीपों से जगमगाएगा सदर बाजार काली मंदिर

चाईबासा । 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर सदर बाजार चाईबासा स्थिति सुप्रसिद्ध काली मंदिर में श्री श्री काली मंदिर ट्रस्ट समिति के तत्वाधान मे हर्षोल्लास के साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम की तैयारी को लेकर समिति के सदस्य जोर शोर से जुटे हुए है. रविवार से ही मंदिर प्रांगण के बाहर झंडी से सजाया गया है. वहीं मंदिर प्रांगण में की गई विधुत सज्जा को प्रारंभ कर दिया गया है. सदर बाजार काली मंदिर चौक तथा मंदिर प्रांगण जगमगा गया है.

पोर्टरखोली काली मंदिर से निकाली शोभायात्रा

चक्रधरपुर । अयोध्या में श्री राम मंदिर के भव्य अभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर रविवार को चक्रधरपुर के पोर्टरखोली स्थित काली मंदिर से भव्य शोभायात्रा सह कलश यात्रा निकाली गई. इससे जय श्री राम के नारों से शहर गूंज उठा. स शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालु शामिल हुये. शोभायात्रा के दौरान एक वाहन में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व सीता के रुप में बच्चें मौजूद थे. शोभायात्रा के दौरान महिला-पुरूष श्रद्धालु जयश्रीराम का नारा लगाते हुए हाथों में भगवा पताका लिये हुये चल रहे थे.

कल्पना उत्तर प्रदेश के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पढ़ती है, मां है मुखिया

कल्पना ने 20 वर्ष में पास किया यूजीसी नेट

संवाददाता । चाईबासा

मिली सफलता

- कल्पना की दीदी क्रिस्टीना भी हैं असिस्टेंट प्रोफेसर
- कल्पना के पिता प्राथमिक विद्यालय में प्रिंसिपल हैं

सदर प्रखंड के कमरहातु गांव की कल्पना देवगम ने महज 20 वर्ष की आयु में पहले प्रयास में ही यूजीसी नेट उत्तीर्ण कर युवाओं को नयी राह दिखायी है. यूजीसी नेट लिखते-लिखते लोग बूढ़े हो जाते हैं. ऐसे में कल्पना देवगम की सफलता बताती है कि अल्पायु में भी राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा को क्रैक किया जा सकता है.

होनहार बेटी की इस सफलता से उनके माता-पिता समेत सारे रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है. कल्पना देवगम फिलहाल उत्तर प्रदेश के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पढ़ती है. वह कमरहातु निवासी कृष्ण देवगम, जो प्राथमिक विद्यालय नीमडीह के प्रधानाध्यापक की बेटी है. माता का नाम जुलियाना देवगम है, जो मतकमहातु पंचायत की मुखिया है. यदि कल्पना देवगम आगे जाकर असिस्टेंट प्रोफेसर बनती है, तो यह उपलब्धि हासिल करने वाली अपने खानदान की वह दूसरी महिला होगी. इसी खानदान से उसकी चचेरी बहन क्रिस्टीना देवगम भी अल्पायु में ही यूजीसी- नेट क्वालिफाई करके असिस्टेंट प्रोफेसर बनी थी. अब वह साहेबगंज में राजनीतिशास्त्र पढ़ाती हैं. अब कल्पना भी इसी नक्शेकदम पर है. पिता कृष्ण देवगम ने बताया कि कल्पना देवगम ने हिंदी विषय के साथ यह परीक्षा दी थी. यह उनका पहला प्रयास था. उनका रोल नंबर जेएच04008245 है. उम्मीद नहीं थी कि इतनी कम उम्र में नेट क्वालिफाई करेगी. कल्पना अब आगे जाकर जूनियर रिसर्च फेलो या फिर असिस्टेंट प्रोफेसर के पेशे को कैरियर के रूप में चुन सकती है. मालूम हो कि यूजीसी नेट-2023 का रिजल्ट परसों जारी हुआ था.

ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर की हुई मौत

गुमला । काम की तलाश में मुंबई जा रहे गुमला के मजदूर कोलांबी निवासी बुलु खड़िया की बरौली स्टेशन में ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई. जानकारी के अनुसार बुलु खड़िया 19 जनवरी को काम की तलाश में घर से निकला था. रविवार को बरौली मुंबई रेलवे पुलिस ने मृतक बुलु खड़िया के परिजन को फोन पर ट्रेन के चपेट में आने से मौत की सूचना दी. बुलु के मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों ने मजदूर नेता जुम्मन खान से मुलाकात की और मृतक के शव को पैतृक गांव कोलांबी मंगवाने में मदद करने का गुहार लगाया है. मजदूर नेता ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी श्रम अधीक्षक और उपायुक्त को देते हुए गरीब मजदूर के शव को सरकारी व्यवस्था से मंगवाने का अनुरोध किया है.

न्यूज अपडेट

मानगो में मनाया गया गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

जमशेदपुर । मानगो के बालीगुमा स्थित साईं कंपलेक्स में संचालित सुखमनी जत्था की बीबियों द्वारा दसमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व अस्थापूर्वक मनाया गया. रविवार को सैकड़ों लोगों गुरु ग्रंथ साहिब की हजूरी में बैठकर आस्था के सागर में डुबकी लगायी और ने गुरु के लंगर का प्रसाद ग्रहण किया. इस मौके पर सुखमनी जत्था के सदस्यों द्वारा प्रकाशोत्सव पर शालीन तरीके से नगर कीर्तन आयोजित करने पर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह व गुरमीत सिंह एवं वरीय उपाध्यक्ष चंचल सिंह और सेंट्रल सिख नौजवान सभा के प्रधान अमरीक सिंह को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया. इस मौके पर प्रधान भगवान सिंह एवं चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए कार्यों का ब्यौरा संगत के सामने रखा. साथ ही आगे भी किए जाने वाले कार्यों का खाका साझा किया. इस मौके पर मानगो प्रधान हरजिंदर सिंह, सरबजीत सिंह ग्रेवाल, महासचिव जसवंत सिंह जस्सु, सुखवंत सिंह सुखु, सुखदेव सिंह बिट्टू, सुरेन्द्र सिंह छिन्दे, जगतार सिंह नागी, सरबजीत सिंह, जसवीर सिंह एवं सुखमणि जत्था की बीबियां उपस्थित थीं. जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हो पाया. मंच का संचालन जसवंत सिंह जस्सू ने किया. सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा सुखमणि जत्था की महिलाओं को भी शॉल भेंट कर सम्मानित करके उनका हौसला आफजाई की गयी.

सामुदायिक वन पट्टा भौतिक सत्यापन के लिए बैठक

चक्रधरपुर । सामुदायिक वन पट्टा भौतिक सत्यापन को लेकर कुलीतोड़ांग पंचायत के कुलीतोड़ांग गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता गांव के मुंडा नारायण जोंको ने की. बैठक में मुख्य रुप से जिला परिषद् सदस्य मीना जोंको भी उपस्थित हुई. बैठक में वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन पट्टा दावा प्रक्रिया पर उपस्थित पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी. बैठक के दौरान वन विभाग के फारेस्टर नरेश मार्डी ने ग्रामीणों को वन अधिकार पट्टा के बारे में बताया. साथ ही वन सुरक्षा को लेकर कहा कि कोई ग्रामीण जंगल में पेड़ों को न काटे.जलवान के लिए सूखे लकड़ी का उपयोग करें.वहीं अगर कोई पेड़ों की कटाई करता है तो उसे रोको और इस बारे में जानकारी दे. बैठक के दौरान ग्रामीणों को वन व पर्यावरण के महत्व के संबंध में भी कई जानकारियां दी गई.इस मौके पर पंचायत के मुखिया माझी जोंको, महिला कल्याण केन्द्र के राजेश प्रधान, सुरेश जोंको, महिला कल्याण समिति की सदस्य व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के अलावे गांव के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

सैन्य मातृशक्ति ने रामलला के आगमन को लेकर बांटे 2500 दीप

जमशेदपुर । अयोध्याधाम में नवनिर्मित भव्य एवं दिव्य राम मंदिर निर्माण में प्रभु श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा की शुभ घड़ी अब आने वाली है. 22 जनवरी को होने वाले भव्य प्राण प्रतिष्ठा के लिए भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व व्याकुल है. इसी क्रम में सैन्य मातृशक्ति ने रविवार को श्री राम के दीपोत्सव की तैयारी आरंभ कर दी है. अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के कार्यकर्ता भी प्रभु श्री राम लला के आगमन की तैयारी में लगे है. सैन्य मातृशक्ति द्वारा राम लला के आगमन की खुशी में 2500 दीप वितरण किया गया. सैन्य मातृशक्ति द्वारा ग्यारह-ग्यारह दीप लौहनगरी के हर क्षेत्र के घरों में बाटे जा रहे है. कुल 2500 दीपक वितरण करने को तैयारी की गई है. मौके पर शालिनी, रूबी, बंदना, स्वाति, पूनम, भावना, वीना, कंचन, अनामिका, लता, सरोज मौजूद थी. इसके पश्चात बागबेड़ा मंडल द्वारा 21 घरों में दीप और बाती मनोज, संजय, जयप्रकाश, शैलेश, विवेक ने बाटे. गोविंदपुर और राहरगोरा में पेटी ऑफिसर योगेश और गौतम लाल ने 21 घरों में दीप वितरण किया. कदमा, सोनारी और बिस्टुपुर में हवलदार किशोर और कुंदन सिंह, मानगो नगर में अवधेश कुमार और एसके सिंह वोही बारीडीह और बिरसानगर में हरी सांडिल द्वारा दीप बांटा गया.

दिल्ली में 20 जनवरी को हुई एनजेसीएस की बैठक बेनतीजा समाप्त

सेल प्रबंधन वार्ता को है तैयार : प्रकाश मोहंती

संवाददाता । किरीबुरु

होगा विचार

- खान मजदूर संघ, किरीबुरु के महामंत्री हैं प्रकाश मोहंती
- एमओयू के आधार पर एरियर दिया जा चुका है
- बैठक में एरियर के मुद्दे पर प्रबंधन ने स्पष्टीकरण दिया
- वेज रिवीजन अब 01 जनवरी 2017 से लागू होगा

दिल्ली में 20 जनवरी को आयोजित एनजेसीएस की बैठक बेनतीजा समाप्त हो गई. केन्द्रीय पांच ट्रेड यूनियनों तथा संयंत्रों में मान्यता प्राप्त यूनियन के प्रतिनिधि, सदस्य के रूप में तथा अधिकतर वैकल्पिक सदस्य भी उपस्थित थे. उक्त बातें खान मजदूर संघ, किरीबुरु (सम्बद्ध बीएमएस) के महामंत्री प्रकाश मोहंती ने कहीं. उन्होंने कहा कि बैठक में 39 महीने के एरियर के मुद्दे पर प्रबंधन ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि एमओयू के आधार पर वेतनमान और एरियर दिया जा चुका है. वेज रिवीजन 01 जनवरी 2017 से लागू होगा, लेकिन 1 अप्रैल 2020 से वास्तविक वेतनमान का भुगतान होगा. एमओयू 21 अक्टूबर 2021 को हस्ताक्षर हुआ. इसमें इंटक, एटक, एचएमएस नें हस्ताक्षर किया, जिसमें किसी भी ढंग का एरियर देने की बात नहीं लिखी गई है.

यह कह प्रबंधन ने एरियर देने से मना कर दिया, परन्तु यह बात अवश्य कही कि आप सभी आपस में सहमति बनाकर प्रस्ताव रखिये प्रबंधन उस पर विचार करेगी. जितने भी मुद्दे हैं सभी लंबित मुद्दे पर वार्ता जारी रहेगी.

सेल प्रबंधन ने बोनस पर भी अपना सुझाव देने को कहा कि फार्मूले में क्या संशोधन करना, है विचार किया जा सकता है. क्योंकि बोनस का भुगतान फार्मूले के आधार पर ही होगा. इसके बाद बैठक बेनतीजा समाप्त हो गई. कारण, आपसी सहमति केवल हड़ताल पर जाने के लिए बनाई जा रही थी. भारतीय मजदूर संघ का कहना है कि आम सहमति के आधार पर पहले एमओयू में वेतनमान 1-1-2017 से वास्तविक भुगतान तथा 28 फीसदी पर्क्स पर फिर सब कमेटी में चर्चा कर एमओयू हस्ताक्षर हो. इसके बाद चारों यूनियनों ने आगे कि रणनीति के लिए आपस में बैठक की. चारों यूनियन ने बीएमएस से आग्रह किया कि आप भी हमारे साथ स्ट्राइक में शामिल हों, जिस पर भारतीय मजदूर संघ ने स्पष्ट कह दिया कि आपने स्ट्राइक की घोषणा करते समय बीएमएस से सहमति नहीं ली और न ही बीएमएस यूनियन की सहमति से हड़ताल का नोटिस दिया गया है. बीएमएस के पर्क्स में 1.5 फीसदी की बढ़ोतरी का मुद्दा भी हड़ताल के ज्ञापन में शामिल नहीं किया गया है.

फिर भी बीएमएस नेता पाण्डेय ने कहा कि सेल के कर्मचारियों के हित में यदि स्ट्राइक करना है तो भारतीय मजदूर संघ केन्द्रीय नेतृत्व को साथ में लेकर एजेन्डा और हड़ताल की तिथि तय की जाये तभी भामसं का नैतिक समर्थन मज़दूरों के पक्ष में होगा. किसी के थोपे हुए एजेंडे और तय तिथि पर भारतीय मजदूर संघ का शामिल होने या समर्थन नहीं करने वाला है. ठेका मजदूरों के लिए भी प्रबन्धन एडब्लूए देने को तैयार है. आप सभी तय तो करें कि उचित कितना बढ़ा दिया जाना चाहिए. प्रबन्धन 28 या 29 को अगली बैठक करने को भी तैयार है पर किसी ने स्वीकृति नहीं दी क्योंकि हड़ताल जो करनी है. यह हड़ताल शायद कर्मचारी हित से परे राजनीतिक है. इसीलिए भारतीय मजदूर संघ को प्रतिशोधात्मक मानकर सच्चे मन से हड़ताल में शामिल नहीं किया गया. प्रबन्धन वार्ता करने को तैयार है फिर हड़ताल क्यों? बैठक द्विपक्षीय होती है. जबरन सरकार को घसीटने का प्रयास किया जा रहा है. भारतीय मजदूर संघ को तटस्थ रखकर एमओयू का एप्रुवल यदि सरकार दे सकती है तो बाकी मुद्दे पर बांधा क्यों होगी, पहले मुद्दे तय कर निर्णयात्मक समझौता करने से मंत्रालय का एप्रुवल भी मिल सकता है. पहल तो करें.

प्रखंड प्रमुख ने बिरसा किसान रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

मझगांव । मझगांव प्रखंड कार्यालय परिसर से रविवार को झारखंड सरकार के कृषि विभाग द्वारा बिरसा किसान रथ का शुभारंभ मझगांव प्रखंड प्रमुख सरस्वती चातार व मझगांव मुखिया मधु धान एटीएम मझगांव, किसान मित्र और किसान बंधुओं की उपस्थिति में बिरसा किसान रथ को हरी झंडी दे कर रवाना किया गया. प्रखंड प्रमुख ने कहा कि ये किसान रथ मुख्य रूप से किसानों के लिए झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने एवं विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए चलाया जा रहा है.

ताकि प्रखंड क्षेत्र का एक भी किसान सरकारी लाभ से वंचित न हो और सरकार के सभी लाभ का फायदा उठाकर उन्नत कृषि कर सके. ताकि आमदनी दोगुनी से अधिक हो. ये किसान रथ मझगांव प्रखंड के सभी 12 पंचायतों में चलाया जाएगा जिससे कि प्रखंड के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक योजनाओं कि जानकारी पहुंचाया जा सके, किसान रथ 21 और 22 जनवरी को मझगांव के सभी पंचायतों से गुजरते हुए प्रखंड के 88 गांव के किसानों को राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके. यह रथ जिस इलाके से गुजरेगा वहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देगा.

स्वर्णरेखा महोत्सव में कलाकारों के साथ जमकर झूमे दर्शक

संवाददाता । चांडिल

दर्शक उत्साहित

- कला संस्कृति के संरक्षण में ऐसा आयोजन होना जरूरी
- इस कार्यक्रम के लिए नटराज कला केंद्र चोगा को धन्यवाद

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से नटराज कला केंद्र चोगा के द्वारा रविवार को ईचागढ़ प्रखंड के चोगा में स्वर्णरेखा महोत्सव का आयोजन किया गया. प्राचीन कला संस्कृति के संरक्षण और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित स्वर्णरेखा महोत्सव में स्थानीय लोक कलाकारों ने अपने दमदार प्रस्तुति दी. इसके पूर्व मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, सांसद प्रतिनिधि विश्वनाथ उरांव, तूता पंचायत के मुखिया संगीता देवी आदि ने विधिवत द्वीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष ने कहा कि कला संस्कृति के संरक्षण में ऐसे आयोजन होना जरूरी है. वही चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी ने इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नटराज कला केंद्र चोगा को धन्यवाद दिया. कार्यक्रम में समाजसेवी हरेलाल महतो, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह प्रमुख अशोक अग्रवाल, ईचागढ़ प्रखंड के प्रमुख गुरुपद मार्डी, उप प्रमुख दीपक कुमार साव समेत बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित हुए. कार्यक्रम का संचालन ठाकुर दास महतो ने किया. स्वर्णरेखा महोत्सव में सबसे पहले बुटन देवी व साथी, पंच परगनिया सांस्कृतिक दल बुंडू रांची के द्वारा पांच परगनिया नृत्य-संगीत की आकर्षक प्रस्तुति से उपस्थित दर्शक भाव विभोर हो गए. इसके बाद कला मंदिर जमशेदपुर के देवला मुर्मू एवं साथी द्वारा माथे पर लोटा लेकर बहुत ही सुंदर संथाली साड़फा नृत्य प्रस्तुत किया गया.दी, गुलाप सिंह मुंडा एवं साथी मानभूम सांस्कृतिक समिति इचागढ़ सरायकेला-खरसावां के 20 सदस्यीय दल के द्वारा वीर योद्धाओं के लड़ाई पर आधारित वीर रस का पाइका नृत्य की प्रस्तुति दी गई. कलाकार हाथ में ढाल तलवार लेकर ढाक व नगाड़ा की धुन पर विभिन्न प्रकार की करतब दिखाए. अंत में लक्ष्मी मनी महतो एवं साथी साराम्ब, पुरुलिया के द्वारा एक से बढ़कर एक कुड़माली पाता झूमर की प्रस्तुति दी गई. कलाकारों के कलाकारी देखकर देर रात तक दर्शक झूमते रहे.

आज के समय में शिक्षा जरूरी : एनोस

संवाददाता । चाईबासा

चाईबासा के खुटकट्टी मैदान में रविवार को झारखंड पार्टी का नगाड़ा पिटावन महारैली का आयोजन किया गया. जिसमे झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का ने कहा कि झारखंड को बिहार से अलग हुए 23 वर्ष गुजर गया. लेकिन हमारा भाग्य नहीं बदला. सत्ता में रही सभी पार्टी के नेता सिर्फ अपनी शक्ति सत्ता और संपत्ति अर्जित करने में लगे रहे. आज के समय में शिक्षा आवश्यक है. लेकिन शिक्षकों की घोर कमी है. 1 से 8 वर्ग तक के मिडिल स्कूल 1- 2 टीचर का भरोसे चल रही है. जिस कारण स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती. इस तरह हमारे बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है.

कोई सांसद, विधायक सरकार से पूछने की जरूरत नहीं करता. पंचायतो एवं प्रखंडों में स्वास्थ्य केंद्र है. लेकिन डॉक्टर, नर्स कंपाउंडर नहीं. आपका इलाज कौन करेगा. प्रशासन तंत्र ध्वस्त हो गया है, सत्ता एक व्यक्ति के हाथ में केंद्रित हो गई है. बड़े-बड़े अधिकारी निठले बैठने पर मजबूर किए गए हैं. जमीन और जंगल की लूट मची है. जन-मुद्दों को सत्ता पक्ष और विपक्ष नहीं उठाते. ऐसी परिस्थिति में झारखंड पार्टी सिर्फ सत्ता परिवर्तन की राजनीति नहीं व्यवस्था परिवर्तन की राजनीति के साथ अनसुलझे झारखंड की मूलभूत समस्याओं के समाधान की राजनीतिक करेगी. झारखंड पार्टी के महासचिव अशोक भगत ने कहा कि हमारी सरकार बनती है तो हम गैर कानूनी लूटी गई. जमीन को प्रत्येक जिला में टास्क फोर्स गठन कर त्वरित जमीन स्तर पर कम होगी. इधर, केंद्रीय युवा झारखंड पार्टी के अध्यक्ष विभव संदेश एक्का ने कहा कि आने वाला समय युवाओं का है और युवाओं को भी राजनीति में आने की जरूरत है. कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष मो रिजवान अहमद, किरण आईद, पूर्व सांसद चित्रसेन सिंकु, पूर्व सांसद दुर्गा प्रसाद जामुदा, एमानुएल हक,कोलम्बस हसंदा, रेयास समाड,मनोज मोहाली, विनोद बिहारी कुजूर, जसीम अंसारी,शालिग्राम उरांव, सरस्वती दुबे एवं हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम का उद्घाटन नगाड़ा बजाकर किया गया. मंच का संचालन झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता महेंद्र जामुदा ने किया.

वहीं दूसरी ओर सरायकेला खरसांवा जिला के युवा अध्यक्ष विनोद बिहारी कुजूर के नेतृत्व में लोग बाइक पर रैली के रूप में पहुंचे. और मनोज माहली, सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष, के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने झारखंड पार्टी का दामन थामा. इस दौरान पार्टी ने कई घोषणाएं कीं. इसमे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों की नियुक्ति, स्वस्थ्य सेवा के लिए डॉक्टर, नर्स, कंपाउंडर की नियुक्ति, बेरोजगार को रोजगार व सर्व सुलभ न्याय व्यवस्था और असीमित पुलिस अधिकार के चेक एंड बैलेंस की व्यवस्था से जनमुखी बनाना है. इसके अलावा नागरिक अधिकार पत्र (सिटीजन चार्टर) की घोषणा एवं क्रियान्वयन, जल और जंगल पर पुनः अधिकार, सामुदायिक सार्वजनिक सम्पदा पर जनता के हिस्सेदारी, पेसा कानून का प्रभावी अनुपालन और ऑस्ट्रलायड मुंडा भाषा को झारखंड की राजभाषा बनाना शामिल है.

मीटिंग पुराना चाईबासा गांव में ग्राम मुंडा जानूम देवगम की अध्यक्षता में ग्रामसभा की बैठक

कानूनी लड़ाई लड़कर जमीन वापस लेंगे: ग्रामसभा

संवाददाता । चाईबासा

पुराना चाईबासा गांव में रविवार को ग्राम मुंडा जानूम सिंह देवगम की अध्यक्षता में ग्रामसभा की बैठक हुई. बैठक में कोल्हान भूमि बचाओ समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सावैया, विधि सलाहकार सह महासचिव सुरेश चंद्र सोय, उपाध्यक्ष डिबर देवगम, सचिव भगवान देवगम, प्रकाश देवगम विशेष रूप से आमंत्रित थे. बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि मौज़ा की 21 एकड़ भूमि पर कृषि विभाग का 1964 से अवैध कब्जा है.

इसे कानूनी लड़ाई लड़कर वापस लिया जायेगा. इसकी वापसी के लिए कोल्हान भूमि बचाओ समिति से आंदोलनात्मक व विधिक व न्यायिक सहयोग की अपेक्षित है. आदिवासी हो समाज महासभा के जिलाध्यक्ष बिनोद कुमार सावैया ने कहा कि पूर्वजों ने पहाड़ों को काट कर खेत बनाया था. जिसे 1963- 64 में तत्कालीन बिहार सरकार कृषि विभाग द्वारा बीज उपचार केंद्र के लिए कुछ सालों के लिए लीज पर लिया था. जो अब समाप्त हो चुका है. लेकिन बाद में किसी सरकार ने रैयतों की खोज खबर नहीं ली. मतलब साफ है ये लीज अवधि पांच सालों तक ही मान्य होगा. अब ग्रामीण दख़ल कर जमीन पर खेती करते रहें. कोई सरकार-अधिकारी आप पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकता है.

यह जमीन पुराना चाईबासा के रैयतों की है. 1913-14 में यह पुराना चाईबासा के आदिवासी रैयतों का था. 1964 में इसे लीज में लेकर अवैध रूप से बिहार सरकार घोषित किया गया जो गैर कानूनी है. आदिवासी समुदाय का जमीन का प्रकृति बदली नहीं जा सकती है. शहीद पोटो हो, शहीद नारा हो, बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों से लड़ कर हमें सीएनटी एक्ट जैसा कवच दिलाया है. इसका मान रखें. जब तक न्यायिक प्रक्रिया के तहत 21 एकड़ भूमि रैयतों को वापिस नहीं हो जाती, तब तक ग्राम सभा जमीन पर सामूहिक रूप से खेती करती रहे. कानूनी लड़ाई भी चलती रहेगी. समिति हर कदम पर आपके साथ है. बैठक में सिंहराय देवगम, अध्यक्ष विनोद कुमार सावैयां, मानकी देवगम, श्रीमती देवगम, जयधर देवगम, बसंती देवगम, नंदी देवगम, मधुई देवगम, मानी देवगम, जोंगा देवगम, भगवान देवगम, सरजू देवगम, पुतकर देवगम, मधुसूदन देवगम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

फ्रेंड्स क्लब पहुंचा क्वार्टर फाइनल में

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे आठवीं अशोक कुमार जैन जिला नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को खेले गए मैच मे फ्रेंड्स क्लब चाईबासा ने जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब को 20 रनों से पराजित कर क्वार्टर फाईनल में अपना स्थान पक्का कर लिया. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंडस क्लब चाईबासा की टीम ने निर्धारित 25 ओवर में पांच विकेट खोकर 159 रन बनाए.

आउटफील्ड गीला होने की वजह से मैच बिलंब से शुरू हुआ और दोनों अंपायरों ने ओवर में कटौती करते हुए 25-25 ओवरों का मैच कराने का निर्णय लिया. फ्रेंडस क्लब चाईबासा की ओर से अमरदीप दास ने दो चौकों एवं दो छक्कों की मदद से 45, चंदन कुमार गोप ने एक चौका एवं चार छक्कों की सहायता से 40 तथा सुभाष जोंको ने छह चौकों एवं एक छक्का की मदद से 31 रन बनाए जबकि कार्तिकेय पाठक ने 15 रनों का योगदान दिया. जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की ओर से मेराजुल इस्लाम ने दो तथा साहिल, सर्वेश अंसारी एवं सदान आलम ने एक-एक विकेट हासिल किए. जीत के लिए निर्धारित 25 ओवर में 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 22.2 ओवर में 139 रन बनाकर आल आउट हो गई और 20 रनों के अंतर से मैच गंवा बैठी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● सोमवार, 22 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 275 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

बजाओ ढोल स्वागत में... मेरे घर राम आए हैं

पूरा झारखंड राममय, आस्था में डूबे भक्त, गांव कस्बे से लेकर शहर में उत्साह, उमंग और भक्ति का माहौल

रवि भारती। रांची

पूरा झारखंड राममय हो चुका है. प्रभु श्री राम की आस्था में भक्त डूब चुके हैं. क्योंकि बरसों बाद रामलला अपने अयोध्या विराज रहे हैं. सभी भक्तों के मुख से एक ही बात निकल रही है... मेरी चौखट पे चल के आज, चारों धाम आए हैं, बजाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए है... हर घर, मंदिर, शहर, गांव, कस्बे में प्रभुश्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह, उमंग और भक्ति का माहौल है. एक स्वर में भक्त कह रहे हैं कि राम नाम की महिमा अनंत है. राजधानी रांची में सामाजिक और धार्मिक संगठन इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे. कहीं अमृत कलश यात्रा, तो कहीं शोभा यात्रा सबों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है. राम के प्रति अपनी आस्था को भी दर्शा रही है. गंगा जमुनी तहजीब की भी झलक दिखाई दे रही है.

घर-घर दीपोत्सव भी तैयारी

22 जनवरी को घर-घर दीपोत्सव की भी तैयारी पूरी कर ली गई है. आशा सेवा भारती और नारी शक्ति संगठन की महिलाएं अपने-अपने इलाके में घर-घर दीपोत्सव को सफल बनाने में जुटी हुई हैं. संगठन की आशा भारती ने बताया कि इसकी तैयारी पिछले एक महीने से की जा रही है. प्रभु श्रीराम के स्वागत में प्रत्येक मोहल्ले के घर में 11, 21 और 51 दीये जलाये जाएंगे. 22 जनवरी को घर के आंगन में दीपोत्सव मनाया जाएगा. राजधानी में मिट्टी के दीयों की मांग काफी बढ़ गई है. 60 पैसे में मिलने वाला छोटा सा दीया अब एक रुपये 20 पैसे पर बिक रहा है.

शोभा यात्रा का सिलसिला भी जारी : पूरे राज्य में प्रभु श्री राम के प्रति आस्था को लेकर शोभा यात्रा निकाली जा रही है. रविवार को सनातन महापंचायत द्वारा पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर हजारों की संख्या में शोभायात्रा निकल गई. पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर से हजारों की संख्या में सनातनी राम भक्त राम पताका लेकर श्री प्रभु श्री राम का जय घोष किया.

प्राइवेट कैंटीन, अलग चूल्हा व घर से खाना पहुंचाना भी बंद

धनबाद जेल में वसूली रुकी, तो बिरयानी बंद

अमित सिन्हा। धनबाद

जेल के सारे वीआइपी भी ले रहे सरकारी खाने का स्वाद

खास बातें

- पहले पैसे के दम पर जेल में मिल जाती थी सारी सुविधा
- जेल के अंदर चलनेवाली प्राइवेट कैंटीन भी हुई बंद

धनबाद जेल में इन दिनों प्रशासन का डंडा खूब बोल रहा है. बिरयानी और लजीज व्यंजन खाकर जेल की कैद गुजारने वालों को अब वाकई सरकारी खाने का स्वाद मिल रहा है. बिरयानी बंद है और चना-गुड़ से पेट पूजा हो रही है. ऐसे में धनबाद जेल के कैदी किस्मत को कोस रहे हैं, लेकिन करें भी क्या करें, खुद ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है. वर्ना पैसे के दम पर धनबाद जेल में क्या सुविधा नहीं थी.

जी हां, कभी धनबाद जेल में सुविधाओं का अंबार था. सिर्फ रुपये गिराने की देर, बाहरी दुनिया के कई सुख सुविधाएं जेल के अंदर भी उपलब्ध थे. इसी बीच कैदियों ने जेल में बंद यूपी के शूटर अमन सिंह को गोलियों से छलनी कर दिया. फिर जेल के अंदर की तमाम बातें बाहर आ गई. ढेर सारे खुलासे हुए लेकिन फिर प्रशासन ने कड़ाई बरतनी शुरू की. अब जेल के अंदर प्राइवेट कैंटीन बंद की जा चुकी हैं. इस प्राइवेट कैंटीन में सुबह का नाश्ता, चाय-पान और खाना सबकुछ उपलब्ध था. पैसे देकर जेल के बजाय यहीं खाना पसंद करते थे. अब ये सुविधा बंद की जा चुकी है. इसके अलावा खास कैदियों के लिए जेल के अंदर अलग खाना बनाने का रिवाज था, यानी बाहर से अनाज, चिकन, मटन आदि सामान मंगवा कर अपने पसंद का खाना बनवाते और खाते थे. दर्जनों चूल्हे जलते थे और उनमें मटन, मुर्गा, बिरयानी आदि पका करते थे. अब ये भी सुविधा खत्म हो गई. पहले घर से भी त्योहार या खास मौकों पर खाना जेल के अंदर जाने दिया जाता था, वो भी अब पूरी तरह से बंद है. कुछ कैदी तो ऐसे थे, जिनका प्रतिदिन खाना घर से ही जाता था. ऐसे में अब सारे कैदियों के लिए एक ही तरह का खाना, जो जेल प्रबंधन की तरफ से दिया जाता है, वही खाना सबको उपलब्ध है और कैदी उसी से पेट भर रहे हैं.इसके अलावा घंटे के दर पर मोबाइल से घरों में बात करने और वीडियो कॉलिंग तक की सुविधा भी फिलहाल बंद है. यहां तक की एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है. समय से वार्ड से बाहर निकलना और समय पर वार्ड में प्रवेश करना पड़ रहा है. जेल में मुलाकातियों के लिए सप्ताह में सिर्फ एक दिन ही मौका दिया जा रहा है. ऐसे हालात में कैदी बोल रहे हैं कि वाकई अब धनबाद मंडल कारा में कैदी जेल में हैं.

परसुडीह : कुत्ते के पिल्ले के विवाद में चाकूबाजी, 3 घायल

जमशेदपुर। जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत बारीगोड़ा में पिल्ले को लेकर शुरू हुए विवाद में चाकूबाजी की गई. इस घटना में एक पक्ष से अनिता गोंड, आदित्य गोंड और विरेंद्र गोंड घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से मनीष घायल हो गया. घटना के बाद अनिता और आदित्य को टीएमएच में भर्ती कराया गया जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. वहीं वीरेंद्र के बाएं हाथ की चार उंगली कट गई है. मामले को लेकर वीरेंद्र ने बताया कि वह अपने भाई, भाभी और भतीजे के साथ घर पर रहता है.

रविवार सुबह पड़ोस में रहने वाला मनीष अचानक धारदार हथियार लेकर घर में घुसा और भाभी पर हमला कर दिया. उसे बचाने के लिए भतिजा पहुंचा तो मनीष ने उसपर भी हमला कर दिया. मनीष ने मंकी कैप पहना हुआ था. इसी बीच मनीष ने उसपर भी हमला कर दिया जिससे उनकी चारों उंगलियां कट गई है. वहीं मनीष ने पुलिस को बताया कि उसने एक पिल्ला पाल रखा है जो रविवार सुबह पड़ोसी के घर चला गया था. वह पिल्ले को लेने पड़ोसी के घर गया तो पड़ोसियों ने उसपर हमला कर दिया. पड़ोसी द्वारा ही धारदार हथियार से हमला करने का प्रयास किया गया. बीच-बचाव करते हुए पड़ोसी के हाथ से धारदार छीना और उसपर वार कर दिया. फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज की है.

कदैयां गांव की घटना, जमकर चले लाठी-डंडे, तलवार से हमला, तनाव

टुंडी में धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो पक्ष भिड़े पथराव, कई लोग घायल, 6 अस्पताल में भर्ती

गांव छावनी में तब्दील, डीसी-एसपी पहुंचे

संवाददाता। टुंडी

अयोध्या के राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा से एक दिन पहले रविवार को धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के कदैयां गांव में झंडा लगाने को लेकर दो पक्षों में तनाव हो गया. सुबह करीब 8 बजे गांव के लोग घरों, पोल व गलियों में झंडा लगा रहे थे, जिसका समुदाय विशेष के लोगों ने विरोध कर दिया. दोनों पक्षों में पहले गर्मागर्म बहस हुई इसके बाद मारपीट और पथराव शुरू हो गया. कई लोग घरों से लाठी-डंडा, तलवार आदि लेकर निकले और एक-दूसरे पर हमला कर दिया. इसमें कई लोग के घायल होने की सूचना है. एक पक्ष के घायल करीब छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

सूचना मिलते ही टुंडी सहित आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला. धनबाद के डीसी वरुण रंजन, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डीएसपी अमर कुमार पांडेय, ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी कदैया गांव पहुंचे और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया. तनाव को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बलों को तैनात कर दिया गया है. पुलिस के वरीय अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं.

मुखिया समेत दर्जनों के खिलाफ थाने में शिकायत

कदैयां गाव निवासी मित्रा हाजरा ने गांव के मुखिया अलीमुद्दीन सहित गांव के दर्जनों लोगों के खिलाफ टुंडी थाना में लिखित शिकायत दी है. थाने में दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि वे लोग गांव में झंडा लगा रहे थे, तभी मुखिया और उनके समर्थक घरों से निकले और विरोध करना शुरू कर दिया. झंडा को भी तोड़कर फेंक दिया गया. धर्म विशेष के समर्थन में नारा लगाते हुए उनलोगों ने घरों पर हमला कर दिया. हमले में मित्रा हाजरा, धीरेन, सुभाष. संजय, नुनूलाल, उषा देवी, अमित पंडित समेत अन्य लोग जख्मी हो गए. करीब आधा दर्जन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

हालात सामान्य और नियंत्रण में : डीएसपी मुख्यालय अमर कुमार पांडेय ने कहा कि टुंडी थाना क्षेत्र के कदैयां गांव में हुए विवाद के बाद स्थिति नियंत्रण में है. हालात सामान्य है. गांव में पुलिस कैंप कर रही है. इलाके में शांति व्यवस्था बनाएं रखने के लिए गांव के लोगों से अपील की गई है. माहौल बिगाड़ने की कोशिश करनेवालों को बख्शा नहीं जाएगा.

क्लर्क का घूस में मोबाइल मांगते आडियो वायरल

संवाददाता। कतरास

- सीओ कार्यालय में विधवा व वृद्धा पेंशन के लिए मांगी जा रही दो हजार रुपये की रिश्वत
- घूस नहीं देने पर महीनों लटका दिया जाता है आवेदन, लगाने पड़ते हैं चक्कर पे चक्कर

> मेरे पास वायरल आडियो की कोई जानकारी नहीं है, यदि ऐसी बात है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उसे यहां से हटा दिया जाएगा.
> **-रवि भूषण, बाघमारा अंचलाधिकारी**

> हमनें एसा कभी नहीं कहा है. उस व्यक्ति से मेरा व्यक्तिगत संबंध है, हो सकता है कभी उसने मेरी बात रिकॉर्ड की हो, लेकिन हमने पैसा या मोबाइल फोन नहीं मांगा है.
> **-अजय कुमार,** क्लर्क

बाघमारा सीओ कार्यालय के क्लर्क अजय कुमार का आडियो इलाके में वायरल हो रहा है. ऑडियो में इलाके के पूर्व पार्षद विनायक गुप्ता के खास आदमी से रिश्वत में वो मोबाइल मांग रहे हैं. मोबाइल मांगने पर फोन करने वाला किडनी देने की बात कहता है, तो दूसरी तरफ से फिर दो हजार रुपए ही देने की बात कही जाती है.

बताते चलें कि शुभम संदेश ने बाघमारा अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की पोल खोलने के लिए खबरों चलाई हैं. क्योंकि यहां बिना रिश्वत कोई भी काम नहीं होता. यहां तक कि विधवा और वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं के लाभुकों से भी दो हजार की उगाही हो रही. शनिवार को आधा दर्जन लाभुकों से बातचीत पर रिपोर्ट थी. रविवार को उसी शख्स का ऑडियो वायरल है. जिसमें फोन करने वाला कहता है कि मेरा काम कर दीजिए अजय बाबू, तो वो कहता है, कैसे मैनेज होगा, तब फोन करने वाला कहता है कि दो हजार दे देंगे, फिर दूसरी तरफ से कहा जाता है कि हमको मोबाइल लेना है, 5-6 हजार का मोबाइल दे दीजिए. तब फोन करने वाला कहता है कि मेरे पास दो किडनी हैं, एक आप ले लीजिए. ये सुन कर जवाब मिलता है कि तब छोड़ दीजिए, जो देना है दे दीजिए.

बाइक पेड़ से टकरायी दो की मौत, एक घायल

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के कोरांबे-कांड्रा मुख्य मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. यहां कांड्रा जंगल के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी.

इस हादसे में बाइक सवार युवक रवीन्द्र उरांव और सुनेश्वर उरांव की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं शशि उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसको लोहरदगा सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया. इसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. सभी युवक गुमला जिले के सिसई थाना क्षेत्र स्थित लरंगो नवा टोली के रहने वाले हैं. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रवींद्र, सुनेश्वर और शशि एक ही बाइक पर सवार होकर कांड्रा से कोरांबे की ओर जा रहे थे. तभी कांड्रा जंगल के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी. इस हादसे में रवींद्र और सुनेश्वर की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि शशि उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल अवस्था में ही शशि उरांव ने वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति को हाथ देकर रोका. जिसके बाद उस शख्स ने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया. साथ ही पुलिस को भी घटना की जानकारी दी.

कांड्रा स्टेशन पर जारी आमरण अनशन खत्म

संजीव मेहता । आदित्यपुर

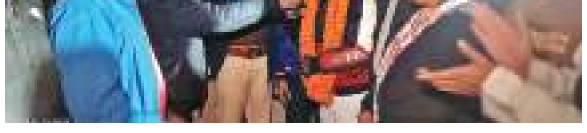

कांड्रा में ट्रेनों के ठहराव को लेकर जारी आमरण अनशन देर रात डीआरएम ने समाप्त करा दिया. उन्होंने रेल ठहराव पर एक माह का समय मांगा, जबकि अन्य मांगों पर आदेश दिया है.

बता दें कि 23 दिसंबर को डीआरएम के नाम पत्र में प्रकाश राजू ने ट्रेनों के ठहराव को मुद्दा उठाया था. प्रकाश राजू एवं स्थानीय लोगों ने 20 जनवरी से आमरण अनशन शुरू किया. लेकिन आश्वासन के बाद आमरण अनशन पर बैठे राजू ने अनशन समाप्त कर दिया. प्रकाश राजू को कांड्रा थानेदार पास्कल टोप्पो एवं स्टेशन मास्टर एके पांडे ने जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया. डीआरएम ने 15 सूत्री मांग पर विचार के बाद आश्वासन दिया कि मांग जल्द पूरी होगी. राजू को समर्थन देने जिप पिंकी मंडल, कांड्रा पंचायत की मुखिया शंकरी सिंह,कांड्रा पंचायत की उप मुखिया रीना मुखर्जी,समाजसेवी डॉ योगेंद्र प्रसाद महतो ,समाजसेवी राम महतो, समाजसेवी लालबाबू महतो, सोमा, प्रमाणिक, स्त्री सत्संग सभा गम्हरिया गुरुद्वारा से राजेंदर कौर, हरविंदर कौर सेक्रेटरी, प्रितपाल कौर, मंजीत कौर, बलजीत कौर,अमरजीत कौर,पर्विन्देत कौर,हरदीप कौर, बिमला कौर, बलदेव सिंह,हरदीप सिंह, सुखचरण सिंह, अनामिका सरकार, डॉक्टर जोगेंद्र प्रसाद महतो, गोपाल बर्मन, सूर्य प्रकाश, सुनील गुप्ता, राजा सिंह, नरेश कुमार सिंह, वैजयंती बारी, शोखेन हेंब्रम, रिजवान खान, सुमित्रा पांडा, करमु मंडल, संजय, महेश कालिंदी, विनोद सेन ने अनशनकारियों का समर्थन किया था.

ड्यूटी पर सख्त

माफिया और भ्रष्टाचारियों में समाया आईएएस अधिकारी का खौफ, मातहत भी सन्न

पलामू डीसी शशि रंजन... नायक फिल्म के हीरो से कम नहीं

संजीत यादव। पलामू

नायक फिल्म में हीरो अनिल कपूर का भौकाल तो आपने देखा होगा कि कैसे सरकारी सिस्टम को सुधारा था. ऐसा ही एक रियल हीरो पलामू में भी है, जो रियल लाइफ में सोशल मीडिया से लेकर पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है. हर कोई जानना चाहता है कि आखिर कौन है शशि रंजन, जो नायक फिल्म के हीरो की तरह काम कर रहे हैं और जनता के लिए किसी हीरो से कम नहीं हैं. तो आईए जानते हैं कि कौन हैं.

शशि रंजन 2014 बैच के आईएएस अफसर हैं. और मूल रूप से बिहार के रहनेवाले हैं. वह आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग किए हुए हैं. इससे पहले शशि रंजन जब खूंटी में उपायुक्त थे, तब उन्होंने छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा कराई थी, जिस कारण उस गांव की 10 बेटियों ने जेईई मेन्स क्वालिफाई किया था.सभी बेटियों की माता -पिता और ग्रामीण शशि रंजन को भगवान से कम नहीं मानते हैं. कुछ महीने पहले सरकार ने खूंटी से आईएएस शशि रंजन का तबादला करते हुए पलामू का उपायुक्त बनाया है. उन्होंने जबसे पलामू जिले के उपायुक्त का पदभार संभाला है, तब से उनका खौफ माफिया और भ्रष्टाचारियों में साफ दिखाई दे रहा है. पलामू आते ही शशि रंजन कभी सुदूरवर्ती इलाके में पहुंच कर बच्चों को पढ़ा रहे हैं, तो कभी ग्रामीणों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा कर रहे हैं. उपायुक्त शशि रंजन को जब पता चला कि जिले में कई लोगों को गलत तरीके से हथियार के लाइसेंस दिये गये हैं, तो उन्होंने तुरंत लाइसेंस की जांच करते हुए कार्रवाई करने की तैयारी कर दी है. लाइसेंस रद्द करने के साथ केस भी किया जा सकता है.

अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं

उपायुक्त शशि रंजन ने अपने अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हट रहे हैं. हाल के दिनों में इन्होंने अचानक समाहरणालय परिसर में पहुंच कर औचक निरीक्षण किया. जिसमें कई अधिकारी और कर्मचारी गायब नजर आये. उन्होंने तुरंत कई अधिकारी और कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगते हुए वेतन निकासी पर रोक लगा दी. निरीक्षण के दौरान जो कार्यालय में एक भी कर्मचारी नजर नहीं आये उस कार्यालय में उन्होंने ताला जड़ दिया.

अधिकारियों में भी खौफ बना हुआ : जिससे इन दिनों अधिकारियों में भी खौफ बना हुआ है. उनकी कार्रवाई से जो अधिकारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते थे अब वह 10: 30 बजे से ही कार्यालय में नजर आ रहे हैं . जिससे जनता के कार्य तेजी से हो रहे है. जनता डीसी साहब से काफी खुश नजर आ रहे हैं. लोग मन ही मन उम्मीद लगा रहे कि ऐसा ही अधिकारी हर जिला में हो जो अपने छोटे पदाधिकारियों को भी गलती करने पर नापने में भी देर नहीं कर रहे. फैसले फटाफट ले रहे है. अब लोगों को यही उम्मीद है कि आईएएस अधिकारी शशि रंजन का 'नायक' फिल्म के अनिल कपूर वाला यह अंदाज आगे भी कायम रहे.

फायरिंग करने वाले शार्प शूटर समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें

- हजारीबाग में कोयला कंपनी पर की थी फायरिंग

कोयला ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के कार्यालय में फायरिंग करने वाला शार्प शूटर समेत दो अपराधी गिरफ्तार हुए हैं. गिरफ्तारों में मिलन तुरी के अलावा एक अन्य अपराधी शामिल है. इनके पास से पुलिस ने एक पिस्टल और एक मोबाइल फोन बरामद किया है.

बता दें कि बीते 19 जनवरी की देर शाम गैंगस्टर विकास तिवारी के नाम पर अपराधियों ने जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था. जहां कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य में लगी कंपनी के कार्यालय में घुसकर बाइकसवार दो अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी और कर्मियों के साथ मारपीट की थी. इसके बाद भागने के दौरान अपराधियों ने कर्मियों के मोबाइल फोन भी छीन लिये थे. डीआईजी सुनील भास्कर के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के अंदर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है.

ब्रीफ खबरें

स्वच्छता एवं दीवार लेखन कार्यक्रम आयोजित

बहरागोड़ा । रविवार को प्रखंड क्षेत्र के बरसोल अवस्थित पौराणिक शिव मंदिर चित्रेश्वर धाम परिसर में भाजपा मंडल महामंत्री रामहरि कांड के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं बूथ संख्या 235 में फिर से एक बार मोदी सरकार दीवार लेखन कार्यक्रम का आगाज किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष के श्रीबत्स घोष एवं विशिष्ट अतिथि विधानसभा विस्तारक रतन तिवारी शामिल हुए .साथ ही बहरागोड़ा मंडल अध्यक्ष राजकुमार कर, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमल बेरा, वरिष्ठ नेता कार्तिक पैरा, बूथ अध्यक्ष गोकुल मौजूद थे.

शहर में जिला पुलिस ने निकाला पैदल फ्लैग मार्च

जमशेदपुर । अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर में जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है. इसको लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. जिला पुलिस लगातार संवेदनशील इलाकों में गश्त लगा रही है. रविवार को भी शहर के कई संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने सीआरपीएफ के जवानों के साथ पैदल फ्लैग मार्च किया. मानगो थाना क्षेत्र में भी थाना प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया. जिला पुलिस ने शहर के संवेदनशील इलाकों में भी जवानों की तैनाती की है.

गुरुद्वारा के मुख्य सलाहकार के पिता का निधन

जमशेदपुर । जुगसलाई गुरुद्वारा गौरीशंकर रोड के मुख्य सलाहकार एवं गुरुद्वारा के कार्यवाहक प्रधान सुरेंद्र सिंह के पिता बलवंत सिंह का रविवार को निधन हो गया. वे 96 वर्ष के थे. हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया. बलवंत सिंह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. वह 1947 से 1969 तक एयर फोर्स में कार्यरत थे और 1962 एवं 1965 के युद्ध में भाग ले चुके थे. वह अपने पीछे दो पुत्र सुरेंद्र सिंह एवं महेंद्र सिंह पुत्री जसबीर कौर का भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं. उनके निधन पर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह ने गहरा दुख व्यक्त किया है.

शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निताली गई कलश यात्रा

घाटशिला । घाटशिला मेन रोड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में नवनिर्मित शिव मंदिर में शिवलिंग स्थापना को लेकर रविवार को महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली. कलश यात्रा अमाईनगर स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट से जल लेकर राम मंदिर होते हुए कलश शिव मंदिर परिसर पहुंचा. मंदिर के पुरोहित द्वारा कलश में ले गए जल से शिवलिंग को स्नान कराया गया. मुख्य यजमान के रूप में शहर के प्रतिष्ठित व्यवसाय विनोद अग्रवाल अपनी धर्मपत्नी के साथ शामिल थे. तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया है.

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर प्रशासन ने किया क्षेत्र भ्रमण

डुमरिया । सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर डुमरिया पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है. कहीं किसी प्रकार की की विधी व्यवस्था की समस्या ना हो इसके लिए थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर सीओ सह बीडीओ चंचला कुमारी और थाना प्रभारी संजीवन उरांव ने रविवार को ग्रामीणों से मिले. भालुकपतड़ा, कुमड़ाशोल आदि क्षेत्र में सोमवार को ग्रामीणों द्वारा किसी आयोजन की तैयारी किया जा रहा है, इसकी जानकारी ली गई. प्राण प्रतिष्ठा के दिन डुमरिया बाजार, भालुकपतड़ा शिव मंदिर, कुमड़ाशोल में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया जाएगा.

जेपी उद्यान में यदुवंशी समाज के लोगों का पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन

जय यादव-जय माधव से गूंजा उद्यान, वेबसाइट लॉन्च

संजीव मेहता । आदित्यपुर

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को जय प्रकाश उद्यान आदित्यपुर में कोल्हान में रहने वाले समस्त यदुवंशी समाज के लोगों का पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन किया गया. जेपी उद्यान में जुटे करीब 5 हजार यदुवंशी ने जय यादव जय माधव का जयकारा लगाकर यदुवंशी एकता का परिचय दिया. कार्यक्रम में हरियाणा से पहुंचे लोक गायक कालू यादव सोरखाजी ने यादव कुल में ओ भोले मन जनम दोबारा फेर दियो ...गीत प्रस्तुत कर यदुवंशियों का हौसला बुलंद किया. कार्यक्रम में देश के नामी लेखक और गीतकार सुनील सागर (बिहार), राजेश राशिक, रूपेश प्रेमी, गीतांजली यादव शरीखे आदि ने भी अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया. इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 10 बजे मुख्य अतिथि के द्वारा भगवान श्री कृष्ण की पूजन, मल्यापर्ण एवं भक्ति गीतों के साथ हुआ. तत्पश्चात समिति के अध्यक्ष अजीत कुमार की अध्यक्षता में अतिथियों तथा विशिष्ट जनों का स्वागत किया गया. जिसके बाद अतिथियों ने यादव समन्वय समिति की आधिकारिक वेबसाइट www.yadavsamanwaysamiti.in को समाज की सेवा में समर्पित किया. कार्यक्रम में समाज के लिए उत्कृष्ट सेवा देने वालें बड़े बुजुर्गों को सम्मानित किया गया साथ ही वैसे मेधावी बच्चे बच्चियां जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल किया है उनको प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर विभिन्न आयु वर्ग के लड़के, लड़कियों व महिलाओं के लिए खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसके विजेता, उप विजेता को मेडल दिया गया.

यादव समन्वय समिति का पारिवारिक मिलन समारोह.

जुटे यदुवंशी

- इसमें यदुवंशी समाज के 5 हजार से ज्यादा लोग जुटे
- हरियाणा से पहुंचे लोक गायक कालू यादव सोरखाजी

पुलिस की निष्पक्ष जांच के पीछे छिपा है ईचागढ़ भाजपा में गुटबाजी का राज

ईचागढ़ विस क्षेत्र में भाजपा की गुटबाजी चरम पर पहुंच गयी!

दिलीप कुमार । चांडिल

क्या ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की गुटबाजी चरम पर पहुंच गया है. क्या नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई है. क्या ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र को भाजपा के गैर मतदाता नेता रणभूमि बना रहे हैं. आमलोगों के बीच फिलहाल ऐसे कई सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है.

चांडिल थाना में दो अलग-अलग शिकायत के सार्वजनिक होने के बाद अब लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि क्या बुधवार की शाम वाकई में भाजपा के दो गुटों में आपसी झड़प और मारपीट हुई थी? या फिर वर्चस्व स्थापित करने की नीयत से एक मनगढ़ंत कहानी तैयार की गई है? क्या बिनोद, आकाश व छोटू पर लगाए गए आरोप झूठे हैं? या गुरुचरण महंती के खिलाफ शिकायत, उनके द्वारा दर्ज कराए गए मामले को झूठा साबित करने की एक रणनीति है? कुल मिलाकर थाने में किए गए दोनों शिकायत कई सवाल खड़े कर रहे हैं. बहरहाल, दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच के पीछे ही बामुनडीह से जुड़ी घटना का राज छिपा है. पुलिस की गहन व निष्पक्ष जांच के बाद ही दोनों शिकायतों की सच्चाई सामने आएगी. साथ ही ईचागढ़ भाजपा में गुटबाजी से भी पर्दा उठेगा.

छेड़खानी की शिकायत के बाद आया नया मोड़ : दरअसल, 17 जनवरी की शाम ईचागढ़ भाजपा के दो गुटों में कथित रूप से हिंसक झड़प हुई थी. इस संबंध में चांडिल थाना में मारपीट, छिनतई व धमकी देने की घटना का जिक्र करते हुए भाजपा नेत्री सारथी महतो समर्थक चिलगु निवासी गुरुचरण महंती ने मामला दर्ज कराया है.

इस मामले में भाजयुमो नेता बिनोद राय, आकाश महतो व छोटू और अन्य को आरोपी बनाया गया है. गुरुचरण महंती द्वारा चांडिल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराने के तत्काल बाद ही पुलिस ने बिनोद राय समर्थक आकाश महतो को गिरफ्तार कर हाजत में बंद कर दिया था. वहीं, 19 जनवरी को मामले में नया मोड़ सामने आया. चांडिल थाना में बिनोद राय, आकाश महतो व छोटू आदि के खिलाफ मामला दर्ज कराने वाले गुरुचरण महंती के विरुद्ध एक महिला ने छेड़खानी करने का आरोप लगाया है. शिकायत में कहा गया है कि चांडिल थाना क्षेत्र के बामुनडीह की रहने वाली महिला (शिकायतकर्ता) 17 जनवरी को जयदा मेला से अपने घर लौट रही थी. उसके घर के समीप मोटरसाइकिल से आकर गुरुचरण महंती ने छेड़खानी की. वहीं, छेड़खानी के दौरान बीच-बचाव में आए फुलचांद मांझी को गुरुचरण महंती ने जाति सूचक गाली दी.

शिकायत दर्ज

- चांडिल थाना में दो अलग-अलग शिकायत की गई है
- बिनोद, आकाश और छोटू पर लगाए गए हैं आरोप
- भाजपा नेत्री सारथी समर्थक ने मामला दर्ज कराया है

गुटबाजी पर पूर्णविराम लगाने का प्रयास विफल

दोनों घटना को लेकर बुधवार शाम से अब तक भाजपा जिला समिति या आलाकमान की ओर से किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है. न ही सभी गुटों को एक साथ लाने की पहल हुई है. संगठन में अनुशासन ही प्राथमिकता और संगठन ही सर्वोपरि का दंभ भरने वाले भाजपा के रांची से सांसद संजय सेठ ने चुप्पी साध ली है. यहां तक कि सांसद घटना के दूसरे दिन ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आए. विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए, लेकिन सांसद ने मीडिया को अपने आगमन की भनक तक लगने नहीं दी. वहीं, ईचागढ़ विधानसभा में अलग-अलग गुटों का नेतृत्व कर रहे नेता विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं. जानकारी के अनुसार इस मामले को लेकर भाजपा के सरायकेला-खरसावां जिला समिति ने चांडिल में एक गुप्त बैठक की. बैठक में गुटबाजी पर पूर्णविराम लगाने पर चर्चा की गई, लेकिन प्रयास विफल रहा.

दिवंगत पार्षद के बेटे बहू ने वार्ड 29 में घर घर बांटे दीये

आदित्यपुर । सोमवार को आयोजित होने वाले श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर देशभर में उत्सव का माहौल है. हर तरफ राम भक्तों में अजब उत्साह देखा जा रहा है. पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है. जगह- जगह तोरण द्वार और विद्युतसज्ज़ा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. राम नाम के धुन से मंदिर गुंजायमान हो रहे हैं. सरायकेला जिले के आदित्यपुर नगर निगम वार्ड 29 में भी राम भक्ति की बयार बह रही है. यहां महावीर नगर पंचमुखी हनुमान मंदिर में जहां सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया वहीं दिवंगत पूर्व पार्षद राजमणि देवी की पुत्रवधू अर्चना सिंह एवं पुत्र मनमोहन सिंह लोगों के बीच पांच-पांच दीपक और तेल बांटकर लोगों से घरों में जलाने की अपील कर रहे हैं.

डॉक्टर संदीप के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर

बहरागोड़ा । रविवार को बहरागोड़ा अवस्थित डॉक्टर पीके घोष मेमोरियल अस्पताल के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर संदीप कुमार घोष के जन्म दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजित किया गया. उक्त शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश कुमार षडंगी ने किया.स्वर्गीय डॉक्टर संदीप कुमार घोष के धर्मपत्नी डॉक्टर संपा घोष ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. उक्त रक्तदान शिविर मे एमजीएम ब्लड बैंक की ओर से डॉक्टर स्वेता साहा के टीम उपस्थित थे. इस दौरान 53 लोगों ने रक्त दान किया. इस मौके पर राघव कुमार, संतोष कुमार,गणेश जेना,रिंकु माईती, शिबू घोष,जुली मोहन्ती , श्रावणी दास, सामोली सिंह समेत अन्य उपस्थित थे.

शांति समिति की बैठक में शहरियों को सख्त निर्देश

संवाददाता। आदित्यपुर

22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा और गणतंत्र दिवस को लेकर आज आदित्यपुर थाना में शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी राजन कुमार की अध्यक्षता में हुई. जिसमें फायर ब्रिगेड के प्रभारी विनोद कुमार, जिला बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश, पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह, रविंद्र नाथ चौबे, सुनील श्रीवास्तव, जगदीश नारायण चौबे, अजय सिंह, सत्य प्रकाश, बाबू तांती, गजेंद्र झा, शेख मंजूर आलम, शेख हसन, मोहर्रम अली, इंद्रजीत तिवारी, रमेश बलमुचू, ज्ञानवी देवी, बैजयंती बारी, तापस सरकार आदि शामिल थे. थाना प्रभारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि कल किसी भी प्रकार के जुलूस के लिए एसडीएम कार्यालय का परमिशन जरूरी है अन्यथा ऐसे कमेटी के विरुद्ध जिला प्रशासन कानूनी कार्रवाई करेगी. हर चौक चौराहे पर पुलिस बल दंडाधिकारी के साथ मौजूद रहेंगे. जुलूस में ऐसे गीत बजाए जाएंगे जिससे दूसरे समुदाय के लोगों की भावना आहत न हो. जिला प्रशासन के द्वारा हर थाने में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है.

सुदूरवर्ती गांव की गृहिणी यूजीसी नेट क्वालीफाई कर बनी प्रोफेसर

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के ईचागढ़ प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती नदीसाई की रहने वाली रेश्मी कुमार ने यूजीसी नेट क्वालीफाई कर असिस्टेंट प्रोफेसर बनी है. रेश्मी गृहस्थ जीवन में रहते हुए घर के सारे काम करने के अलावा खेती के काम में अपने पति का हाथ बंटाती है. सोर कार्यों को करते हुए यूजीसी नेट क्वालिफाई कर असिस्टेंट प्रोफेसर बनकर उन्होंने भावी पीढ़ी को एक प्रेरणा दी है. युवाओं को उन्होंने नई राह दिखाने का काम किया है.

रेश्मी कुमार की सफलता बताती है कि गृहस्थ कार्य करते हुए भी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को क्रैक किया जा सकता है. अपने गांव के स्कूल से माध्यमिक स्तर तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने चांडिल में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की. गांव के साधारण परिवार की गृहणी बहु की इस सफलता से उनके परिवार के साथ रिश्तेदार व गांववालों में खुशी का माहौल है. पूरे गांव में इस मुकाम पर पहुंचने वाली वह पहली महिला है. उसकी सफलता पर पति जयपाल कुम्हार कहते हैं कि पत्नी को पढ़ाई करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया. पत्नी की सफलता पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी तरक्की में कभी भी किसी काम को रोड़ा बनने नहीं दिया. पूरे परिवार की सहमति से ही रेश्मी घर के काम संवारने के बाद अपनी पढ़ाई करती थी. उसकी सफलता में रेश्मी की लगन और मेहनत ही सर्वोपरी है.

सगुण हांसदा ने नेट परीक्षा में पायी सफलता

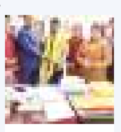

जमशेदपुर । जमशेदपुर के करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज की ओर से विगत वर्ष बिरसा मुंडा कंपीटीसन अकादमी की शुरुआत की गई थी, जिसमें यहां के विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई है. यहां के शिक्षक एवं बाहर के कुछ शिक्षक स्वेच्छा से अकादमी में क्लास लेते हैं. इस अकादमी में तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने अब प्रतियोगिता परीक्षाओं में शामिल होना शुरू कर दिया हैं. इसी के परिणाम स्वरूप कॉलेज के संथाली विभाग से सगुण हांसदा ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर कॉलेज का नाम रोशन किया है.

न्यूज अपडेट

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का हुआ भव्य स्वागत

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड अंतर्गत तामुकपाल गांव में रविवार को घाटशिला भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल पांडेय के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया. भाजपा नेताओं ने केंद्रीय मंत्री को फूलमालाओं से लाद दिया। केंद्रीय मंत्री श्री मुंडा ने भाजपा कार्यकर्ताओं का हाल चाल लेने के बाद क्षेत्र में सांगठन मजबूती को लेकर भी दिशा निर्देश दिए. इस मौके पर भाजपा नेत्री सह जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, सुनीता सोरेन, दिनेश साव, गोपाल कृष्ण अग्रवाल मौजूद थे.

गणतंत्र दिवस परेड को लेकर किया गया पूर्वाभ्यास

जमशेदपुर । 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गोपाल मैदान में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह को लेकर परेड का पूर्वाभ्यास गोलमुरी पुलिस लाईन मैदान में रविवार से शुरू हुआ. इसमें कुल नौ प्लाटून शामिल है. इसके साथ ही एक बैंड पार्टी और एक राष्ट्रीय गान की टीम सम्मिलित है. परेड में एक प्लाटून जैप-6, दो प्लाटून जिला पुलिस बल, एक प्लाटून सहायक पुलिस, एक प्लाटून जिला गृह रक्षक तथा दो प्लाटून एनसीसी (बालक-बालिका) के अलावा स्काउट एंड गाइड के दो प्लाटून शामिल है. 21 एवं 22 जनवरी को गोलमुरी पुलिस लाइन मैदान तथा 23 व 24 जनवरी को बिष्टुपुर गोपाल मैदान परेड का पूर्वाभ्यास होगा. 24 जनवरी को परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल गोपाल मैदान में होगा, जिसका निरीक्षण उपायुक्त एवं सीनियर एसपी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा. सार्जेंट मेजर धर्मेंद्र राम और रंजीत कुमार के निर्देशन में परेड का पूर्वाभ्यास किया जा रहा है.

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बंतानगर में उमंग

आदित्यपुर । 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप रामलला के प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में आदित्यपुर के आदर्श युवा कमेटी बंतानगर पंचमुखी हनुमान मंदिर एवं नर्मदेश्वर महादेव मंदिर बंतानगर में विशेष पूजा पाठ एवं सुन्दर कांड के पाठ का आयोजन बस्तीवासियों ने रखा है. दिनभर के आयोजन के पश्चात कमेटी के द्वारा बस्तीवासियों के लिए महाभोग की व्यवस्था भी की गई है. जिसकी तैयारी में सम्पूर्ण बस्तीवासी लगे हुए हैं. यह जानकारी कमेटी मेंबर सह भाजपा युवा नेता शनि कुमार ने दी है. उन्होंने बताया कि इस आयोजन को लेकर बस्तीवासियों में हर्ष उल्लास का माहौल है. सभी बस्तीवासी अपने घरों को लाइट बत्ती से सजाए हैं और 22 जनवरी की शाम सभी दीये जलाकर दीपोत्सव भी मनाएंगे.

पत्रकार अन्नी जमशेदपुर पश्चिम विस से लड़ेगी चुनाव

आदित्यपुर । जमशेदपुर की वरिष्ठ पत्रकार अन्नी अमृता जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा से चुनाव लड़ेंगी. वे निर्दलीय प्रत्याशी चुनावी समर में कूदने की तैयारी कर रही हैं. विधानसभा चुनाव आने में अभी कई महीने बाकी हैं और उससे पहले लोकसभा के चुनाव होने हैं. अन्नी अमृता ने कहा कि मुझे अंजाम की परवाह नहीं है, बस अपना प्रयास करना है. बाकी ईश्वर की मर्जी. राजनीति गंदी है, नेता गंदे हैं, ये सब कहना बंद करके बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों को राजनीति में आना होगा. सिर्फ आलोचना से बात नहीं बनेगी. बड़ी लकीर खींचनी होगी. बेहतर विकल्प होंगे तो जनता भी अपने वोट के चोट से बदलाव कर सकेगी.

नेताजी सुभाष जयंती उत्सव 23 को फुटबॉल मैदान में

आदित्यपुर । नेताजी सुभाष मंच के द्वारा 23 जनवरी को आदित्यपुर फुटबॉल मैदान में नेताजी सुभाष जयंती मनाई जाएगी. इस अवसर पर देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन होगा साथ छऊ नृत्य का भी आयोजन होगा. मंच कार्यक्रम की तैयारी में जोर शोर से जुटा है. मुख्य अतिथि कोल्हान कमिश्नर मनोज कुमार रहेंगे. इस बात की जानकारी प्रेसवार्ता में नेताजी सुभाष मंच के पदाधिकारियों ने दी. मंच के अध्यक्ष पीके नंदी ने बताया कि मंगलवार 23 जनवरी को आदित्यपुर फुटबॉल ग्राउंड में नेताजी की 127वीं जयंती मनाई जाएगी. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोल्हान आयुक्त मनोज कुमार के साथ विशिष्ट अतिथि जिले के एसपी डॉ. विमल कुमार होंगे. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बरुण कुमार, शेखर डे, नेताजी के पोते अभिजीत रॉय और बांग्लादेश से नेता जी के जीवनी के शोधकर्ता और वहां के उच्चायुक्त से जुड़े मो.अशरफुल इस्लाम साहब आमंत्रित हैं. इस कार्यक्रम में विभिन्न देशोंभक्ति कार्यक्रम के साथ छऊ नृत्य आकर्षन का केंद्र होगा. जिसमें नीमडीह की दो छऊ नृत्य दल छऊ नृत्य प्रस्तुत करेंगे.

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हुई मंदिर परिसरों की सफाई

चांडिल । अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे देश में उत्साह का माहौल है. देशभर के मठ-मंदिरों की साफ-सफाई कर धार्मिक अनुष्ठान आयोजित करने व दीपोत्सव मनाने की तैयारी चल रही है. चारों ओर होने वाले आयोजनों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. समूचा देश जब राममय होकर स्वच्छता, रंगोली एवं पूजा-अर्चना जैसे दैविक कार्य में लगा है, तो ऐसे में चांडिल कैसे पीछे नहीं रह सकता. इसको लेकर रविवार को पुराना विवेकानंद केंद्र परिसर में स्थित हनुमान मंदिर और चांडिल बाजार स्थित हरि मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया. प्रभु श्री राम के भक्तजनों ने मिलकर मंदिर परिसरों की साफ-सफाई की. इस पुनीत कार्य में सुब्रत चटर्जी, संजय चौधरी, मनोज वर्मा शामिल थे.

गोराई कुलु समाज कल्याण का वनभोज आयोजित

जमशेदपुर । गोराई (तेली) कुलु समाज कल्याण केंद्रीय समिति की ओर से वार्षिक पारिवारिक सम्मेलन सह वनभोज कार्यक्रम रविवार को आयोजित हुआ. सिदगोड़ा बिरसा मुंडा टाउन हाल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए. मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय और सांसद विधुत वरण महतो उपस्थित थे. अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. सम्मेलन में झारखंड, ओडिशा, बंगाल और बिहार के तेली जाती के लोग शामिल थे. इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एकता और भाईचारे का परिचय को कायम रखना था. इसमें महिलाओं और बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें लगभग दो हजार लोग शामिल हुए.

समारोह 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले शिक्षक, कर्मचारी व टॉपर छात्र सम्मानित

करीम्स ट्रस्ट ने मनाया 78वां संस्थापक दिवस

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज में रविवार को करीम्स ट्रस्ट की ओर से 78वां संस्थापक दिवस मनाया गया. कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता सेंट्रल करीमिया 2 हाई स्कूल एवं सेंट्रल करीमिया मिडिल स्कूल के अध्यक्ष सैयद मंसूर अली ने की.

समारोह में मुख्य रूप से करीम्स ट्रस्ट एजुकेशन कॉम्प्लेक्स के सेक्रेटरी एवं करीम सिटी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ मोहम्मद जकरिया एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज उपस्थित थे. सेंट्रल करीमिया 2 हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक शेख कुतुबुद्दीन अंसारी तथा सेन्ट्रल करीमिया मिडिल स्कूल की प्रधानाध्यापिका तलत बानो भी मंचासीन थीं. इस अवसर पर करीम्स ट्रस्ट के तहत चलने वाली सभी शिक्षण संस्थाओं के प्रमुखों ने अपनी-अपनी वार्षिक रिपोर्ट पेश की. उसके बाद अध्यक्ष तथा सचिव का संबोधन हुआ.

अध्यक्ष सैयद मंसूर अली ने अपनी संस्था की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्थापक के उच्च विचार तथा संस्था से जुड़े हुए सभी लोगों की मेहनत व लगन का फल है. सचिव डॉ मोहम्मद जकरिया ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 को लेकर हमारी शिक्षण व्यवस्था एक अनजानी दिशा में चल पड़ी है, जिसे निश्चित दिशा प्रदान करने के लिए साहस और दृढ़ निश्चय की आवश्यकता है और हम समझते हैं कि वह हमारे पास है. इस अवसर पर उन शिक्षकों तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को ट्रस्ट की तरफ से स्मृति चिह्न एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिनकी सेवा के 25 वर्ष पूरे हो गए हैं. उपहार पाने वालों में मेजर डॉ फखरुद्दीन अहमद, डॉ तनवीर जमाल काजमी, डॉ खुर्शीद अनवर खान, डॉ याहिया इब्राहिम, डॉ असगर खान, डॉ नेहा तिवारी, डॉ शर्मिला चक्रवर्ती, डॉ पीसी बैनर्जी, माजिद अशरफ, मकसूद आलम, मोहम्मद खालिद, मोनिरुल इस्लाम, मोहम्मद अब्बास, फरहत नाज, कुतुबुद्दीन अंसारी, गुलाम मुजीब, जहांगीर आलम, सैफ अब्दुल हक तथा हाफिज आरिफ अहसन (मरणोपरांत) शामिल हैं. इस अवसर पर मनोविज्ञान की यूनिवर्सिटी टॉपर सना परवीन तथा कॉमर्स की यूनिवर्सिटी टॉपर समन इरम को भी सम्मानित किया गया. इसके अलावा स्थापना दिवस पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.

विद्यार्थी सम्मानित

- इस सममारोह की अध्यक्षता सैयद मंसूर अली ने की
- सभी संस्थाओं के प्रमुखों ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की

राजद लोकतांत्रिक का राजद में विलय

संवाददाता। आदित्यपुर

शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल लोकतांत्रिक का विधिवत राष्ट्रीय जनता दल में विलय हो गया है. यह जानकारी देते हुए महिला नेत्री शारदा देवी ने बताया कि कल प्रदेश के प्रभारी और पार्टी के वरिष्ठ नेता श्याम रजक ने गौतम सागर राणा को पार्टी में शामिल करते हुए उनके पार्टी में विलय की घोषणा की है. उन्होंने बताया कि उनके साथ कई नेता राजद में पुनः शामिल हो गए हैं.

जिससे निश्चित रूप से पार्टी को मजबूती मिलेगी. उन्होंने बताया कि कल रांची में राणा जी का जोरदार स्वागत के साथ पार्टी में प्रदेश प्रभारी श्याम रजक ने शामिल किया और संगठन में जान फूंका है. उनके साथ सरायकेला खरसावां जिले से शामिल होने वाले नेताओं में दुर्गा राम बैठा, फुलेश्वर साहू, त्रिवेणी सोय, नाथूराम हंसदा, मंगल महतो, रतन महतो, बिरेंदर रजक, सूरज, मनोज रजक, सुमित्रा देवी, सुचित्रा देवी पांडे, शशि देवी, श्रद्धा देवी, कमला देवी, सुबिमल मैती राजद में शामिल हुई है वहीं पूर्वी सिंहभूम जिले से रंजीत सिंह, दया शंकर प्रसाद, मनोज रजक और रांची जिले से रामेश्वर रजक (पूर्व अधिकारी सेंट्रल बैंक) राजद में दोबारा शामिल हुए हैं. इधर कल के कार्यक्रम में शामिल होने सरायकेला जिले से पार्टी के प्रदेश सचिव देव प्रकाश देवता और राजेश यादव भी समर्थकों संग रांची गए थे. उन्होंने बताया कि वे लोग प्रदेश के प्रभारी और पूर्व मंत्री श्याम रजक से संगठन की मजबूती पर चर्चा किये हैं.

राममनोहर लोहिया के राम

मिटाया नहीं जा सकता भारतवर्ष के मन मस्तिष्क पर लिखा श्री रामचंद्र का नाम

राम के सत्य का इससे अधिक आभास क्या मिल सकता है कि पचास या शायद सौ शताब्दियों से भारत की हर पीढ़ी के दिमाग पर इनकी कहानी लिखी हुई है. इनकी कहानियां लगातार दुहराई गई हैं. बड़े कवियों ने अपनी प्रतिभा से इनका परिष्कार किया है और निखारा है. लाखों-करोड़ों लोगों के सुख और दु:ख इनमें घुले हुए हैं.

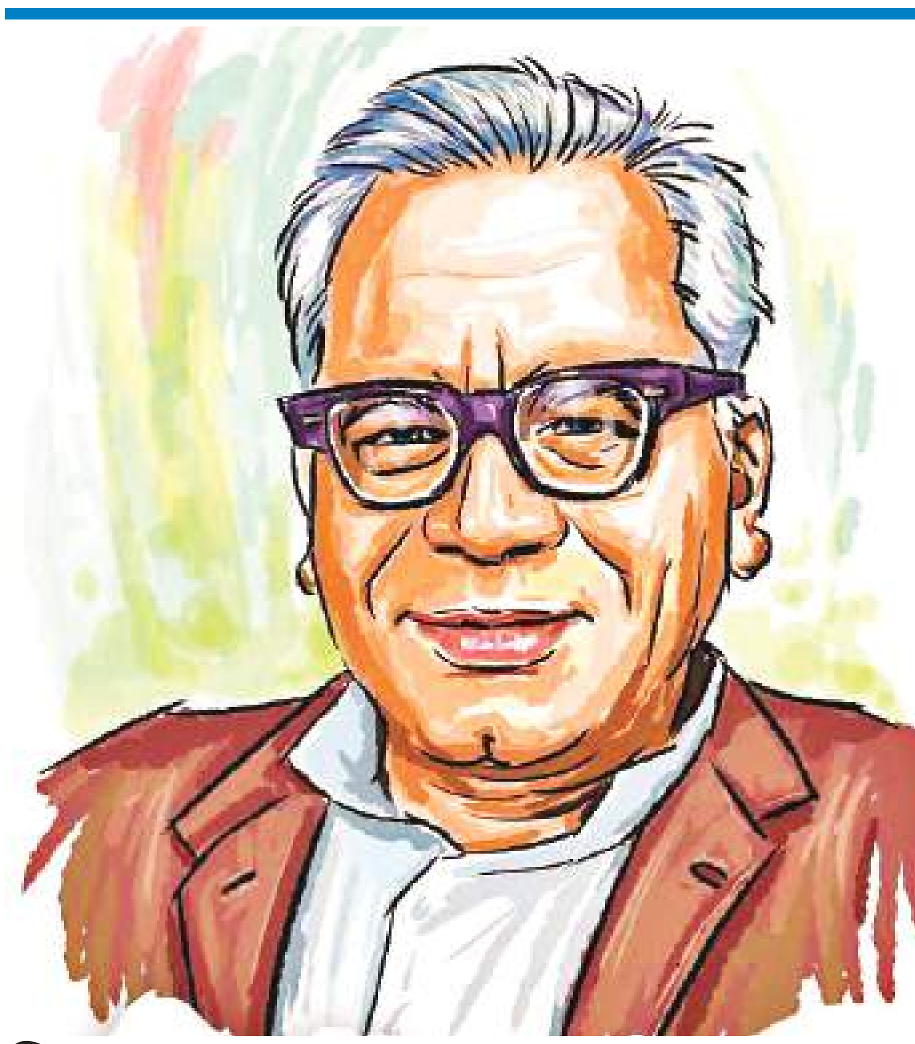

किसी कौम की किंवदंतियां उसके दुःख और सपनों के साथ उसकी चाह, इच्छा और आकांक्षाओं का प्रतीक हैं, तथा साथ-साथ जीवन के तत्व उदासीनता और स्थानीय व संसारी इतिहास का भी. राम भारत की उदासी और साथ-साथ रंगीन सपने हैं. उनकी कहानियों में एकसूत्रता ढूंढ़ना या उनके जीवन में अटूट नैतिकता का ताना-बाना बुनना या असंभव व गलत लगनेवाली चीजें अलग करना उनके जीवन का सब कुछ नष्ट करने जैसा होगा. केवल तर्क बचेगा. हमें बिना हिचक के मान लेना चाहिए कि राम कभी पैदा नहीं हुए, कम से कम उस रूप में, जिसमें कहा जाता है. उनकी किंवदंतियां गलत और असंभव हैं. उनकी श्रृंखला भी कुछ मामले में बिखरी है जिसके फलस्वरूप कोई तार्किक अर्थ नहीं निकाला जा सकता. लेकिन यह स्वीकारोक्ति बिल्कुल अनावश्यक है. भारतीय आत्मा के इतिहास के लिए राम सबसे सच्चे हैं और पूरे कारवां में महानतम हैं. जैसे पत्थरों और धातुओं पर इतिहास लिखा मिलता है वैसे ही इनकी कहानियां लोगों के दिमागों पर अंकित हैं जो मिटाई नहीं जा सकतीं.

मर्यादित पुरुष राम: राम भारत में पूर्णता के महान स्वप्न हैं. राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है. राम धरती पर त्रेता में आए जब धर्म का रूप इतना अधिक नष्ट नहीं हुआ था. वह आठ कलाओं से बने थे, इसलिए मर्यादित पुरुष थे. राम ने अपनी दृष्टि केवल एक महिला तक सीमित रखी, उस निगाह से किसी अन्य महिला की ओर कभी नहीं देखा. यह महिला सीता थी. उनकी कहानी बहुलांश राम की कहानी है जिनके काम सीता की शादी, अपहरण और कैद-मुक्ति और धरती (जिसकी वे पुत्री थी) की गोद में समा जाने के चारों ओर चलते हैं. जब सीता का अपहरण हुआ तो राम व्याकुल थे. वे रो-रो कर कंकड़, पत्थर और पेड़ों से पूछते थे कि क्या उन्होंने सीता को देखा है.

सीता का अपहरण अपने में मनुष्य जाति की कहानियों की महानतम घटनाओं में से एक है. इसके बारे में छोटी-से-छोटी बात लिखी गई है. यह मर्यादित, नियंत्रित और वैधानिक अस्तित्व की कहानी है. निर्वासन काल के परिभ्रमण में एक मौके पर जब सीता अकेली छूट गई थी तो राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने एक घेरा खींच कर सीता को उसके बाहर पैर न रखने के लिए कहा. राम का दुश्मन रावण उस समय तक अशक्त था जब तक कि एक विनम्र भिखमंगे के छद्मवेश में सीता को उसने उस घेरे के बाहर आने के लिए राजी नहीं कर लिया. मर्यादित पुरुष हमेशा नियमों के दायरे में रहता है.

नियमों से बंधे: राम और सीता अयोध्या वापस आ कर राजा और रानी की तरह रह रहे थे. एक धोबी ने कैद में सीता के बारे में शिकायत की. शिकायती केवल एक व्यक्ति था और शिकायत गंदी होने के साथ-साथ बेदम भी थी. लेकिन नियम था कि हर शिकायत के पीछे कोई न कोई दुःख होता है और उसकी उचित दवा या सजा होनी चाहिए. इस मामले में सीता का निर्वासन ही एकमात्र इलाज था. नियम अविवेकपूर्ण था, सजा क्रूर थी और पूरी घटना एक कलंक थी जिसने राम को जीवन के शेष दिनों में दुःखी बनाया. लेकिन उन्होंने नियम का पालन किया, उसे बदला नहीं. वे पूर्ण मर्यादा पुरुष थे. नियम और कानून से बंधे हुए थे और अपने बेदाग जीवन में धब्बा लगने पर भी उसका पालन किया.

इन विकल्पों को छोड़ा: मर्यादा पुरुष होते हुए भी एक दूसरा रास्ता उनके लिए खुला था. सिंहासन त्याग कर वे सीता के साथ फिर प्रवास कर सकते थे. शायद उन्होंने यह सुझाव रखा भी हो, लेकिन उनकी प्रजा अनिच्छुक थी. उन्हें अपने आग्रह पर कायम रहना चाहिए था. प्रजा शायद नियम में ढिलाई करती या उसे खत्म कर देती. लेकिन कोई मर्यादित पुरुष नियमों का खत्म किया जाना पसंद नहीं करेगा जो विशेष काल में या किसी संकट से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है. विशेषकर जब स्वयं उस व्यक्ति का उससे कुछ न कुछ संबंध हो. इतिहास और किंवदंती दोनों में अटकलबाजियों या क्या हुआ होता, इस सोच में समय नष्ट करना निरर्थक और नीरस है. राम ने क्या किया था, क्या कर सकते थे, यह एक मामूली अटकलबाजी है, इस बात की अपेक्षा कि उन्होंने नियम का यथावत पालन किया जो मर्यादित पुरुष की एक बड़ी निशानी है.

शिष्टाचार के समर्थक: रावण के आखिरी क्षणों के बारे में एक कहानी कही जाती है. अपने जमाने का निस्संदेह वह सर्वश्रेष्ठ विद्वान था. हालांकि उसने अपनी विद्या का गलत प्रयोग किया, फिर भी बुरे उद्देश्य परे रख कर मनुष्य जाति के लिए उस विद्या का संचय आवश्यक था. इसलिए राम ने लक्ष्मण को रावण के पास अंतिम शिक्षा मांगने के लिए भेजा. रावण मौन रहा. लक्ष्मण वापस आए. उन्होंने अपने भाई से असफलता का बयान किया और इसे रावण का अहंकार बताया. जो हुआ था उसका पूरा ब्यौरा राम ने उनसे पूछा. तब पता लगा कि लक्ष्मण रावण के सिरहाने खड़े थे. लक्ष्मण पुनः भेजे गए कि रावण के पैताने खड़े हो कर निवेदन करें. फिर रावण ने राजनीति की शिक्षा दी.

शिष्टाचार की यह सुंदर कहानी अद्वितीय और अब तक की कहानियों में सर्वश्रेष्ठ है. मरणासन्न और श्रेष्ठ विद्वान के साथ शिष्टाचार की श्रेष्ठतम कहानी के रचयिता राम हैं.

अल्पभाषी राम: राम अक्सर श्रोता रहते थे. न केवल उस व्यक्ति के साथ जिससे वे बातचीत करते थे, जैसा हर बड़ा आदमी करता है, बल्कि दूसरे लोगों की बातचीत के समय भी. एक बार तो परशुराम ने उन पर आरोप लगाया कि वह अपने छोटे भाई को बेरोक और बढ़-चढ़ कर बात करने देने के लिए जान-बूझ कर चुप लगाए थे. यह आरोप थोड़ा-बहुत सही भी है. अपने लोगों और उनके दुश्मनों के बीच होनेवाले वाद-विवाद में वे प्रायः एक दिलचस्पी लेनेवाले श्रोता के रूप में रहते थे. इसका परिणाम कभी-कभी बहुत भद्दा और दोषपूर्ण भी हो जाता था, जैसा लक्ष्मण और रावण की बहन शूर्पणखा के बीच हुआ. ऐसे मौकों पर राम दृढ़ पुरुष की तरह शांत और निष्पक्ष दीखते थे, कभी-कभी अपने लोगों की अति को रोकते थे और अक्सर उनकी ओर से या उन्हें बढ़ावा देते हुए एकाध शब्द बोल देते थे. यह एक चतुर नीति भी कही जा सकती है. लेकिन निश्चय ही यह मर्यादित व्यक्ति की भी निशानी है जो अपनी बारी आए बिना नहीं बोलता और परिस्थिति के अनुसार दूसरों को बातचीत का अधिक से अधिक मौका देता है. राम चुप्पी का जादू जानते थे, दूसरों को बोलने देते थे, जब तक कि उनके लिए जरूरी नहीं हो जाता था कि बात या काम के द्वारा हस्तक्षेप करें.

एक रूप यह भी: राम का जीवन बिना हड़पे हुए फलने की एक कहानी है. उनका निर्वासन देश को एक शक्तिकेंद्र के अंदर बांधने का एक मौका था. इसके पहले प्रभुत्व के दो प्रतिस्पर्धी केंद्र थे - अयोध्या और लंका. अपने प्रवास में राम अयोध्या से दूर लंका की ओर गए. रास्ते में अनेक राज्य और राजधानियां पड़ीं जो एक अथवा दूसरे केंद्र के मातहत थीं. मर्यादित पुरुष की नीति-निपुणता की सबसे अच्छी अभिव्यक्ति तब हुई जब राम ने रावण के राज्यों में से एक बड़े राज्य को जीता. उसका राजा बालि था. बालि से उसके भाई सुग्रीव और उसके महान सेनापति हनुमान दोनों अप्रसन्न थे. वे रावण के मेलजोल से बाहर निकल कर राम की मित्रता और सेवा में आना चाहते थे. आगे चल कर हनुमान राम के अनन्य भक्त हुए, यहां तक कि एक बार उन्होंने अपना हृदय चीर कर दिखाया कि वहां राम के सिवा और कोई भी नहीं. राम ने पहली जीत को शालीनता और मर्यादित पुरुष की तरह निभाया. राज्य हड़पा नहीं, जैसे का तैसा रहने दिया. वहां के ऊंचे या छोटे पदों पर बाहरी लोग नहीं बैठाए गए. कुल इतना ही हुआ कि एक द्वंद्व में बालि की मृत्यु के बाद सुग्रीव राजा बनाए गए. बालि की मृत्यु भी राम के जीवन के कुछ धब्बों में एक है. राम एक पेड़ के पीछे छिपे खड़े थे और जब उनके मित्र सुग्रीव की हालत खराब हुई तो छिपे तौर पर उन्होंने बालि पर बाण चलाया. यह कानून का उल्लंघन था. कोई संस्कारी और मर्यादा पुरुष ऐसा कभी नहीं करता. लेकिन राम कह सकते थे कि उनके सामने मजबूरी थी.

प्रशा के फ्रेडरिक महान की तरह जो बहुत सफाई के साथ व्यक्ति और राज्य-नैतिकता में भेद करते थे और इस भेद के आधार पर एक झूठ अथवा/और वादाखिलाफी के जरिए आम हत्याकांड या गुलामी रोकने के पक्षपाती थे और इसीलिए उन्होंने ऐसे राजाओं को क्षमा किया जो संधियों के प्रति वफादार तो थे लेकिन जीवन में जिन्होंने एक बार कभी संधि तोड़ी. राम भी तर्क कर सकते थे कि उन्होंने एक व्यक्ति को, यद्यपि थोड़ा-बहुत गलत तरीके से, मार कर आम हत्याएं रोकीं और उन्होंने अपने जीवन के केवल एक दुष्टतापूर्ण काम के जरिए एक समूचे राज्य को अच्छाई के रास्ते पर लगाया और अपने सिवाय किसी और क्रम में विघ्न नहीं डाला. स्वाभाविक था कि सुग्रीव अच्छाई के मेलजोल में आए और लंका विजय करने के लिए बाद में अपनी सारी सेना आदि दी. यह सही है कि वह सब कुछ बालि की मृत्यु से हासिल हुआ. राज्य पूर्ण रूप से स्वतंत्र रहा और राम से दोस्ती संभवतः वहां के नागरिकों की स्वतंत्र इच्छा से की गई. फिर भी तबीयत यह होती है कि कोई मर्यादा पुरुष, छोटा या बड़ा, नियम न तोड़े - अपने जीवन में एक बार भी नहीं.

नहीं धो सके विभीषण का दाग: दुश्मन के खेमे में अच्छे दोस्तों की खोज चलती रही. उन्होंने लंका में इस क्रम को दोहराया. रावण के छोटे भाई विभीषण राम के दोस्त बने. लेकिन किष्किंधा की कहानी दोहराई नहीं जा सकी. लंका में काम कठिन था, इसके दुर्गुण घोर और विद्वत्ता की बुनियाद पर बने थे. घनघोर युद्ध हुआ और बहुत-से लोग मारे गए. आगे चल कर विभीषण राजा बना और उसने रावण की पत्नी मंदोदरी को अपनी रानी बनाया. लंका में भी अच्छाई का राज्य स्थापित हुआ. आज तक भी विभीषण का नाम जासूस, द्रोही, पंचमांगी और देश अथवा दल से गद्दारी करनेवाले का दूसरा रूप माना जाता है, विशेषकर राम के शक्ति केंद्र अवध के चारों ओर. यह एक प्रशंसनीय और दिशाबोधक बात है कि कोई कवि विभीषण के दोष नहीं भूल सका. मर्यादा पुरुषोत्तम राम अपने मित्र को आम लोगों की नजर में स्वीकार्य नहीं बना सके और राम की मित्रता मिलने पर भी विभीषण का कलंक हमेशा बना रहा. मर्यादा पुरुष अपने मित्र को स्वीकार्य बनाने का चमत्कार नहीं कर सके. यह शायद मर्यादा पुरुष की निशानी हो कि अच्छाई जीती तो जरूर लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के जरिए जीती जिसने द्रोह भी किया और इसलिए उसके नाम पर गद्दारी का दाग बराबर लगा रहा.

भारत के संविधान की चेतना-श्री राम

राजीव शर्मा
सीनियर एडवोकेट
झारखंड हाईकोर्ट, रांची

भारत का संविधान कोई पुस्तक नहीं. राष्ट्रीय भावना और विश्व बन्धुत्व की अनवरत प्रज्जवलित ज्वाला है. सदियों से गुलामी में सिसक रही मां भारती को आजाद करने के लिए दी गई कुर्बानियों की धधकती आंच है. देशभक्ति की लहर ने सदियों से टुकडों में बंटे भारत को एक राष्ट्र बनाया. आजादी का तिरंगा लहराया. हम भारतियों ने वसुधैव कुटुम्बकम जो भारत तपोभूमि का शंखनाद है, को ध्यान में रखकर भारत के संविधान को बनाया और विशेष रूप से भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकार को "राममय" बनाया. हम भारत के नागरिक इस बात को न भूलें कि संविधान की मूलप्रति के भाग-3 में भारत के नागरिकों के मूल अधिकारों का वर्णन है जिसके आरम्भ में राम, सीता और लक्ष्मण के चित्र हैं. यह अकारण नहीं. राम भारतीय संविधान की चेतना हैं. वे संविधान के सर्वोच्च आदर्शों के प्रेरणा श्रोत हैं. भारतीय संविधान का अलौकिक सपना है एक सामाजिक लोकतंत्र का, लोक कल्याणकारी राज्य का, जो श्री राम द्वारा स्थापित राम-राज्य से प्रेरित है. राम-शक्ति, शील, त्याग, प्रेम, सेवा, क्षमा एवं सौन्दर्य के मूर्त रूप हैं. भारतीय संविधान की उद्देषिका एवं उपबंधों में राम का यह रूप प्रतिबिंबित है. राम एकता और अखंडता के प्रतीक हैं जो, संविधान की उद्देषिका में, प्रत्येक भारतीय नागरिक की प्रतिज्ञा भी है. सारी धरती को एक परिवार बनाने का हमारे संविधान का संकल्प है. भारत की एकता और अखंडता कायम है भारतीयों की प्रतिज्ञाओं से जो संविधान की उद्देषिका में प्रतिबिंबित है जिसका शंखनाद समय पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय करते रहे हैं और भारतीय सामाजिक लोकतंत्र को गति प्रदान करते रहे हैं. 1978 में मेनका गांधी केस में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय देते हुए कहा था कि हमारे संविधान बनाने वाले व्यक्ति के आध्यात्मिक पहलू को समझते थे. वे इस बात से सचेत थे कि हर व्यक्ति दिव्यता का अवतार है, जैसा हमारे उपनिषद में कहा गया है कि हम सब अमरत्व की संतान है और मनुष्य के जीवन का लक्ष्य परम सत्य को प्राप्त करना है. भारत का संविधान राममय है.

प्रकट भये रामलला

प्रकट भये रामलला धरि नाम,
परमहरि नवल अयोध्या धाम.
गणपति कविपति
खगपति अधिपति,
ब्रह्मगिरापति अरु गिरिजापति
जपहिं निरंतर नाम.
महातम को करि सख्त बखान.
आज अवध में वीणा झंकृत,
बंशी घण्टा दुंदुभि बाजत,
नाचत सकल जहान.
जन्मभूमि उद्धार
करनहित आये हैं श्रीराम.
भव्यधाम मणि खचित
अलौकिक स्वर्णद्वार अभिराम.
वैभव देखि लजात देवगण,
धनपति मुख भये म्लान.
अवध में आये आनंद धाम.

–भागवत पाठक श्यामल

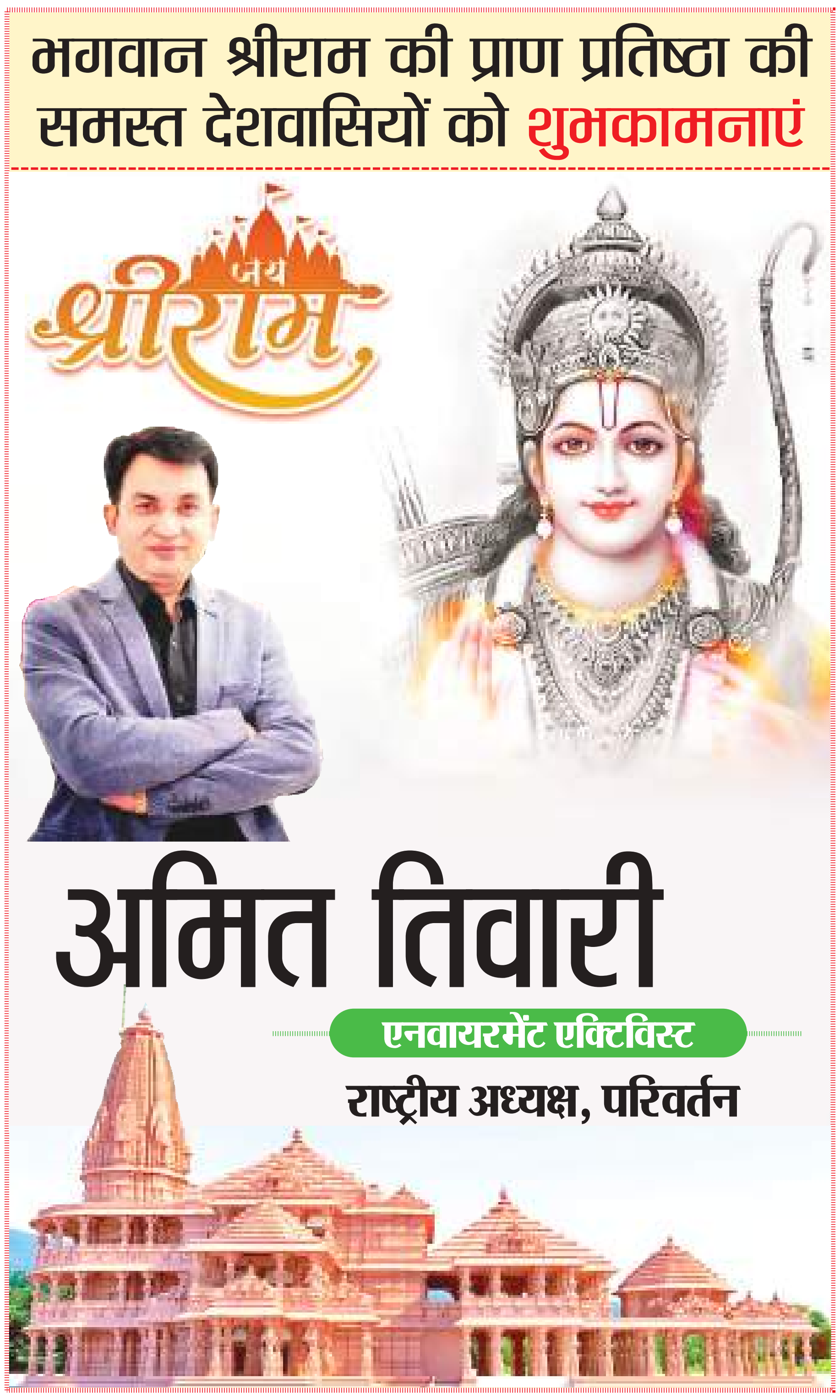

मेरे हृदय में चौबीसों घंटे रहता है राम नाम : महात्मा गांधी

अरुण त्रिपाठी

राम नाम की जो महिमा गांधी ने बचपन में डर भगाने के लिए समझी उसे वे बाद में भारत समेत पूरे संसार को अभय बनाने के लिए प्रयोग करते रहे. वे कहते हैं, 'मैं सत्य को राम के नाम से पहचानता हूं. मेरी परीक्षा की कठिन से कठिन घड़ी में इसी नाम ने मेरी रक्षा की है.'

महात्मा गांधी बीसवीं सदी के सबसे बड़े मनुष्य हैं. यह बात किसी भारतीय ने नहीं अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर ने कही थी. सवाल उठता है कि इस गांधी की शक्ति का रहस्य क्या था? इसी तरह बीसवीं सदी के सबसे महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियों को यह यकीन ही नहीं होगा कि हांड़ मांस का ऐसा आदमी कभी धरती पर चला था. आखिर कौन सी वह प्रेरणा थी जिसके कारण वे बिना हथियार उठाए और घृणा और हिंसा के बिना इतने बड़े देश को स्वतंत्र करा सके और पूरी दुनिया को अहिंसा की राजनीतिक शक्ति का अहसास दिला सके. गांधी के लिए वह शक्ति 'राम' ही थे. बचपन से आखिर तक उनके मुंह पर राम का नाम रहा. उन्होंने उस नाम को कभी बिसराया नहीं. सन 1947 में जब उनकी हत्या की आशंका प्रबल हो गई तो उन्होंने कहा कि हो सकता है कि मैं मार दिया जाऊं. लेकिन मैं अपनी अच्छी मौत उसे ही मानूंगा जब मेरे मन में हत्यारे के लिए कोई घृणा का भाव न हो और मेरे मुंह से अंतिम समय भी 'राम' नाम निकले. शायद यह उस भाव का ही प्रताप था कि उन्होंने गोली लगने के बाद अपने अंतिम समय में 'हे राम' ही कहा.

आस्था की पराकाष्ठाः गांधी जब नोआखाली में दंगा शांत कराते हुए घूम रहे थे तब उन्हें बहुत तेज बुखार था. उनकी निजी चिकित्सक डा सुशीला नैयर ने उन्हें दवा देनी चाही. लेकिन उन्होंने दवा लेने से साफ मना कर दिया. उन्होंने कहा कि मैं राम नाम का पाठ करूंगा. अगर राम उनसे इस देश के लिए और काम कराना चाहते हैं तो उन्हें बचाएंगे वरना जीवन छीन लेंगे. इस विश्वास के साथ उनकी तबियत सुधरी और उन्होंने लोगों के हृदय से नफरत निकालने का काम किया. गांधी बहुत तार्किक और व्यावहारिक थे लेकिन राम के नाम को लेकर उनका दृष्टिकोण आस्था पर आधारित था. वे इस नाम की शक्ति से परिचित थे और निरंतर इसका प्रयोग अपने निजी और राजनीतिक जीवन में कर रहे थे. उनके लिए राम के नाम का अर्थ सगुण से ज्यादा निर्गुण था. हालांकि वे तुलसीदास के राम चरित मानस के अनन्य पाठक थे और उसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ग्रंथों में एक बताते थे. इसीलिए वे भारत में राम राज्य की कल्पना करते थे और उसे लाना भी चाहते थे. लेकिन वे बड़े ग्रंथों का शाब्दिक अर्थ निकालने की बजाय उसकी दार्शनिक व्याख्या करते थे और उसे अपने दृष्टिकोण के अनुरूप ढालते थे.

ईश्वर-अल्लाह तेरो नामः गांधी पहले कहते थे कि ईश्वर ही सत्य है लेकिन बाद में कहने लगे कि सत्य ही ईश्वर है. उनके राम, कृष्ण, अल्लाह और गॉड में कोई अंतर नहीं है. इसीलिए वे कहते भी थे कि लोग विष्णु के सहस्र नाम बताते हैं लेकिन मेरे लिए प्रकृति में जितने जीव हैं उन सबमें ईश्वर है इसलिए उन सबके नाम ईश्वर के ही नाम हैं. वे कहते हैं, 'ईश्वर के हजार नाम हैं या कहिए कि वह अनाम है. उसे कोई राम कहता है, कोई कृष्ण, दूसरे लोग उसे रहीम या फिर गॉड कहते हैं. जिस प्रकार सभी आहार सभी लोगों को माफिक नहीं आते उसी प्रकार सारे नाम सभी को प्रिय नहीं लगते.'

हृदय में राम का वासः गांधी कहते हैं कि आराधना या प्रार्थना होठों से नहीं हृदय से करनी चाहिए. वे राम के अनन्य भक्त हनुमान का उदाहरण देते हुए कहते हैं, 'राम हनुमान के केवल होठों पर नहीं थे, वे उनके हृदय में विराजमान थे. भगवान ने हनुमान को अपार शक्ति दी. इस शक्ति के बल पर उन्होंने पर्वत उठाया और समुद्र लांघ गए.' शायद हनुमान की यह उपमा स्वयं गांधी पर भी सटीक बैठती है. गांधी के हृदय में राम का ही वास था और इसीलिए उन्होंने उस ब्रिटिश साम्राज्य को परास्त किया, वह भी चरखा, नमक और सत्याग्रह जैसे हथियार से.

राम ही अवलंबः अपने राम संबंधी विमर्श में गांधी कहते हैं, 'जब मैं बच्चा था तो मेरी परिचारिका ने मुझे सिखाया था कि जब भी मुझे भय लगे या कष्ट हो रहा हो तो राम नाम का जाप करूं. बढ़ते ज्ञान और ढलती उम्र के बावजूद, वह आज भी मेरी प्रकृति का अंग बना हुआ है. मैं यहां तक कह सकता हूं कि अगर वस्तुतः मेरे होठों पर नहीं तो मेरे हृदय में चौबीसों घंटे राम नाम रहता है. यही मेरा अवलंब है. विश्व के धार्मिक साहित्य में तुलसीकृत रामायण का प्रमुख स्थान है. मुझे महाभारत और यहां तक कि वाल्मीकि रामायण ने भी इतना आकर्षित नहीं किया.'

सभी धर्मों के रामः गांधी कभी राम के सगुण रूप को स्वीकार करते हुए हिंदू समाज को अपने साथ जोड़ते हैं तो कभी उनके निर्गुण रूप से अपना नाता जोड़ते हुए उन्हें सभी धर्मानुयायियों के लिए स्वीकार्य बना देते हैं. एक जगह वे कहते हैं, 'मेरे राम मेरी प्रार्थनाओं के राम, वे ऐतिहासिक राम नहीं हैं जो अयोध्या नरेश दशरथ के पुत्र थे. मेरा राम शाश्वत, अजन्मा और अद्वितीय राम है. मैं केवल उसी राम की आराधना करता हूं. मैं केवल उसका अवलंबन चाहता हूं और वही आपको भी करना चाहिए. वह सबके लिए बराबर है. इसलिए मैं नहीं समझ पाता कि मुसलमान या कोई और धर्मावलंबी उसका नाम लेने से आपत्ति कैसे कर सकता है? हां, वह ईश्वर को राम नाम से ही पहचानने के लिए बाध्य नहीं है.'' लेकिन इससे आगे वे सगुण राम को स्वीकार करते हुए कहते हैं, 'मेरे लिए दशरथ पुत्र, सीता पति राम सर्वशक्तिमान तत्व हैं जिसका नाम हृदय में धारण करने से सभी मानसिक, नैतिक और भौतिक व्याधियां दूर हो जाती हैं.'

अद्भुत है यह रिश्ताः रामनाम और हृदय की निर्मलता के बीच गांधी किस तरह से रिश्ता कायम करते हैं यह देखने लायक है. वे कहते हैं, 'यह निश्चय ही कहा जा सकता है कि अगर हृदय निर्मल हो तो रामनाम की जरूरत ही नहीं है. बस यह है कि मुझे रामनाम के अलावा हृदय को निर्मल करने का कोई उपाय ज्ञात नहीं है.' रामनाम से गांधी का यह रिश्ता अद्भुत है. इसमें कई बार अंतर्विरोध भी मिलेंगे. लेकिन उन्हें ध्यान से पढ़ने और देखने पर यह अंतर्विरोध मिटते जाते हैं. कई बार गांधी रामकथा के कुपाठ की ओर भी इशारा करते हैं. जैसे कि वे एक लेख लिखकर विभीषण के चरित्र का बचाव करते हैं. भले ही रामचरितमानस में विभीषण राम के अनन्य भक्त हैं लेकिन लोकजीवन में हर कोई विभीषण का अर्थ गद्दार से लगाता है. इस पर गांधी विभीषण का बचाव करते हैं कि वे सत्य की रक्षा के लिए अपने राज्य और भाई से भी विद्रोह कर बैठे. इसलिए रामनाम और रामकथा के साथ गांधी का रिश्ता ध्यान देने लायक है और वह हमें धीरे धीरे सत्य की ओर ले जाता है. शायद वही ईश्वर की ओर की गई यात्रा है. **(हम समवेत से साभार)**

सुशासन, रामराज्य और राम मंदिर

नितेश कुमार मिश्रा

आज के इस लेख की शुरुआत हम सबसे पहले जय श्रीराम के नारे के साथ करते हैं. जय श्रीराम यह महज एक नारा नहीं अपितु पूरे देश के साथ-साथ संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में बांधने का एक माध्यम है. पिछले दिनों अरब के शेख को भी मोरारी बापू के राम कथा के मंच पर अपने अभिभाषण की शुरुआत जय श्रीराम के नारे के साथ करते हुए देखा गया.

विदेशों में भी जय श्रीराम का नाराः अरब, जो पूरी तरह से मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और वहां के शेख द्वारा जय श्री राम कहना यह साबित करता है कि यह नारा न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी बड़े उत्साह के साथ अपनाया जा रहा है. अगर हम इस जय श्री राम के नारे की बात करें तो इतिहास में इसका सबसे ज्यादा चलन श्रीराम द्वारा लंका विजय के दौरान वानर सेना द्वारा श्रीराम सेतु के निर्माण के वक्त किया गया. श्रीराम की सेना समुद्र पर सेतु निर्माण के लिए श्रीराम का नाम पत्थरों पर लिखकर डाला करती थी, जिसके प्रभाव से समुद्र में पत्थर तैरने लगते थे और सेतु का निर्माण आसानी से होता चला गया और तभी से इस नारे का महत्त्व ज्यादा चलन में आया और एक बड़े जन-समूह द्वारा अपनाया गया.

लंका विजय के पश्चात श्रीराम अयोध्या लौटे और वहां के राजा बने. अपने शासन काल में उन्होंने जो जनता के लिए कार्य किये, वो भी समाज का आदर्श उदाहरण सिद्ध हुए, जिसे रामराज्य कहा गया. और इसी रामराज्य की परिकल्पना को अपनाने की बात 1947 में अंग्रेजों से देश को आजादी मिलने के बाद उस समय के महान नेताओं और राजनीतिज्ञों द्वारा की गयी, खासकर गांधीजी द्वारा.

सुशासन का अर्थ है रामराज्यः आजादी के बाद हमारे देश में शासन की लोकतंत्रात्मक व्यवस्था अपनायी गयी. वास्तव में, लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था इसी रामराज्य का ही एक परिमार्जित रूप है.वर्तमान समय में रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के प्रतीक के तौर पर किया जाता है. जब देश में सुशासन शब्द का प्रयोग किया गया, तो इसके अर्थ को जन-साधारण तक सरल भाषा में समझाने के लिए भी इसी रामराज्य शब्द को ही प्रचलित किया गया. सुशासन को और अधिक अच्छे से समझने के लिए हम कह सकते हैं कि शासन का अच्छे तरीके से क्रियान्वयन करना ही सुशासन है, जिसमें विधि का शासन, समानता, जन-भागीदारी, बहुमत, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, निष्पक्ष आकलन जैसी विशेषताओं का समावेश होता है और यदि हम श्रीराम के शासन के काल को पढ़ेंगे, तो पायेंगे कि ये सारी विशेषताएं उनके शासन काल में विद्यमान थीं. अर्थात सरल भाषा में सुशासन का अर्थ रामराज्य है और रामराज्य का अर्थ सुशासन. अतः सुशासन और रामराज्य एक-दूसरे के पर्याय हैं. इस रामराज्य की जानकारी हमें रामायण और रामचरितमानस जैसे ग्रंथों से हुई. ये रामायण और रामचरितमानस सिर्फ ग्रंथ नहीं हैं बल्कि ये समाज के संविधान हैं. और इसकी विशेषताओं और विचारों को समझने के लिए, साथ ही, एक बड़े जन-समूह पर शासन को कैसे क्रियान्वित किया जाए, इसकी जानकारी फैलाने के उद्देश्य से रामलीला का मंचन प्राचीन काल से किया जाता रहा है और वर्तमान समय में भी नवरात्रि के मौके पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में रामलीला का मंचन किया जाता है.

22 जनवरी को श्रीराम का प्राण-प्रतिष्ठा के साथ मंदिर आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा. जब लोग यहां आयेंगे तो इस क्षेत्र का विकास भी अधिक होगा और रोजगार के अवसर भी दिन-प्रतिदिन बढ़ेंगे. श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का जो मुहूर्त तय हुआ, इसका असर देश के विभिन्न भागों में गर्भवती महिलाओं में भी देखा जा रहा है. हम कुछ चुनिंदा गर्भवती महिलाओं की बात कर रहे हैं, जिनके प्रसव का डेट 22 जनवरी के आस-पास डॉक्टरों द्वारा बताया गया था, ये महिलाएं डॉक्टरों से श्रीराम के प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन ही प्रसव कराने की विनती कर रही हैं ,भले ही इसके लिए इन्हें सिजेरियन ऑपरेशन ही क्यों न कराना पड़े. इस प्रकरण से स्पष्ट होता है कि आज के इस आधुनिक युग में भी जहां विज्ञान पुरातन और धार्मिक तथ्यों को हमेशा चुनौती देता है, इस आधुनिक काल की माताएं भी श्रीराम के जैसा संतान पाने की इच्छा रखती हैं. इससे एक और बात उभर कर आती है कि ये माताएं अपने बच्चों को श्रीराम के आदर्शों, विचारों, व्यवहार, आचरण एवं कार्यकलाप को अपनाने के लिए भी प्रेरित करेंगी और इन सब में इस मंदिर का अहम योगदान होगा.

पूरे विश्व में होनी चाहिए रामराज्य की स्थापना

डॉ. विनय कुमार गुप्ता

जब जब धरती पर अधर्म होता है उसका नाश करने के लिए ईश्वर का अवतार होता है.अभी ऐसा अवसर नहीं आया है कि भगवान या ईश्वर का अवतार हो लेकिन वर्तमान समय में विश्व के पटल पर भारत की पवित्र भूमि पर सरयू नदी के किनारे राम भूमि पर लंबे अरसे के बाद भगवान राम के मंदिर का भव्य उद्घाटन 22 जनवरी 2024 को होने जा रहा है.यह पूरे भारत के लिए ऐतिहासिक दिन तो साबित होने जा रहा है यह पूरे देश के साथ संपूर्ण मानव जाति के लिए गर्व की बात है क्योंकि यह दिन पूरे विश्व के राह को एक उचित मार्ग का दर्शन कराएगा. यह मन्दिर सभी धर्मो, संप्रदायों से ऊपर उठकर पूरे मानव जाति के लिए आदर्श स्थापित करेगा. भारत में इस दिन को भारतीय संस्कृति दिवस घोषित किया जाना चाहिए क्योंकि राम किसी एक धर्म के नहीं थे.उनके जन्म के समय हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, अहुदी आदि धर्म संप्रदाय नहीं थे. सिर्फ़ दो प्रकार के मानव समाज थे.एक धर्म के साथ खड़ा था एक अधर्म के साथ अड़ा था. धर्म का साथ देने वाले में विरोधी रावण के भाई विभीषण को भी सम्मान मिला.लेकिन अधर्म के मार्ग पर चलने वाले प्रकांड विद्वान और शक्ति और धन के संपन्न रावण को निंदा और भर्त्सना प्राप्त हुई.अपने पुत्र के मोह में गलत रास्ते पर चलाने वाले माता कैकई को उनके पुत्र भरत ने ही उन्हें नकार दिया. अपने गुरुजनों से आदर्श समाज की स्थापना की प्रेरणा लेकर अमल में लाया. ऐसे बहुमूल्य, अनमोल गुणों के भंडार, आदर्श समाज के आदर्श राम, भारत ही नहीं विश्व के मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को कौन अपना नहीं कहेगा?पूरा विश्व अगर राममय हो जाए तो पूरे विश्व से अधर्म का नाश और धर्म की स्थापना हो जायेगी.धर्म की स्थापना का तात्पर्य अच्छे कर्म का विस्तार और बुरे कर्म का विनाश संभव हो सकेगा. जय श्री राम...

रामकथा और फादर कामिल बुल्के

डॉ कमल कुमार बोस

एक आदर्शवादी, धुन के पक्के, दृढ़-नमव्रती, सुधी हिन्दी शोधकर्ता, निष्काम भाव से हिन्दी भाषा-साहिन्य के सेवक ऋषिकल्प फादर कामिल **बुल्के का अप्रतिम शोधकार्य राककथा :** उत्पत्ति और विकास हिन्दी में लिखित हिन्दी का अभूतपूर्व और अनूठा शोध-ग्रंथ है. रामकथा के विकास को उन्होंने अपनी चरम परिणति पर पहुंचाया, एक अद्वितीय काम किया. बाबा बुल्के एक व्यक्ति नहीं, संस्था के रूप में समादृत हैं. रामकथा का मूल आधार रामचरितमानस है. राम कथा का विश्वकोषः भारत की सभी भाषाओं एवं दक्षिणपूर्वी एशिया की प्रायः सभी प्रमुख भाषाओं में लिखित रामायणों को विस्तार प्रदान किया. रामकथा के विस्तरण, परिवर्तन, संशोधन का अध्ययन उनकी बड़ी सांस्कृतिक शोध-यात्रा रही. 'रामकथा'-शोधकार्य का विलक्षण उदाहरण है. यह फादर बुल्के की निष्ठा, साधना एवं श्रम का प्रतिफल है. रामकथा का इतिहास सुदीर्घ है. अनेक देशी-विदेशी भाषाओं में लिखित रामकथा देश-विदेश के विभिन्न भूखण्डों में विभिन्न रूपों में प्रचलित है. इससे सम्बद्ध विशाल सामग्रियों का संकलन एवं संयोजन आसान काम नहीं है. इन विपुल सामग्रियों का वर्गीकरण, विवेचन-विश्लेषण एवं विषय का तार्किक एवं न्यायसंगत प्रस्तुतीकरण बाबा बुल्के ने किया है. रामकथा में प्रस्तुत सभी तथ्यों का प्रामाणिक आधार प्रस्तुत किया गया है. फादर बुल्के के चिन्तन में गहराई है, दृष्टि सुलझी हुई है. सामग्रियों के विवेचन-विश्लेषण के बाद फादर बुल्के अपने चिन्तन को एक निष्कर्ष के शिखर पर पहुंचाते हैं. परस्पर विरोधी बातों का उल्लेख कहीं भी नहीं है. डॉ धीरेन्द्र वर्मा ने इस ग्रन्थ को रामकथा सम्बन्धी सभी सामग्रियों का विश्वकोश कहा है.

चार भागों में बंटा है ग्रंथः रामकथा में फादर बुल्के की सत्यान्वेषी प्रतिभा एवं भारतीय भाषा-प्रेम परिलक्षित होता है. सम्पूर्ण ग्रन्थ में चार प्रमुख भाग हैं. सभी भागों में प्राचीन एवं अर्वाचीन रामकथा साहित्य का निरूपण किया गया है. रामकथा की सामग्री कितनी व्यापक है, कितनी गहरी और वैविध्यपूर्ण है, इसका प्रमाण यहां मिलता है. व्यापक प्रसार तो है ही, साथ ही कथानक में परिवर्द्धन एवं परिवर्तन भी होते रहे, परिणमस्वरूप विविध रामकथाओं की उत्पत्ति हुई और ये सभी रामकथाएं एक दूसरे से भिन्न प्रतीत होती है. द्वितीय भाग में रामकथा की उत्पत्ति और प्रारम्भिक विकास के मूल स्रोतों से जुड़ी विद्वत्मण्डली में फैली भ्रामक धारणाओं का जिक्र है, साथ ही भ्रामक धारणाओं का खंडन कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है. चतुर्थ भाग में वाल्मीकि रामायण की कथावस्तु के क्रमानुसार रामकथा के विभिन्न कथा-भागों के विकास का वर्णन किया गया है. उपसंहार में रामकथा की व्यापकता का उल्लेख है, विभिन्न प्रभावों एवं विकास की सम्यक प्रस्तुति है. निश्चित रूप से रामकथा का यह सम्पूर्ण प्रयास बाबा बुल्के के अगाध पांडित्य एवं अन्वेषी वृत्ति का प्रतिफलन है. इस ग्रन्थ को रामकथा का विश्वकोश कहा गया है. फादर बुल्के ने रामकथा के देशी-विदेशी प्रणेताओं को पढ़ा, विश्लेषणात्मक अध्ययन किया, ये सभी आलेख उनके मार्गदर्शक बने. सत्य का अन्वेषण करते हुए फादर बुल्के की तटस्थता एवं उनकी संतुलित दृष्टि काफी सहायक हुई है. फादर बुल्के बौद्धिक शक्ति-सम्पन्न सत्यानुरागी हैं और सत्य के अन्वेषक भी. वैज्ञानिक विश्लेषण के साथ समग्रता में सत्य की उपस्थापना उनका लक्ष्य रहा है. फादर बुल्के की पैनी शोध दृष्टि सम्पूर्ण बाह्याचारों को भेदकर अन्तर्निहित सत्य का अवलोकन करती है. सजग प्रहरी की भांति अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए फादर बुल्के ने रामकथा के मूल स्रोतों की खोज की एवं अनेक देशी-विदेशी विद्वानों के मन में बैठी भ्रामक धारणाओं का खंडन कर सत्य को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि- ''सदियों से यह बात प्रसिद्ध है कि वाल्मीकि रामायण रामकथा का सबसे पहला महाकाव्य है. लेकिन इस बात के बड़े स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि यह कथा जनसाधारण के बीच वाल्मीकि से पहले ही प्रचलित थी. यह गाथाओं या गीतों के रूप में सुनी-सुनाई जाती थी. और इस प्रकार इसका स्वरूप आख्यान काव्य का था. बौद्ध त्रिपिटक, महाभारत और वाल्मीकि रामायण के अनुशीलन से पता चलता है कि राम सम्बन्धी आख्यान काव्य की उत्पत्ति वैदिक काल के बाद, लेकिन चौथी शताब्दी ईपू से कई शताब्दियों पहले हुई."

राम कथा का विकासः "रामकथा" ग्रन्थ का सबसे महत्वपूर्ण एवं विस्तृत भाग है - इसका चतुर्थ भाग है रामकथा का विकास. इस भाग में रामायण के विभिन्न काण्डों के विविध प्रसंगों का कथात्मक विकास प्रस्तुत किया गया है. शोध-प्रबंध का यह भाग विस्तृत है, लगभग साढ़े चार सौ पृष्ठों का है. इसमें सभी प्रसंगों एवं घटनाओं का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया गया है. विभिन्न रचनाओं में एक ही घटना के प्रस्तुतीकरण में कैसे भिन्नता आती है, इसका उल्लेख भी किया गया है. जैसे कहीं सीता को भूमिजा कहा गया है, कहीं जनकपुत्री हैं, तो कहीं रावण की कन्या के रूप में स्वीकृत हैं. विवरण विवेचन से युक्त यह भाग फादर बुल्के के चिन्तन, विश्लेषण एवं गहन अध्ययन का साक्षी है. उपसंहार अन्तिम अध्याय है, इसमें रामकथा की व्यापकता एवं गहनता का प्रमाण मिलता है. विभिन्न राम कथाओं में व्याप्त मूलभूत एकता भी परिलक्षित होती है. फादर बुल्के का निवेदन है कि रामकथा-विषयक आख्यान काव्य का एक ही मूलस्रोत रह जाता है- एक ऐतिहासिक घटना.

क्षेत्रीय शांति को खतरा

एक ओर रूस-यूक्रेन तथा इज़रायल-फिलीस्तीन संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, दूसरी तरफ़ भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और ईरान के बीच टकराव शुरू हो गया है, जो विश्व शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता है. वैसे ईरान ने इसी के साथ अपने दो और मुल्कों पर हमले किये हैं. ये देश हैं सीरिया और इराक. इन हमलों की गम्भीरता को देखते हुए सुलह के प्रयासों की तत्काल ज़रूरत आन पड़ी है. पहले उल्लेखित संघर्षरत मुल्कों के बीच युद्धों के अपने-अपने कारण हैं, परन्तु ताज़ा लड़ाई (ईरान-पाक) की वजह एक दूसरे पर आतंकवाद को बढ़ावा देना है. दोनों देशों के बीच तल्ख़ी इस कदर बढ़ गई कि दोनों ने एक दूसरे के उच्चायुक्तों को अपदस्थ कर दिया है. वैसे युद्ध जिस भी कारण से हो रहा हो, आवश्यक है कि दोनों देश परस्पर संवाद से समस्या का निदान ढूंढ़ें. पाकिस्तान पर ईरान का तो आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप है ही, खुद पाकिस्तान का कहना है कि ईरान में सक्रिय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स (बीएलएफ) को उस देश के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है, जो पाकिस्तान में सरकार विरोधी कार्रवाइयां कर रहे हैं. पाकिस्तान ने कथित रूप से इन्हीं संगठनों के ठिकानों पर हमले किये हैं. पाकिस्तान की उत्तर में बलूचिस्तान स्थित है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान से लगती है और पश्चिम में ईरान से सटी हुई है. प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बलूचिस्तान को उसके इस संसाधन का लाभ नहीं मिल पाता और वहां से निकलने वाले खनिजों का फायदा पाकिस्तान के पंजाब इलाकों को ज्यादा मिलता है. इसलिए बलूचिस्तान के लोग सरकार से नाराज़ हैं और वे अलग होने की मांग तक करते आये हैं. जबसे पाकिस्तान ने इन खनिजों को चीन के लिए भी खोल दिया है, बलूचियों की नाराज़गी और ज्यादा बढ़ गई है. बीएलए और बीएलएफ जैसे संगठन पाकिस्तानी व चीनी सेना के जवानों को निशाना बना रहे हैं. ईरान का मानना है कि पाकिस्तान, सीरिया एवं इराक तीनों ही आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिए उसने अपने हितों की रक्षा के लिए तीनों मुल्कों पर हल्ला बोला है. दावोस में जारी वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम में हिस्सा ले रहे ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि जैश-अल-अदल पाकिस्तान की धरती से ईरान के खिलाफ सक्रिय आतंकी संगठन है. ईरान लम्बे समय से कहता आया है कि पाकिस्तान उनके देश के खिलाफ काम कर रहे आतंकी समूहों को पनाह और प्रोत्साहन देता है. कई कार्रवाइयों की उसने जिम्मेदारी भी ली है. इसने ईरान में 2013 में बड़ा हमला किया था. ईरान के अलावा अमेरिका, जापान, न्यूजीलैंड आदि कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठनों की सूची में डाल रखा है. वैसे दोनों देशों (ईरान-पाकिस्तान) के बीच कभी नरम तो कभी गरम वाले सम्बन्ध होते हैं. कुछ अरसा पहले दोनों देशों ने संयुक्त युद्धाभ्यास भी किया था, लेकिन आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों को लेकर खटास भी हो जाती है. हाल के वर्षों में रिश्ते इस कदर बिगड़ जाने की मुख्य वजह बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में जैश-अल-अदल को शरण मिलना है.

> ईरान का मानना है कि पाकिस्तान, सीरिया एवं इराक तीनों ही आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिए उसने अपने हितों की रक्षा के लिए तीनों मुल्कों पर हल्ला बोला है.

सुभाषित

जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं, मानोन्नतिं दिशति पापमपा करोति ।
चेत: प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं, सत्संगति: कथय किं न करोति पुंसाम्।।

अच्छे दोस्तों का साथ बुद्धि की जटिलता को हर लेता है, हमारी बोली सच बोलने लगती है, इससे मान और उन्नति बढ़ती है और पाप मिट जाते है. चित्त को प्रसन्न करता है और हमारी कीर्ति को सभी दिशाओं में फैलाता है. कहें, सत्संगति मनुष्यों का कौन सा भला नहीं करती.

आइए, राम-राज्य की स्थापना का व्रत लें

आज श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से भारत भूमि की शुभता-धन्यता पूर्ण हो रही है. प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से एक बार फिर राष्ट्र राम-राज्य की ओर अग्रसर होगा. राष्ट्र के जन दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्त होंगे. सकल जन का कल्याण होगा. दुष्टों और समाज-राष्ट्रद्रोहियों और विरोधियों का पतन होगा. भगवान श्रीराम साक्षात परब्रह्म ईश्वर है. संसार के समस्त पदार्थों के बीज हैं. संसार के सूत्रधार हैं. वैदिक सनातन धर्म की आत्मा और परमात्मा हैं. उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से भारत का भाग्योदय होगा.

• देश-काल

अरविंद जयतिलक

पांआज अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पुण्यबेला में देश राममय है. अयोध्या में त्रेता युग उतर आया है. चतुर्दिक रामनाम की गूंज से प्रकृति का कण-कण ध्वनित और रोमांचित है. शताब्दियों की अधूरी आस पूरी हो रही है. सनातन संस्कृति के महा प्रतिमान और लोक जीवन के आराध्य भगवान श्रीराम भारत राष्ट्र की आत्मा हैं. आज भारत राष्ट्र की आत्मा की ही प्राण-प्रतिष्ठा है. इस पुनीत पुण्यबेला में लोकमंगलकारी राजीव नयन भगवान श्रीराम को शत-शत प्रणाम. कई सहस्त्राब्दियों पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम का प्राकट्य हुआ था. तब निर्मल आकाश देवताओं के समूहों से भर गया था. गन्धर्वों का दल प्रभु श्रीराम के गुणों का गान कर रहे थे. आकाश में घमाघम नगाड़े बज रहे थे. नाग, मुनि और देवता प्रभु श्रीराम की स्तुति और आराधना में जुटे थे. आज अयोध्या समेत संपूर्ण राष्ट्र में वैसा ही राममय वातारण निर्मित है. रामनाम शब्द के प्रस्फुटन, कीर्तन, यज्ञ, हवन-पूजन से त्रेता युग चरितार्थ हो रहा है. भगवान श्रीरामलला का भव्य-दिव्य मंदिर छटाओं से अलंकृत है. आज श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से भारत भूमि की शुभता-धन्यता पूर्ण हो रही है. प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से एक बार फिर राष्ट्र राम-राज्य की ओर अग्रसर होगा. राष्ट्र के जन दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्त होंगे. सकल जन का कल्याण होगा. दुष्टों और समाज-राष्ट्रद्रोहियों और विरोधियों का पतन होगा. भगवान श्रीराम साक्षात परब्रह्म ईश्वर है. संसार के समस्त पदार्थों के बीज हैं. संसार के सूत्रधार हैं. वैदिक सनातन धर्म की आत्मा और परमात्मा हैं. सद्गुणों के भंडार हैं. उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से भारत का भाग्योदय होगा. भारतीय जनमानस भगवान श्रीराम के जीवन पद्धति को अपना उच्चतर आदर्श और पुनीत मार्ग मानता है. शास्त्रों में भगवान श्रीराम को लोक कल्याण का पथप्रदर्शक और विष्णु के दस अवतारों में से सातवां अवतार कहा गया है. शास्त्रों में कहा गया है कि जब-जब धरती पर अत्याचार बढ़ता है तब-तब भगवान श्रीराम धरा पर अवतरित होकर दुष्टों का संहार करते हैं. वे शिवजी के परम पूज्य और प्रियतम अतिथि हैं. संसार भी भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानता है. वे एक आदर्श भाई, आदर्श स्वामी और प्रजा के लिए नीति कुशल व न्यायप्रिय राजा हैं. भगवान श्रीराम का रामराज्य जगत प्रसिद्ध है. हिंदू सनातन संस्कृति में भगवान श्रीराम द्वारा किया गया आदर्श शासन ही रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है. रामराज्य में कोई भी अल्पमृत्यु और रोगपीड़ा से ग्रस्त नहीं था. सभी जन स्वस्थ, गुणी, बुद्धिमान, साक्षर, ज्ञानी और कृतज्ञ थे. वैश्विक स्तर पर रामराज्य की स्थापना गांधी जी की भी चाह थी. गांधी जी ने भारत में अंग्रेजी शासन से मुक्ति के बाद ग्राम स्वराज के रुप में रामराज्य की कल्पना की थी. आज भी शासन की विधा के तौर पर रामराज्य को ही उत्कृष्ट माना जाता है और इसका उदाहरण दिया जाता है. संसार भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानता है. इसलिए कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सत्य और मर्यादा का पालन करना नहीं छोड़ा. पिता का आदेश मान वन गए. भगवान श्री राम को कर्तव्यपरायणता के कारण भारतीय सनातन परिवार का आदर्श प्रतिनिधि कहा जाता है. उन्होंने लंकापति रावण का वध कर मानव जाति को संदेश दिया था कि सत्य और धर्म के मार्ग का अनुसरण कर जगत को आसुरी शक्तियों से मुक्त किया जा सकता है. राम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परंपरा 'रघुकुल रीति सदा चलि आई, प्राण जाई पर बचन न जाई' की थी. इसीलिए पिता का वचन मानकर वे जंगल को गए. उन्होंने अपने पराक्रम से दण्डक वन को राक्षस विहीन किया और साधु-संतों की सेवा की. उन्होंने गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या का उद्धार किया तथा पराई स्त्री पर कुदृष्टि रखने वाले बालि का संघार कर संसार को स्त्रियों के प्रति संवेदनशील होने की सीख दी. जंगल में रहने वाली शबरी माता को नवधा भक्ति का ज्ञान दिया. उन्होंने नवधा भक्ति के जरिए दुनिया को अपनी महिमा से सुपरिचित कराया. उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुझे वहीं प्रिय हैं जो संतों का संग करते हैं. मेरी कथा का रसपान करते हैं. जो इंद्रियों का निग्रह, शील, बहुत कार्यों से वैराग्य और निरंतर संत पुरुषों के धर्म में लगे रहते हैं. जगत को समभाव से मुझमें देखते हैं और संतों को मुझसे भी अधिक प्रिय समझते हैं. उन्होंने शबरी को यह भी समझाया कि मेरे दर्शन का परम अनुपम फल यह है कि जीव अपने सहज स्वरुप को प्राप्त हो जाता है. भगवान श्रीराम सभी प्राणियों के लिए संवेदनशील थे. उन्होंने पंपापुर के वन्य जातियों को स्नेह से सीचिंत कर अपना मित्र बनाया. भगवान श्रीराम और वानरराज सुग्रीव की मित्रता आदर्श मित्रता का अनुपम उदाहरण है. पवनपुत्र हनुमान भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त हैं. उन्होंने कहा है कि कुलीन न होते हुए भी भगवान श्रीराम ने मुझ जैसे सभी गुणों से हीन जीव को अपनाया. अधम प्राणी जटायु को पिता तुल्य स्नेह प्रदान कर जीव से जंतुओं के प्रति मानवीय आचरण को भलीभांति निरुपित किया. समुद्र पर सेतु बांधकर वैज्ञानिकता और तकनीकी का अनुपम मिसाल कायम की. उन्होंने समुद्र के अनुनय-विनय पर निकट बसे खलमंडली का संघार किया. पत्नी सीता के हरण के बाद भी अपना धैर्य नहीं खोया. असुराज रावण को सत्य और धर्म के मार्ग पर लाने के लिए हरसंभव प्रयास किया. उसे समझाने के लिए अपने भक्त हनुमान और अंगद को उसके पास लंका भेजा, लेकिन दुष्ट स्वभाव वाले रावण को यह सब रास नहीं आया. स्वयं उसके भाई विभीषण ने माता सीता को प्रभु श्रीराम को सौंपने के लिए अनुनय-विनय किया, लेकिन रावण माता सीता को वापस करने के लिए तैयार नहीं हुआ. उल्टे उसने विभीषण को अपमानित कर लंका से निर्वासित कर दिया. विभीषण भगवान श्रीराम के शरणागत हुए. अंततः प्रभु श्रीराम ने असुरराज रावण का वध कर पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त किया. उन्होंने लंका का राज्य विभीषण को सौंपकर माता जानकी के साथ अयोध्या लौट आए. सही अर्थों में इन लीलाओं के जरिए भगवान श्रीराम ने एक पुत्र, पिता, पति, भाई और एक राजा के तौर पर जगत को संदेश दिया कि एक आदर्श, निष्पक्ष और बंधुतापूर्ण आचरण के जरिए ही एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज का निर्माण संभव है. आइए हम सभी ऐसे देदीप्यमान भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पुण्यबेला में राम-राज्य की स्थापना का व्रत लें.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सहिष्णुता

यह एक भ्रामक धारणा है कि भड़ास या क्रोध निस्तारण से तनाव से मुक्ति मिलती है. उलट, क्रोध तो तनाव के अन्तहीन चक्र को जन्म देता है. क्योंकि भड़ास निकालने, आवेश अभिव्यक्त करने या क्रोध को मुक्त करने से प्रतिक्रियात्मक द्वेष ही पैदा होता है और द्वेष से तो वैर की परम्परा का ही सर्जन होता है. इस तरह प्रतिशोध की प्रतिपूर्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर तनाव में रहता है. क्रोध का इलाज आवेशों को मंद करके, क्रोध के शमन या दमन में ही है. क्षमा ही परमानेंट क्योर है. क्योंकि क्षमा ही वह शस्त्र है, जो वैर के दुष्चक्र को खण्डित करता है. क्षमा के बाद किसी तरह के तनाव-बोझ को नहीं झेलना पड़ता. अर्थात् सहिष्णुता ही तनाव मुक्ति का उपाय है. अहिंसा पर आम सोच बहुत ही सतही होती है. लोग गांधी के चिंतन, 'दूसरा गाल सामने करने' का परिहास करते है. वस्तुतः दूसरा गाल सामने करने का अभिप्राय है, धैर्यपूर्वक सहनशीलता से कोई ऐसा व्यवहार करना जिससे बदले की परम्परा प्रारम्भ होने से पहले ही थम जाय. ईट का जवाब पत्थर से देना तो तात्कालिक सरल और सहज है, किंतु निराकरण तो तब है जब हिंसा-प्रतिहिंसा की श्रृंखला बनने से पूर्व ही तोड दी जाय. कईं लोगों के मानस में हिंसा और अहिंसा की अजीब अवधारणा होती है, वे सभी से हर हाल में अपने साथ तो अहिंसक व्यवहार की अपेक्षा रखते है, दूसरे किसी आक्रोशी को सहनशीलता का पाठ पढा लेते है, दूसरे लोगों के धैर्य सहित शिष्टाचार की भूरि भूरि प्रशंसा भी करते है. किन्तु अपने साथ पेश आती, जरा सी प्रतिकूलता का प्रतिक्रियात्मक हिंसा से ही जवाब देना उचित मानते है. सभी से सहिष्णु व्यवहार तो चाहते है, किन्तु अन्याय अत्याचार का जवाब तो त्वरित प्रतिहिंसा से ही देना उपयुक्त मानते है. हिंसा की प्रतिक्रिया हिंसा से न हो तो उसे कायरता मान बैठते है. अधैर्य से, सहिष्णुता एक ओर फैक कर, अतिशीघ्र क्रोध के अधीन हो जाते हैं और प्रतिहिंसा का दामन थाम लेते हैं. जबकि सबसे ज्यादा, उसी पल-परिस्थिति में क्षमा की आवश्यकता होती है. स्वार्थी सुध-बुध का आलम यह है कि यदि कोई उन्हें धैर्य की सलाह देकर, सहिष्णु बनने का आग्रह करे और अहिंसा अपनाने को प्रेरित करे तो उस सद्वचन में भी लोगों को आक्रमक वैचारिक हिंसा नजर आती है. ऐसे ही लोगों को क्षमा सदैव कायरता प्रतीत होती है. प्रतिक्रियात्मक हिंसा ही उन्हें प्रथम व अन्तिम उपाय समझ आता है. यह सोच, प्रतिशोध श्रृंखला को जीर्ण शीर्ण नहीं होने देती और शान्ति का मनोरथ कभी भी पूर्ण नहीं हो पाता. क्रोध प्रेरित द्वेष के साथ साथ, कभी-कभी ईर्ष्या जनित द्वेष भी पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के कारण बनते है. राग की भांति द्वेष भी अंधा होता है.

प्रदूषण की चपेट में समूची दुनिया

• पर्यावरण

ज्ञानेन्द्र रावत

समूची दुनिया प्रदूषण की भीषण चपेट में है. दुनिया के कई शहरों और खासकर दक्षिण एशिया के 18 शहरों में वायु प्रदूषण की भयावह स्थिति ने सबको हैरत में डाल दिया है. दुनिया में खराब वायु गुणवत्ता के कारण हर साल तकरीबन 60 लाख से कहीं ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं. वहीं वायु प्रदूषण से कई जानलेवा बीमारियां पैदा होती हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि जहां तक दक्षिण एशियाई देशों का सवाल है, यहां के विकसित शहरों में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का आंकड़ा डेढ़ लाख को पार कर गया है. आशंका व्यक्त की है कि एशिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के 18 शहरों में रहने वाले लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते समय से पहले हो सकती है.शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने नासा से जुटाये गये आंकड़ों के आधार पर प्रदूषण संबंधी मौतों के लिए नाइट्रोजन डाइआक्साइड, अमोनिया, कार्बन मोनोक्साइड जैसे प्रदूषकों के अलावा हानिकारक सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 को जिम्मेदार बताया है. यदि आने वाले छह दशकों में वायु प्रदूषण की यही स्थिति बरकरार रही तो लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग समय पूर्व अपनी जान गंवा देंगे. गौरतलब है कि पीएम 2.5 के लम्बे समय तक संपर्क में रहने के कारण अकेले 2005 में दक्षिण एशियाई शहरों में डेढ़ लाख लोग और दक्षिण पूर्व एशियाई शहरों में तकरीबन 53 हजार मौतें हुई थीं. भारत को वायु प्रदूषण से हर साल 114 खरब रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है. बीते साल स्विट्ज़रलैंड की संस्था आईक्यू एयर ने अपनी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में भारत को 2022 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश बताया था. दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में उस समय 39 शहर भारत के थे. यदि हम अंतरराष्ट्रीय मानकों या दिशा-निर्देशों के हिसाब से देखें तो पाते हैं कि वाकई हमारे शहरों में सीमा से बहुत ज्यादा प्रदूषण है. शहर तो शहर, अब गांव भी इससे अछूते नहीं. अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं. जो योजनाएं बनती हैं वे भी शहर केन्द्रित ही होती हैं. वायु प्रदूषण जहां बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए भीषण खतरा बन गया है, वहीं बच्चों में तेजी से बढ़ रहे अस्थमा का भी कारण बन रहा है. शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद धुएं-धूल के बारीक कण बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं. इसका सबसे ज्यादा असर उन बच्चों में पाया जाता है, जो कम विकसित शहरी इलाकों या पिछड़े इलाकों में रहते हैं. ईस्ट एंजीलिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जान स्पेंसर द्वारा किये अक्तूबर, 2017 से जून, 2019 के बीच 215 बच्चों के विज़न, स्मृति, विजुअल प्रक्रिया के विश्लेषण से खुलासा हुआ कि बच्चे में संज्ञानात्मक समस्या का संबंध खराब वायु गुणवत्ता से है. स्पेंसर के अनुसार, हवा में मौजूद हानिकारक बारीक कण मस्तिष्क में प्रवेश कर उसे नुकसान पहुंचाते हैं. खराब वायु गुणवत्ता के चलते होने वाली संज्ञानात्मक समस्याएं दो साल तक के बच्चों के लिए जोखिमभरी होती हैं. दरअसल, प्रदूषण को कम करने की दिशा में जो भी प्रयास होते हैं, वह पीएम पार्टीकल्स पर ही केन्द्रित होते हैं. ओजोन, नाइट्रोजन व अन्य प्रदूषक तत्व शामिल नहीं होते, जबकि इनको भी शामिल किया जाना चाहिए, लेकिन योजनाएं बनाकर और निर्देश देकर कार्य की इतिश्री कर दी जाती है. सर्वेक्षण में कितना काम कहां हुआ, प्रदूषण घटाने में किसकी भूमिका क्या और कितनी रही और उसमें कामयाबी और नाकामी का प्रतिशत कितना रहा, इसका भी आकलन होना चाहिए. सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में शोधकर्ताओं का भी सहयोग लेना चाहिए और प्रदूषण नियंत्रण का दायित्व समन्वित रूप से एक ही विभाग के अंतर्गत होना चाहिए. यह जान लेना कि प्रदूषण सामान्य नहीं, जानलेवा है. क्योंकि हम जहरीली हवा में सांस लेने को विवश हैं. यह कहना गलत है कि प्रदूषण नियंत्रण के देश में उपाय नहीं हो रहे, लेकिन हकीकत में जब-जब प्रदूषण की अधिकता होती है, तब रोकथाम के सारे के सारे प्रयास बड़े शहरों में ही देखे जाते हैं. हकीकत यह भी है कि देश में छोटे-बड़े तकरीबन चार हजार से ज्यादा शहर हैं, लेकिन दुखदायी यह है कि उनमें से ज्यादातर शहरों में प्रदूषण की निगरानी की व्यवस्था ही नहीं है. देश की राजधानी दिल्ली के लोग तो जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं. देश की राजधानी का पीएम 2.5 का स्तर सुरक्षित सीमा से लगभग 20 गुणा से भी ज्यादा है. जहां तक राजनीतिक दलों की बात है, पर्यावरण की बात राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि उनके लिए यह चुनावी मुद्दा नहीं होता. यह कहना ठीक नहीं कि लोग जागरूक नहीं हुए हैं.

> दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में उस समय 39 शहर भारत के थे. यदि हम अंतरराष्ट्रीय मानकों या दिशा-निर्देशों के हिसाब से देखें तो पाते हैं कि वाकई हमारे शहरों में सीमा से बहुत ज्यादा प्रदूषण है. शहर तो शहर, अब गांव भी इससे अछूते नहीं. अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं. जो योजनाएं बनती हैं वे भी शहर केन्द्रित ही होती हैं.

मूर्तिकार अरुण ने दिया अमर कृति को आकार

• सामयिकी

विजय केसरी

अयोध्या में विराजमान होने वाले भगवान राम की बाल रूप मूर्ति की तस्वीर देखकर संपूर्ण देशवासी मोहित हो गए हैं, जबकि रामलला की बाल रूप मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है. भगवान रामलला की मूर्ति की तस्वीर चंद ही मिनटों में संपूर्ण देश में वायरल हो गई. देश के लगभग सभी अखबारों ने भगवान राम की बाल रूप मूर्ति की तस्वीर प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित की है. टेलीविजन पर बाल रूप मूर्ति पर जमकर चर्चा हो रही है. सोशल मीडिया पर लाखों लाख की संख्या में भगवान के इस विग्रह रूप की तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं. रामचंद्र भगवान की जय, जय श्री राम, जय सियाराम जैसे उद्घोष शब्दों से पूरा सोशल मीडिया भरता चला जा रहा है . यह क्रम बढ़ता ही चला जा रहा है. लोग भगवान के इस विग्रह, बाल रूप को बहुत ही श्रद्धा और आनंद के साथ दर्शन कर रहे हैं. टेलीविजन पर जैसे ही भगवान रामलला के इस बाल मोहक रूप की तस्वीर आई, लोग हर काम छोड़कर टेलीविजन से चिपक गए. वही हाल अखबारों में प्रकाशित भगवान रामलला के मोहित बाल रूप को देखकर हुआ है. लोग अखबारों से रामलला की प्रकाशित तस्वीर को काटकर अपने-अपने सुरक्षित स्थानों में रख रहे हैं. इससे पूर्व राम के प्रति इतना क्रेज कभी देशवासियों में नहीं देखा गया है. अयोध्या में 22 जनवरी को प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ने समस्त देशवासियों को भगवान राम के प्रति विशेष रूप से जागृत कर दिया है. त्रेतायुग में जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सशरीर लीला कर रहे थे. तब भगवान राम का चेहरा कुछ इस तरह था कि जो भी जन उनको देखते थे, देखते ही रह जाते थे. उन्हें देखकर जड़ चेतन सभी मोहित हो जाया करते थे. संत तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसा वर्णन किया है कि जो भी भगवान राम का दर्शन करते थे, उनके दर्शन मात्र से उस व्यक्ति के समस्त कष्ट दूर हो जाया करते थे. भगवान राम के दर्शन के बाद व्यक्ति को उनके अलावा कुछ और दिखता ही नहीं था. भगवान राम के चेहरे का लावण्य और आभा ऐसी थी, भोगी से भोगी व्यक्ति भी पंच विकारों से मुक्त होकर भगवान राम के ध्यान में समाहित हो जाया करते थे. रामचरितमानस में ऐसा वर्णन है कि भगवान राम न बहुत गोरे थे. न बहुत सांवले थे. उनका रंग गेहुआ था. भगवान राम का रूप इतना मोहक था, जिसे शब्दों में व्याख्यायित कर पाना कठिन जान पड़ता है. भगवान राम के इस विग्रह रूप को श्याम शीला पर इस खूबसूरती के साथ आकार दिया गया है, एहसास होता है कि अब मूर्ति बोल पड़े. कर्नाटक के एक मूर्ति कलाकार अरुण योगीराज ने पूरी तन्मयता और भक्ति भाव से रामलला की मूर्ति को आकार दिया है. मूर्ति की कारीगरी में अरुण योगीराज ने एक तरह से जान फूंक दी है. इस तरह की कलाकृति सदियों बाद बन पाती है. कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज अपने जीवन में असंख्य मूर्तियों का निर्माण किये होंगे. आगे भी मूर्तियों का निर्माण करते रहेंगे, लेकिन शालिग्राम के इस पत्थर से जब उन्होंने भगवान राम की मूर्ति को आकार दिया, वे सदा सदा के लिए अमर हो गए. उनकी यह कृति भी सदा सदा के लिए अमर हो गई है. कुछ ही पलों में करोड़ों लोगों ने इस मूर्ति के दर्शन कर लिये हैं. आने वाले कुछ ही महीने में भगवान राम के इस विग्रह मूर्ति के दर्शन करने के लिए हर दिन हजारों लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या आएंगे. अरुण योगीराज मूर्तिकार की भगवान राम की यह मूर्ति सदा पूजित होती रहेगी. रामलला की मूर्ति को हिंदू शास्त्र नियमों के अनुसार गर्भ गृह में स्थापित कर दिया गया है. भगवान राम की मूर्ति गर्भ गृह में स्थापित कर दी गई है, यह खबर जैसे ही देश में फैली, संपूर्ण देश में जय श्री राम, जय सियाराम के उद्घोष से गुंजित हो उठा. सर्वविदित है कि भगवान राम का त्रेता युग में चैत्र मास के शुक्ल नवमी के दिन प्रादुर्भाव हुआ था. तब जिस तरह खुशियां मनाई गई थीं, आज संपूर्ण देश में उसी तरह की खुशी की लहर देखी जा रही है. संपूर्ण देश राममय हो उठा है. देश भर के हर के मंदिरों की सफाई की जा रही है. हर मार्ग झाड़ू से साफ किये जा रहे हैं. हर पूजा घर साफ हो रहे हैं. चंहुओर बिजली के बल्ब लगाये जा रहे हैं. हर चौक चौराहों पर तोरण द्वार लगाए जा रहे हैं, विभिन्न प्रकार के मिष्ठान बनाए जा रहे हैं. देशवासी इस पल का इंतजार कर रहे हैं कि कब भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो. उस पल को देखने के लिए संपूर्ण देशवासी लालायित हैं. ऐसा अवसर सदियों बाद आता है. देशवासी ऐसा महसूस कर रहे हैं.

> त्रेतायुग में जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सशरीर लीला कर रहे थे, तब भगवान राम का चेहरा कुछ इस तरह था कि जो भी जन उनको देखते थे, देखते ही रह जाते थे. उन्हें देखकर जड़ चेतन सभी मोहित हो जाया करते थे. संत तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसा वर्णन किया है कि जो भी भगवान राम का दर्शन करते थे, उनके दर्शन मात्र से उस व्यक्ति के समस्त कष्ट दूर हो जाया करते थे.

मीडिया में अन्यत्र

कृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह

मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद का मुआयना करने के लिए एक आयुक्त नियुक्त करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अमल पर रोक लगाकर, सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों के जरिए पूजा स्थल की स्थिति में बदलाव लाने के एक संभावित कदम पर कुछ समय के लिए अंकुश लगा दिया है. शीर्ष अदालत ने यह पाने के बाद आयोग की नियुक्ति पर रोक लगा दी है कि इसकी मांग बिना किसी विशेष वजह के अस्पष्ट आधार पर की गई है. उसने एक हालिया उदाहरण को भी ध्यान में रखा, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि मुकदमे की संधार्यता को लेकर कोई सवाल उठने या मुकदमे का कानून द्वारा वर्जित होने की स्थिति में सिविल अदालतों को कोई अंतरिम राहत नहीं देनी चाहिए. शाही ईदगाह मस्जिद की प्रबंधन समिति ने देवता, भगवान श्री कृष्ण विराजमान और अन्य हिंदू उपासकों के नाम पर किए गए इस मुकदमे की संधार्यता पर इस आधार पर सवाल उठाया है कि यह मुकदमा पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम1991 द्वारा वर्जित है. यह अधिनियम किसी भी पूजा स्थल की 15 अगस्त, 1947 वाले धार्मिक चरित्र में बदलाव पर रोक लगाता है. यह पूजा स्थल की स्थिति को बदलने के मकसद से किए जाने वाले किसी नए मुकदमे पर भी रोक लगाता है. हिंदू भक्त दावा करते रहे हैं कि मथुरा के एक कृष्ण मंदिर के बगल में स्थित मस्जिद भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर अवस्थित है. मथुरा के इस मस्जिद से जुड़े कई मुकदमे लंबित हैं और इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निपटारे के लिए सभी मुकदमों को अपने पास स्थानांतरित कर लिया है. परिसर का मुआयना करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति यह दिखाने की एक कवायद जान पड़ी कि वहां हिंदू मूल की स्थापत्य विशेषताएं और कलाकृतियां मिल सकती हैं. इस मामले में कानूनी रणनीति ठीक वैसी ही है, जिसके जरिए हिंदू उपासकों ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने के लिए कहा गया है, से जुड़े मुकदमे में अपने पक्ष को मजबूत करने हेतु कथित सबूत इकट्ठा करने की आधिकारिक मंजूरी हासिल की थी. हालांकि, मथुरा विवाद को 1968 में श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही ईदगाह ट्रस्ट के बीच एक समझौते के जरिए सुलझाया गया था और उसपर अमल 1973 में एक अदालती हुक्म (डिक्री) के जरिए किया गया था. समझौते के तहसंस्थान ने जमीन का एक हिस्सा ईदगाह के लिए छोड़ दिया था. मौजूदा मुकदमे इस समझौते को 'धोखाधड़ी' बताते हुए चुनौती देते हैं और भूमि के पूरे हिस्से को देवता को हस्तांतरित करने की मांग करते हैं. **(दहिंदू से)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भक्ति/विभक्ति

भक्ति में बहुत शक्ति होती है तो विभक्ति में भी कम शक्ति नहीं होती. सनातन धर्म में भक्ति को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है. वहीं व्याकरण में विभक्ति को. यदि भक्ति न हो तो भगवान नहीं मिल सकते. वहीं विभक्ति का ज्ञान न हो तो भाषा निरर्थक हो जाती है. भक्ति और विभक्ति के बीच अगर समानता है तो वह है बांटने के अर्थ में. इसके अतिरिक्त दोनों के बीच कोई संबंध नहीं है. यहां एक बात स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि भक्ति और विभक्ति दोनों ही संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. हिंदी शब्द सागर के अनुसार भक्ति का अर्थ है अनेक भागों में विभक्त करना, बांटना, भाग, विभाग, अंग, अवयव, खंड, विभाग करनेवाली रेखा, सेवा-सुश्रूषा, पूजा, अर्चन, श्रद्धा, विश्वास, रचना, अनुराग, स्नेह, ईश्वर के प्रति अत्यंत अनुराग का होना. इसी प्रकार वर्धा हिंदी शब्दकोश क अनुसार विभक्ति का मतलब है विभक्त या विभाजित करना, बंटवारा, पार्थक्य, व्याकरण के अनुसार कारक का चिह्न. किसी भी वाक्य में प्रयुक्त शब्द आपस में सम्बद्ध होते हैं. क्रिया के साथ संज्ञा का सीधा सम्बन्ध ही कारक है. कारक को प्रकट करने के लिये संज्ञा और सर्वनाम के साथ जो चिह्न लगाया जाता है, उसे विभक्ति कहते हैं. जैसे पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं. भाषा को सशक्त बनाने के लिए विभक्ति का ज्ञान आवश्यक है. गौर कीजिए इस वाक्य में पेड़ और पत्ते संज्ञा हैं और गिरना क्रिया. सर्वविदित है कि कारक आठ होते हैं. विभक्ति के साथ कारकों को हम इस प्रकार देख सकते हैं-कर्ता-ने, कर्म-को, करण से, संप्रदान के लिए, अपादान से, संबंध-का के की, अधिकरण में पर और संबोधन-हे अहो अरे. करण और अपादान दोनों की विभक्ति एक ही है-से, लेकिन दोनों के आशय भिन्न हैं. करण के से का मतलब माध्यम है. जैसे हम कलम से लिखते हैं. वहीं अपादान के से का आशय है अलगाव. जैसे उसने कबूतर को तीर से मारा. यानी तीर मारनेवाले से अलग हुआ.

अधिकारी जी की जय बोलो!

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

बिना अधिकारी के मंत्री की क्या मजाल कि एक फाइल भी तैयार करके आगे बढ़ा दे! जब मंत्री पदभार ग्रहण करता है, तब अधिकारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर मंत्रालय की कुर्सी पर बिठाता है। झुक कर प्रणाम करता है और कहता है "माई बाप! आप जो आदेश करेंगे, हमारा काम उसका पालन सुनिश्चित करना है।" मंत्री इतनी चमचामय भाषा को सुनकर अपने आपको डोंगा समझने लगता है और इस तरह अधिकारी चमचागिरी करके मंत्री रूपी डोंगे के भीतर तक अपनी पहुंच बना लेता है. मंत्रियों की टोपी का रंग नीला, पीला, हरा, लाल बदलता रहता है, लेकिन अधिकारी का पूरा शरीर गिरगिटिया रंग का होता है. जो मंत्री की टोपी का रंग होता है, वैसा ही अधिकारी के पूरे शरीर का रंग हो जाता है. पार्टी में दस-बीस साल तक धरना-प्रदर्शन, जिंदाबाद-मुर्दाबाद कहने वाला कार्यकर्ता भी अधिकारी के मुकाबले में नौटंकी नहीं कर सकता. कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा टोपी पहन लेगा, लेकिन अधिकारी का तो पूरा शरीर ही टोपी के रंग में रंगा होता है. अधिकारी मंत्री को यह विश्वास दिला देता है कि हम आपकी विचारधारा के सच्चे समर्थक हैं और हम आपकी पार्टी को अगले चुनाव में विजय अवश्य दिलाएंगे. मंत्री को क्या पता कि कानून कैसे बनता है? वह तो केवल फाइल के ऊपर लोक-लुभावने नारे का स्टिकर चिपकाने में रुचि रखता है. भीतर की सारी सामग्री अधिकारी बनाता है. मंत्री के सामने मंत्री के मनवांछित स्टिकर के साथ फाइल प्रस्तुत करता है. इसलिए फाइलों में स्टिकर बदल जाते हैं, नारे नए गढ़े जाते हैं, महापुरुषों के चित्रों में फेरबदल हो जाती है, लेकिन सभी नियमों का प्रारूप अधिकारियों की मनमानी को पुष्ट करने वाला ही बनता है. अधिकारी अपने बुद्धि चातुर्य से कानून का ऐसा मकड़ी का जाल बनाते हैं कि जनता रूपी ग्राहक उनके पास शरण लेने के लिए आने पर मजबूर हो जाता है और फिर उनकी मनमानियों का शिकार बन ही जाता है। मंत्रियों को तो केवल उस झंडे से मतलब है, जो अधिनियम की फाइल के ऊपर लहरा रहा होता है. अधिकारी घाट-घाट का पानी पिए हुए होता है. उसे मालूम है कि ये झंडे-नारे सब बेकार की चीजें हैं. इनमें क्या रखा है? असली चीज है अधिनियम की ड्राफ्टिंग अर्थात प्रारूप को बनाना. उसमें ऐसे प्रावधानों को प्रविष्ट कर देना कि लोग अफसरशाही से तौबा-तौबा कर लें. अधिकारियों की तानाशाही और उनकी मनमानी के सम्मुख दंडवत प्रणाम करने में ही अपनी ख़ैरियत समझें. परिणाम यह होता है कि मंत्री जी समझते हैं कि रामराज्य आ गया, समाजवाद आ गया, सर्वहारा की तानाशाही स्थापित हो गई.

सुकून

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और आध्यात्मिक लेखक

लोकाभिरामं रघुवंशनाथम्

राम फिर से विग्रहरूप में लौट रहे हैं. वह जन्मस्थान में अब सदैव विराजेंगे. पांच सौ साल बाद भारत देश अपने धर्म के मूर्तिमान विग्रह को मुकुट और छत्र सहित प्रतिस्थापित करेगा. इसके साथ ही अयोध्या लोकमंगल का नाभकीय केंद्र बनेगा. देशवासी को जब पहली बार जहाज से अयोध्या आने का अवसर मिला तो, किष्किंधा पर्वत की मिट्टी और तुंगभद्रा का जल माथे पर रखकर इस पावन धरती पर वे उतरे. मंदिर में भगवान अभी नहीं विराजे हैं, लेकिन अयोध्या की धरती पर चरण रखने की उसकी खुशी का वर्णन शब्द नहीं कर पाते हैं. भारतवर्ष की प्राणवायु का आगमन हो रहा है. राम भारत की चेतना हैं. जीवन की श्रेष्ठता और उदात्तता की सीमा हैं. शिव महादेव हैं, कृष्ण संपूर्ण हैं, लेकिन राम केवल पुरुष हैं, जो पुरुषोत्तम होने का पथ दिखाते हैं. इसलिए वह सबके हैं. सबमें वह बसते हैं.

श्री राम ही ठांव

भारतीय जीवन में जिस दिन रामनाम का आश्रय मिला, उसी दिन उनका आगमन शुरू हो गया. जब एक आतातायी ने अयोध्या में 1528 में राममंदिर को तोड़ा था, तब से राम से पृथकता को भारतीय जनमानस से अस्वीकार कर दिया. भारत के आमजन के लिए श्रीराम ही ठांव हैं, वहीं लक्ष्य हैं. इसलिए जगत के सभी रूपों के बीच श्रीराम का स्मरण और उसके साथ शौर्य, साहस और संकल्प की अनवतरत यात्रा चलती रही. जब खुद पर भरोसा खत्म हो जाए और उस प्रभु श्रीराम का आसरा हो जाए, तब श्रीराम का स्पर्श मिलता है. यह आसरा टूटे नहीं, यह विश्वास बना रहे, इसलिए सभ्यता के उषाकाल से राम रसायन का प्रसाद भारतभूमि में बांटा जाता रहा है. सतयुग में महाराज मनु से अयोध्या में सभ्यता और संस्कृति के नए युग की शुरूआत की, तब से अयोध्या विश्व की प्राचीनतम राजधानी रही है. आज पुन: उसका गौरवगान भारतीय सभ्यता के स्वर्णिम काल का स्मरण है.

धर्मगुरुओं का वास्ता

भारत सनातन है, सनातन में सदैव शाश्वत का बोध है. यही कारण है कि इस पुण्यभूमि पर गुरु नानकदेव जी आए. गुरुतेग बहादुर और गुरुगोविंद सिंह ने अयोध्या के ब्रह्मकुंड में ध्यान किए. जैन के पांच तीर्थंकर ने अपने वंश परंपरा को श्रीराम से जोड़ा. जैनमत के जनक ऋषभदेव अयोध्या के ही राजा नाभिराज और उनकी पत्नी मरुदेवी की संतान थे. जैनसंत अजितनाथ, अभिनंदनाथ, सुमतिनाथ, और अनंतनाथ का जन्म भी अयोध्या में हुआ. शाक्यमुनि भी इक्ष्वाकु वंश से अपना रक्तसंबंध को बताया. बुद्ध के पहले शिष्य अयोध्या के राजा प्रसनजीत थे. यहां उन्होंने जीवन का 16 साल बिताए. इस मर्यादा के दर्शन के लिए रविदास अयोध्य जाते थे. निर्गुण कबीर राम को भजते थे. अद्वैत के जनक शंकर नैमिषारण्य से पैदल चलकर अयोध्या आए. रामानुजाचार्य बदरिकाश्रम से पैदल चलकर अयोध्या आए. विशिष्टद्वैतवाद के वल्लभाचार्य. सभी यहां साधना में लीन रहते थे. तुलसी के दोहा और भवभूति के राम की जाप यही पूर्णता प्राप्त करती थी.

कण-कण में राम

देश के एक छोर से दूसरे छोर तक हर जगह राम मिलेंगे. फल में सीताफल, दवा में रामबूटी, शस्त्र में रामबाण, हरेक शुभ कर्म की शुरूआत में राम होंगे. आज भी जंगल में जब कोई फल का नाम नहीं पता होता है, तो हम उसको रामफल और सीताफल नाम देते हैं. जिस समाज का कोई जातीय नाम नहीं होता है, उसे रामनामी कहा जाता है. अभिवादन के लिए सबसे सहज राम-राम का उच्चारण है. जीवन में राम हैं तो मृत्यु की सद्गत में राम-राम हैं. राम ब्रह्म हैं, राम भगवान हैं, राम राजा हैं और राम सामान्य पुरुष भी हैं. कबीर के राम निराकार ईश्वर हैं वहीं राम साकार सगुण रूप में तुलसी की वाणी हैं. तुलसी की रामकथा में तीन वाचक और तीन श्रोता हैं. शिव और पार्वती के संग रामकथा अध्यात्म के शिखर को छूता है, तो याज्ञवल्क्य और भारद्वाज के माध्यम से समाज के प्रबुद्ध एवं ऋषि परंपरा के साथ बहता जाता है. गरूर और काकभुशुंडी के संग वहीं रामकथा पशु-पक्षी एवं मानवेत्तर जीवन के पुण्य का कारक हो जाता है. इसी कारण रामनाम लोक, पुराण और वेद-काव्य से ऊपर उठ जाता है.

राम नाम के अर्थ अनेक

तैत्तरीय अरण्यक के अनुसार राम शब्द का अर्थ पुत्र है. वहीं ब्राह्मण संहिताओं में रमन्ते सर्वत्र इति राम: यानी जो सभी जगहों पर रमा हुआ है, वह राम है. संस्कृत व्याकरण के अनुसार जो सुंदर व दर्शनीय है, वह राम है. हिंदी में राम का अर्थ जो आनंद देनेवाला हो. दशरथनंदन राम सहित चार भाइयों को चार पुरुषार्थ का प्रतीक बताया गया है. इसमें राम को मोक्ष, भरत को धर्म, लक्ष्मण को काम और शत्रुधन को अर्थ का पर्याय बताया गया है. राम का एक अर्थ र से रसातल यानी पाताल, अ से आकाश और म से मृत्युलोक यानी पृथ्वी. इस प्रकार जो धरती, आकाश और पाताल का स्वामी है, वह राम है. संस्कृत व्याकरण में रम धातु में णय् प्रत्यय के योग से राम बनता है. रम धातु का अर्थ रमण यानी निवास करना है. वे प्राणियों के हृदय में रमण करते हैं. इसलिए राम है.
शंकराचार्य ने अपने विष्णुस्हस्नाम में नित्यानंद स्वरूप जो है, वह राम है.

भारतीय लोकजीवन में कभी भी कहीं भी किसी पथिक से उसका नाम पूछ लीजिए- वह कहेगा, नाम तो श्री राम का. उसके बाद अपना नाम बताएगा. हमारा कोई ऐसा गांव नहीं होगा जहां राम नाम का कोई प्राणी न हो. दुख है तो राम है, सुख है तो राम है. जीवन है तो राम नाम ही सहारा है और मृत्यु है तो राम नाम ही सत्य है. राम के पहले माता सीता न हो तो राम भी अधूरे हैं. और सीता तो राम के बिना हो ही नहीं सकती है. इसलिए कहावत निकल पड़ी- सीताराम सीताराम सीताराम कहिये, जाही विधि रखे राम, ताही विधि रहिये. राम राम रटनेवाले का भला तो होता ही है, लेकिन जो उल्टा नाम जपता है, वह भी भवसागर से पार हो जाता है. सब ओर राम की ही लीला है.

राम से बड़ा राम का नाम

हिमकर श्याम
वरिष्ठ पत्रकार

जनमानस में राम गहरे रचे-बसे हैं. राम भारतीय लोक संस्कृति और साहित्य में सबसे लोकप्रिय चरित्र हैं. अनादि काल से ही राम कथा जन-मानस को आन्दोलित, उद्वेलित तथा आह्लादित करती आ रही है. राम कहना हमारी जिह्वा का स्वभाव है. प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान शिव भी जपते हैं. गांधी ने रामधुन को अपनी प्रार्थना सभा में प्रमुख स्थान दिया. तभी तो कहा जाता है, राम से बड़ा राम का नाम.

अभिवादन से अंतिम यात्रा तक

अभिवादन में राम-राम, जय राम जी की, जय सियाराम से लेकर अंतिम यात्रा में "राम नाम सत्य है" कहना राम नाम की महत्ता को दर्शाता है. दैनिक जीवन में हम राम शब्द का प्रयोग बार- बार करते हैं. जैसे राम-कहानी, राम-बाण, राम जाने, राम कसम, रामफल, आया राम-गया राम आदि. राम नाम को लड्डू, घी एवं मिश्री के समतुल्य बताया गया है. राम नाम लड्डू, गोपाल नाम घीव, हरि नाम मिसिरी, घोरि-घोरि पीव ! जब कोई काम कठिनाई से संपन्न होता है तो कहा जाता है कि राम राम करके यह काम पूरा हुआ. राम के प्रति अनुराग, उनकी सम्मोहिनी लीलाओं के प्रति आसक्ति. और उनकी गरिमा के प्रति निष्ठा लोक-जीवन का अंग हैं. पुत्र, भाई, पति, मित्र आदि के रूप में राम का कार्य-व्यहार आदर्श के रूप में इस कदर स्थापित हुआ कि सूदूर गांवों में भी मानस की चौपाइयों के ज़रिए सामाजिक विमर्श एक चलन बन गया. गांव-शहर में रामलीला की सुदीर्घ परंपरा रही है. कबीर, नानक या रैदास जैसे संतों के लिए राम दशरथ-नंदन नहीं हैं. कण-कण में मौजूद ब्रह्म हैं. तुलसीदास जी जब रामचरित मानस लिख रहे थे, तो उन्होंने एक चौपाई लिखी 'सिय राम मय सब जग जानी, करहु प्रणाम जोरी जुग पानी.' अर्थात पूरे संसार में श्री राम का निवास है.

सूक्तियों, लोकोक्तियों और लोकगीतों में तो राम शब्द की भरमार है. राम जनमानस के नायक हैं. कहा जाता है. बिना राम की इच्छा के कुछ भी हो पाना संभव नहीं है. होइहि सोइ जो राम रचि राखा. अर्थात जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा. श्रीरामचरितमानस के बालकांड की यह चौपाई मन को बड़ी तसल्ली देती है. वहीं तुलसी दास कवितावली में कहते हैं कि सबहिं नचावत राम गोसाईं अर्थात भगवान जिसको जैसा चाहते हैं वैसा ही नचाते हैं. एक लोकोक्ति है - राम की माया कहीं धूप कहीं छाया. यानी राम की माया है कि कहीं उजाला है कहीं अंधेरा. खेत में पक्षियों के चुगने पर कहा जाता है - रामजी के चिरईं रामजी के खेत/खा ले चिरइयां, भर भर पेट. राम के नाम पर छल कपट करनेवालों की भी कमी नहीं. ऐसे लोगों के लिए कहा गया है - मुंह में राम बगल में छुरी. एक और लोकोक्ति है - राम नाम जपना, पराया माल अपना; जिसका अर्थ है धर्म के आडम्बर करते हुए दूसरों की संपति को हड़पना. कबीर कहते हैं माया में तो मात्र वो फंसा जिसने माया को राम से भिन्न जाना. दुविधा में दोउ गये, माया मिली न राम.

निर्गुण तथा सगुण दोनों ही पक्ष

लोक में राम का निर्गुण तथा सगुण दोनों ही पक्ष वाला रूप प्रकट होता है. रामचरित मानस में कहा गया है - अगुनहिं सगुनहिं नहिं कुछ भेदा-गावहिं मुनि पुरान बुध वेदा. कबीर ने राम के दोनों रूपों का वर्णन किया. कबीर राम को कभी अपनी मां मान लेते हैं - हरि जननी मैं बालक तोरा...; तो कभी उन को पति मान कर वह कह उठते हैं - हरि मेरे पिउ मैं हरि की बहुरिया, राम बड़े मैं छुटुक लुहुरिया... कबीर जुलाहा थे. राम नाम लेते हुए कपड़ा बुनते थे. राम नाम कहीं न कहीं उन धागों के साथ बुन जाता है. कबीर यह भी कहते हैं – राम नाम रस भीनी, चदरीया झीनी रे झीनी... वह यह भी कहते हैं कि कस्तूरी कुंडलि बसै मृग ढूंढ़े बन माहि. ऐसे घटी घटी राम हैं दुनिया देखै नाहि. राम जगत व्यापी हैं. मनुष्य राम को धार्मिक स्थलों, अनुष्ठानों में ढूंढता रहता है जबकि वह स्वयं उसी के भीतर मौजूद हैं.

भोजपुरी व मैथिली गीतों में श्रीराम

भोजपुरी लोकगीतों में भी राम व्याप्त हैं. आहो रामा, चढ़ले चइतवा, राम जनमले हो रामा/घरे घरे बाजेला अनन बधइया हो रामा. पुत्र जन्म होते ही गांव-घर की महिलाएं सोहर गाने लगती हैं. सोहर राम नाम के बिना अधूरा है-जहि दिन राम जन्म ले ले, धरती आनंद भइल हो / ए ललना, बाजे लागल अवध बधाव महल उठे सोहर हो. एक लोकगीत में राम का मुकुट, लक्ष्मण का पटुका (दुपट्टा) और सीता की मांग का सिंदूर भींगने और राम के घर लौटने की चर्चा है -मोरे राम के भींजे मुकुटवा, लछुमन के पटुकवा/मोरी सीता के भींजे सेनुरवा कि राम घरे लवटहिं. इस गीत के माध्यम से न जाने कितनी कौसल्याओं का दर्द प्रकट होता है. लोकगीत की विधा चैता का प्रत्येक अन्तरा "हो रामा' से समाप्त होता है. मिथिला को भगवान राम के रूप में दामाद पाने का गौरव है. शादी-ब्याह में राम और सीता के विवाह से जुड़े गीत गाए जाते हैं. मिथिला में राम के साथ होली मनाने की परंपरा भी है- 'मिथिला में राम खेलथि होरी/ मिथिला में...'राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है..

राम शब्द लोक साहित्य का हिस्सा हैं. महर्षि वाल्मीकि कृत 'रामायण' व तुलसी कृत 'श्रीरामचरितमानस' सर्वोच्च कोटि के ग्रन्थ हैं. अध्यात्म रामायण, आनंद रामायण, कृत्तिवास रामायण, राम अवतार चरित, कुमुदेंदु रामायण, भावार्थ रामायण, आदि राम पर आधारितप्रमुख रचनाएं हैं. साकेत में मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं 'राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है, कोई कवि बन जाए सहज सम्भाव्य है.' निराला जैसा हिंदी का अप्रतिम कवि 'राम की शक्ति पूजा' के चरम पर राम के मुख से कहते हैं-आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर. 'संशय की रात' नरेश मेहता का खंड काव्य है जिसमें रावण से होनेवाले आसन्नं युद्ध को लेकर राम की दुविधाग्रस्त मनःस्थिति का चित्रण है. राम भारत ही नहीं विश्व चेतना के आधार हैं. रामकथा, रामायण पाठ, रामलीला देश ही नहीं विदेशों में भी रमा है. इंडोनेशिया, जापान, थाईलैंड, म्यांमार, कम्बोडिया, फिलीपिंस, मलेशिया, मंगोलिया आदि देशों में रामग्रन्थ मिलते हैं. राम भारत की साझा संस्कृति का अभिन्न अंग हैं. अल्लामा इकबाल कहते हैं 'है राम के वजूद पे हिन्दोस्तां को नाज, अहले नजर समझते हैं, उसको इमाम-ए-हिन्द.'

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

नेहरा में नवविहिता की गला दबाकर हत्या

दरभंगा । जिले के नेहरा सहायक थाने के पैठान कबई गांव में विवाहिता की हत्या कर दी गयी. स्थानीय लोगों से मिली सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके घर से लाश बरामद की. मृतका पैठान कबई गांव के ही मो. मुस्तफा की बेटी जमीमा परवीन उर्फ कंचन बतायी जाती है. उसकी शादी महज दो वर्ष पहले गांव के ही मो. गुलाब खान के बेटे इमरान खान से हुई थी. उसे करीब एक वर्ष की संतान भी है. नेहरा ओपी पुलिस ने उसके पति इमरान खान एवं श्वसुर गुलाब को गिरफ्तार कर लिया है.

गया में सड़क हादसे में दो भाईयों की मौत

गया । पटना-गया मुख्य सड़क मार्ग पर कंडी नवादा के पास सड़क हादसे में दो भाईयों की मौत हो गई. दोनों मृतक की पहचान बेलागंज थाना क्षेत्र के अग्नि गांव के रौशन कुमार और गौतम कुमार के रूप में की गई है. दोनों सगे भाई थे. बताया जाता है कि घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. वहीं, चालक हाइवा लेकर फरार हो गया. सड़क हादसा की सूचना पर चंदौती थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया. बताया जाता है कि दोनों भाई अपने घर से अग्नि से मानपुर गेरे जा रहे थे. इस दौरान हादसा हुआ.

पाठक से टकराना मंत्री को महंगा पड़ा: चौधरी

पटना । शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पद पर केके पाठक की वापसी के बाद शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर को विभाग से हटाए जाने पर जारी सियासत के बीच नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी का बयान आया. अशोक चौधरी की मानें तो केके पाठक से टकराना प्रोफेसर चंद्रशेखर को महंगा पड़ा. कहा कि शिक्षा मंत्री और एसीएस के बीच काफी दिनों से तनातनी चल रही थी. जिसका बुरा असर शिक्षा विभाग और सरकार की छवि पर पड़ रहा था. उसके बाद सरकार को निर्णय लेना पड़ा. कहा कि लालू यादव और तेजस्वी यादव ने भी इसके लिए सीएम को सलाह दी.

मिथिलावासियों के मन में है कसक : धिया सीता के नहि भेटल जीवनक सुख

अग्निपरीक्षा से गुजरने के बाद भी गर्भावस्था में वन गमन करना पड़ा

ज्ञानवर्द्धन मिश्र

श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर बिहार सहित पूरे देश में उत्सवी माहौल है. सुदूर गांव-देहात तक दीपावली की तैयारी है. जय श्रीराम के भगवा ध्वज से शहर-कस्बे पट चुके हैं. मिथिला का नजारा भिन्न है. यह माता जानकी का नैहर है, इसलिए मिथिला के लोग इस उत्सव से विशेष रूप से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं. मिथिला में घर-आंगन अरिपन से सजाए गए हैं और हर तरफ मंगलगीत गाए जा रहे हैं. लेकिन, इससे इतर कुछ ऐसे भी हैं, जिनके मन के कोने एक कसक जमी बैठी है, जो हर्ष के साथ विषाद भी है. इस उत्सवी माहौल में भी विषाद की कसक पिघल नहीं रही. खास कर मिथिला की कुछ महिलाओं को आज भी इस बात का दुःख है कि उनकी धिया सीता को कभी सुख नहीं मिला. वह हमेशा त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति ही बनीं रहीं. राजा दशरथ की बड़की पुतहु होने का कभी सुख हासिल नहीं हुआ.

विवाह के कुछ ही दिन बाद जंगल में दर-दर भटकना पड़ा. आततायी रावण द्वारा हरण किया गया और लंका में पति श्रीराम से दूर तपस्विनी की तरह रहकर तरह-तरह की यातनाएं झेलनी पड़ीं. यहीं नहीं रावण वध के बाद जब अयोध्या लौटीं और ऐसा लगा कि अब

सुखमय जीवन व्यतीत होगा, तब लांछन का शिकार होना पड़ा और अग्निपरीक्षा देनी पड़ी. यहीं नहीं, अग्निपरीक्षा से गुजरने के बाद भी गर्भावस्था में वन गमन करना पड़ा. वह तो ऋषि वाल्मीकि मिल गये और अपने आश्रम में बेटी की तरह रखा और लव-कुश का भरण-पोषण कर उत्तम शिक्षा-दीक्षा दी. नहीं, तो विधाता जाने क्या होता.... इन सबके बाद जब फिर प्रभु राम अपनाना चाहे, तो लोकलज्जा के लिए धरती मां की गोद में जाना पड़ा.

मिथिला के नर-नारी के सामने रामचरितमानस के सारे प्रसंग आज याद आ रहे हैं, जैसे ये घटनाएं कल की हों. बावजूद इसके विषाद की अंतर्वेदना पर हर्ष का माहौल भारी है. हर बिटिया की नैहर से ससुराल को भारी भरकम सौगात सनेसा भेजी जाती है. माता सीता जी के मायके मिथिला से मां जानकी का वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार, मखाना, भार के अलावा बिहार के प्रमुख मंदिरों से एकत्रित मिट्टी व जल अयोध्या भेजा गया है. यह कार्य कर दिखाया है केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने. जिसमें मुख्य रूप से उत्तरायण गंगा जल एवं मृतिका वशिष्ठेश्वर धाम, श्रृंगी ऋषि तपस्थल, कहलगांव, गंगा जल एवं मृतिका बाबा बुधेश्वरनाथ, गंगा जल एवं मृतिका बाबा मानस कामना महादेव, चंपानगर, गंगा जल एवं मृतिका बाबा अजगैबीनाथ महादेव, सुल्तानगंज, अंग जनपद, भागलपुर,शामिल हैं. इसी तरह ऋषि श्रृंगी कुंड जल एवं मृतिका, जलप्पा मंदिर, लखीसराय, मंदारपर्वत क्षेत्र, काशीविश्वनाथ पापहरणी जल मृतिका एवं बाबा मधुसूदन जलबोंसी, बांका, विष्णुपद मंदिर गया जी तीर्थ क्षेत्र, फल्गु नदीजल एवं मृतिका, गया, चंडिका स्थान, गंगा जल एवं मृतिका, कष्टहरनी घाट, मुंगेर, बिहार की मिट्टी व जल शामिल हैं.

ससुराल में विवाहिता की मौत, प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरपुर । दहेज के मामले में विवाहिता की हत्या कर दी गई. यह घटना जिले के गोसाई टोला गांव की है. जहां तीन महीने पहले प्रेम विवाह हुआ था. शादी में बाद बाइक नहीं देने पर ससुरालवालों ने विवाहिता की हत्या कर दी. इसके बाद शव को जला दिया. मृतका की पहचान रजनी कुमारी के रूप में हुई है. मृतका की मां उर्मिला देवी ने पारू थाने में दामाद श्रवन कुमार समेत 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. मृतका की मां ने पुलिस को बताया की उसकी बेटी रजनी से गोसाई टोला गांव नीवासी श्रवण कुमार ने प्रेम-प्रसंग कर शादी की थी. यह शादी अक्टूबर 2023 में गोसाई टोला के रहने वाले श्रवण कुमार से हुई थी. शादी के बाद ससुराल में उनकी बेटी को प्रताड़ित किया जाता था.

रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सांसद चिराग पासवान बोले

त्रेता युग का नया अध्याय शुरू होगा

संवाददाता । जमुई

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जमुई सांसद चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में काफी सक्रिय हैं. वे नीतीश सरकार पर लगातार हमलावर हैं. दरअसल वह अपने चाचा पशुपति पारस के संसदीय क्षेत्र हाजीपुर के पहेतिया में श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे.

यहां मीडिया कर्मियों ने उनसे शिक्षा मंत्री बदले जाने को लेकर सवाल किया गया. उसके जवाब में चिराग नीतीश कुमार पर हमलावर दिखे. इस दौरान उन्होंने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा है. उसमें शामिल होने अवश्य जाऊंगा और बड़ी ही भाग्यशाली हूं. विपक्ष के द्वारा राम मंदिर को मुद्दा बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस कलयुग में त्रेता युग का नया अध्याय शुरू होगा. वहीं रामचरित मानस को लेकर विवादित बयान देने वाले प्रो. चंद्रशेखर को शिक्षा मंत्री पद से हटाकर आलोक मेहता को शिक्षा मंत्री बनाया गया है. इसे लेकर हाजीपुर में चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि जिस तरीके से विवादित बयान देकर समाज में भेदभाव की भावना प्रकट कर रहे थे वह ठीक नहीं था. उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री की एक जिम्मेवारी होती है कि आने वाले समय में शिक्षा की नींव को इतना मजबूत करें कि जात, धर्म और मजहब से ऊपर उठकर, एकता का भाव लेकर अपने प्रदेश के लोगों को साथ लेकर चलने का वह कार्य करें. चिराग पासवान ने कहा लेकिन यह मंत्री महोदय ने जिस तरीके से एक भारी आबादी की भावना को भड़काने का काम किया है. समाज में भेदभाव की भावना को उत्पन्न करने का काम किया है. ऐसे में वैसे मंत्री पर पहले ही बड़ी कठोर कार्रवाई हो जानी चाहिए थी. लेकिन अब उन्हें शिक्षा मंत्री पद से हटाया गया है, जो इतनी देर में कार्रवाई होगी तो यह संदेश नहीं जा सकता है. वे निरंतरता में विवादित बयान देते आए हैं.

दरअसल राज्य सरकार के जिन तीन मंत्रियों के विभागों का उलटफेर या संशोधन हुआ, वह लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद के हैं. इनमें दो मंत्रियों को पहले के मुकाबले ज्यादा महत्व मिला है. आलोक मेहता राजद के मंत्रियों में सबसे ज्यादा शिक्षित और सभ्य माने जाते हैं. उन्हें शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है. निश्चित तौर पर बिहार में शिक्षा विभाग मिलना आज की तारीख में

किया कटाक्ष

- विपक्ष के द्वारा राम मंदिर को मुद्दा बनाया जा रहा है
- चंद्रशेखर को हटाकर शिक्षा मंत्री बनाए गए आलोक

सीएम नीतीश कुमार का शुक्रगुजार हूं: आलोक मेहता

शिक्षा मंत्री बनने के बाद आलोक मेहता ने कहा कि उन्हें आजतक जो भी जिम्मेवारी मिली है, कोशिश किया है कि उसका निर्वहन सही ढंग से हो. उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की जिम्मेवारी मिली है इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने हम पर भरोसा किया और इतनी बड़ी जिम्मेवारी देने का काम किया. उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि उनके मंत्री रहते हुए विभाग में शिक्षा की बेहतरी के लिए काम होंगे और पढ़ाई कर रहे बच्चों की सुविधाओं में इजाफा होगा. बिहार में पिछले दिनों लाखों शिक्षकों की बहाली हुई, जो एक क्रांतिकारी निर्णय था. बिहार ही नहीं बल्कि देश की जनता मान रही है कि बिहार में इतने बड़े पैमाने पर नौकरियां दी जा रही हैं. इसके लिए पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर समेत विभाग के अधिकारी बधाई के पात्र हैं.

प्रोन्नति है. ललित कुमार यादव के पास पीएचईडी की जिम्मेदारी पहले से थी, उन्हें बड़े विभाग राजस्व एवं भूमि सुधार की जिम्मेदारी दी गई है. यह भी प्रोन्नति ही कही जाएगी. दो महत्वपूर्ण विभाग इनके पास हैं अब. वहीं, प्रो. चंद्रशेखर को मंत्रिपद पर तो कायम रखा गया है, लेकिन उन्हें गन्ना उद्योग विभाग सौंप दिया गया है. माना जा रहा है कि चंद्रशेखर अपने विभागीय अपर मुख्य सचिव केके पाठक से झंझट कर फंस गए. सीएम इन्हें समझा भी चुके थे. नवंबर में शिक्षक नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में जिस तरह से नीतीश कुमार ने पाठक को महत्व दिया था, फिर भी चंद्रशेखर सहज नहीं हो सके थे. दोनों में टकराव या असहयोग की स्थिति कायम थी.

सीएम ने किया अस्पताल का उद्घाटन

संवाददाता । समस्तीपुर

सीएम नीतीश कुमार ने समस्तीपुर की जनता को श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज की बड़ी सौगात दी है. बताया जाता है कि श्रीराम जानकी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से युक्त है. मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय, वित्त और वाणिज्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के अलावा डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मौजूद थे.

दूसरी ओर बताया जा रहा है कि सोमवार को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का न्यौता सीएम नीतीश

कुमार को नहीं मिला है. जिसके चलते वो अयोध्या के कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं. वहीं सीएम ने राम जानकी के नाम पर बने अस्पताल का प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले उद्घाटन कर एक अलग संदेश देने की कोशिश की है. देश में एक मात्र मेडिकल कॉलेज है, जिसका नाम श्रीराम जानकी के नाम से रखा गया है. लोगों के लिए यह अस्पताल किसी वरदान से कम नहीं होगा. कॉलेज में मरीजों के इलाज व जांच की सुविधा को लेकर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा तैयारी शुरू कर दी गयी है.

विष्णुपद मंदिर सार्वजनिक न्यास है : हाईकोर्ट

गया । हाईकोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में गया स्थित विष्णुपद मंदिर को सार्वजनिक प्रकृति का धार्मिक न्यास करार दिया है. कहा किया कि हजारों साल पुराने विष्णुपद मंदिर व उसके आसपास का तीर्थ स्थल, जिसे गया क्षेत्र कहा जाता है. वहां अति प्राचीन काल से हिंदू धर्मावलंबी अपने पितरों के मोक्ष के लिए आते रहे हैं. इससे इस मंदिर और तीर्थ का आध्यात्मिक लाभ जनसामान्य को ही मिलता है न कि सिर्फ वहां के रहने वाले पंडे और पुजारियों को. कोर्ट ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में मंदिर एक सार्वजनिक न्यास है न कि किसी का निजी न्यास.

नीतू नवगीत को मिला लीजेंड ऑफ बिहार का अवार्ड

संवाददाता । पटना

बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका और जहानाबाद जिले के शकुराबाद की रहने वाली डॉ नीतू नवगीत को लीजेंड ऑफ बिहार अवार्ड से सम्मानित किया गया है. पटना के होटल चाणक्य में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में बिहार के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, भवन निर्माण मंत्री अशोक कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और खाद्य आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह ने

नीतू कुमारी नवगीत को पुरस्कृत किया. नीतू कुमारी नवगीत ने लोक गायन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है.

कारोबार

जीजेईपीसी बजट में हो हीरों पर शुल्क में कटौती

मुंबई । आम बजट से पहले रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार से सोने और कटे व पॉलिश हीरे (सीपीडी) पर आयात शुल्क कम करने का आग्रह किया है ताकि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सके. भारत का रत्न और आभूषण उद्योग सोने, हीरे, चांदी और रंगीन रत्नों सहित कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर है. जीजेईपीसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क को मौजूदा 15 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करने की मांग कर रही है.

देश का बीते साल वस्तु एवं सेवा निर्यात 0.4% बढ़ा

नयी दिल्ली । वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद बीते साल (2023 में) देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात मामूली 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 765.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है. वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. भारत के निर्यात को इलेक्ट्रॉनिक, दवा, सूती धागा, कपड़े और सिरेमिक उत्पाद, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पाद, फल और सब्जियां और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से मदद मिली है.

राज्यों की कर्ज गारंटी हुई 9.4 लाख करोड़

मुंबई । देश के 17 प्रमुख राज्यों द्वारा अपनी इकाइयों को दी गई कुल ऋण गारंटी वित्त वर्ष 2022-23 तक तीन गुना से अधिक होकर 9.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है. यह वित्त वर्ष 2016-17 में तीन लाख करोड़ रुपये थी. हालांकि, गारंटियां आकस्मिक देनदारियां हैं. ये राज्यों के राजकोषीय तंत्र के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकती हैं. ऐसे में राज्यों को एक मजबूत गारंटी निगरानी की जरूरत होती है, ताकि उनकी वित्तीय प्रणाली कुल मिलाकर जुझारू बनी रहे. राज्य अक्सर अपने विभिन्न उद्यमों, सहकारी संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों की ओर से अपने ऋणदाताओं के पक्ष में गारंटी देते हैं और जारी करते हैं जो आमतौर पर बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान होते हैं.

रिसोर्ट बनाकर किराए पर देने वाली कंपनी प्रवेग का शेयर एक महीने में 63% बढ़ चुका है

आस्था के केंद्र में निवेश का अवसर

भाषा । नयी दिल्ली

अयोध्या एक तरफ राम भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है तो दूसरी ओर कारोबारियों के लिए भी निवेश का बड़ा केंद्र है. इसके पीछे बड़ी वजह जमीन की अचानक आसमान छूती कीमतें हैं. इसके संकेत भी मिलने लगे हैं. कई रियल एस्टेट प्लेयर्स के अनुसार अयोध्या में जमीन की कीमतें 5 साल पहले की कीमतों से 5 से 10 गुना तक बढ़ गई हैं. यह तो बस शुरुआत है. राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में 3 से 4 लाख टूरिस्ट हर दिन पहुंचने की उम्मीद है. जैसे-जैसे यहां टूरिस्ट बढ़ेंगे वैसे-वैसे टाउनशिप और होटल्स भी बढ़ेंगे. इससे रियल एस्टेट कीमतों में और ज्यादा तेजी आने की उम्मीद है. साथ ही रियल एस्टेट के साथ इससे जुड़े शेयरों में भी तेजी है.

टेंट सिटी होटल और रिसोर्ट बनाकर किराए पर देने वाली कंपनी प्रवेग का शेयर बीते एक महीने में 63% बढ़ चुका है. वहीं अयोध्या में मल्टी लेवल पार्किंग बना रही हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट बेस्ड कंपनी अपोलो सिंदूरी होटल्स का शेयर 47% से ज्यादा चढ़ चुका है. इसके अलावा आईआरसीटीसी के शेयर में भी करीब 20% की तेजी आई है.

बढ़ेगा निवेश

- अयोध्या में जमीन की कीमतें 10 गुना तक बढ़ गईं
- अपोलो होटल्स का शेयर 47% से ज्यादा चढ़ चुका है
- आईआरसीटीसी के शेयरों में 20% की तेजी आई है

शेयर के जानकारों का कहना है कि ऐसे में यहां अयोध्या के इन्वेस्टमेंट थीम के तौर पर उभरने के साथ निवेश के कई ऑप्शन हैं, जहां निवेश पर लाभ की उम्मीद की जा सकती है. देखा जाय तो अयोध्या में इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में काम कर रही कंपनियों में निवेश बढ़ा है. इन कंपनियों के शेयर के भाव तेजी से बढ़ रहे हैं. प्रवेग से लेकर आईआरसीटीसी के शेयरों ने बीते एक महीने में अच्छा खासा रिटर्न दिया है. वहीं अपोलो सिंदूरी होटल्स एक हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट बेस्ड कंपनी है, जो अयोध्या में मल्टी लेवल पार्किंग फैसिलिटी बना रही है. एक महीने में इसका शेयर 47% से ज्यादा चढ़ा है. अभी इसका भाव 2285 रुपये है. इसी तरह प्रवेग लिमिटेड कंपनी देश के टूरिस्ट प्लेसेस पर टेंट सिटी होटल और रिसोर्ट बनाकर किराए पर देती है. अयोध्या में भी प्रवेग लिमिटेड टेंट सिटी बना रही है. पिछले एक महीने में इसका शेयर 63% के करीब बढ़ चुका है. जिसके प्रति निवेशकों का झुकाव बढ़ रहा है.

वहीं जेनेसिस इंटरनेशनल मैपिंग टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर है. यह कंपनी अयोध्या के ऑफिशियल मैप की मैपिंग का काम कर रही है. पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 17% से ज्यादा चढ़ा है. इसी तरह आईआरसीटीसी अयोध्या में 2024 में 3 करोड़ टूरिस्ट पहुंचने की संभावनाओं के चलते ट्रेन टिकट बुक करने वाली कंपनी के शेयर में भी तेजी रही है. पिछले एक महीने में ये 21% बढ़े हैं. इंडियन होटल्स ने अयोध्या में विवांता और जिंजर ब्रांड के तहत दो ग्रीनफील्ड होटलों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इसका शेयर बीते एक महीने में 12% से ज्यादा चढ़ा है. जहां तक रियल एस्टेट की बात है तो बताया जाता है कि बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सेरेमनी से पहले 14.5 करोड़ रुपये का प्लॉट खरीदा है. ऐसी ही कई और सेलिब्रिटीज हैं जिन्होंने अयोध्या में प्रॉपर्टी में निवेश किया है. इससे साफ है कि अयोध्या एक नई इन्वेस्टमेंट थीम बनकर उभरी है. एनारॉक की रिपोर्ट के अनुसार शहर के बाहरी क्षेत्र जैसे फैजाबाद रोड पर 4 साल पहले जमीन के रेट 400 रुपये वर्ग फीट थे. वहीं अक्टूबर 2023 तक उनका भाव 3000 रुपए वर्ग फीट तक पहुंचा है.

पश्चिम एशिया में अधिकतर श्रमिक यूपी से

भाषा । मुंबई

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में निर्माण उद्योग में काम करने वाले भारत के ज्यादातर श्रमिक या मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और तमिलनाडु से हैं. एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है. प्रवासी श्रमिकों को उद्यमों से जोड़ने वाले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित मंच 'हंटर' के आंकड़ों के अनुसार, भारत से जीसीसी देशों में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और तमिलनाडु के सबसे अधिक मजदूर हैं.

रिपोर्ट में कहा गया कि चिनाई, बढ़ई, प्लंबिंग, बिजली का काम और वेल्डिंग जैसे निर्माण कौशल में दक्षता रखने वाले और निर्माण परियोजनाओं में पूर्व अनुभव रखने वाले श्रमिकों की जीसीसी देशों में काफी मांग है. रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) से प्रमाणन और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है.

थोड़ी बहुत भी अंग्रेजी बोलने वालों और विभिन्न कामकाजी परिस्थितियों तथा संस्कृतियों में खुद को ढालने वाले श्रमिकों को भी निर्माण क्षेत्र द्वारा महत्व दिया जाता है. यह रिपोर्ट 'हंटर' मंच पर मौजूद आंकड़ों पर आधारित एक विश्लेषण है. इस बीच, हंटर के आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में निर्माण उद्योग में काम करने वाले भारत के ये श्रमिक 20-40 वर्ष आयु वर्ग के हैं और ज्यादातर पुरुष हैं. हंटर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैमुअल जॉय ने कहा कि भारत के अलावा नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, युगांडा, केन्या, घाना और सिएरा लियोन जैसे देशों के श्रमिक पश्चिम एशिया के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं. कहा कि हाल के वर्षों में स्थिर वेतन परिदृश्य के बावजूद मांग में मौजूद उछाल मजदूरी में संभावित वृद्धि का संकेत देता है.

डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान निकाय में आम सहमति कठिन

भाषा । नयी दिल्ली

डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों के बीच वैश्विक व्यापार निकाय की विवाद निपटान प्रणाली में सुधार पर अगले महीने आम सहमति बनने की उम्मीद नहीं है क्योंकि विकसित तथा विकासशील देशों के बीच इस मुद्दे पर व्यापक मतभेद हैं. जीटीआरआई की एक रिपोर्ट में रविवार को यह बात कही गई है. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार मंत्री विवाद निपटान तंत्र में सुधार, कृषि संबंधी मामलों तथा सीमा शुल्क पर रोक, ई-कॉमर्स व्यापार पर शुल्क जैसे विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) के लिए फरवरी में अबू धाबी में एकत्रित होंगे. डब्ल्यूटीओ के 164 देश सदस्य हैं. आजीटीआरआई के अनुसार विवाद निपटान प्रणाली में सुधार पर आम सहमति तक पहुंचना मुश्किल है.

केंट आरओ सिस्टम्स अब अमेरिकी बाजार में उतरेगी

नयी दिल्ली । वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली घरेलू कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स का इरादा अगले वित्त वर्ष में अमेरिकी बाजार में उतरने का है. कंपनी ने अगले तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए वह अपने उपकरण पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है. कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक महेश गुप्ता ने यह जानकारी दी. कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने पिछले तीन साल में विस्तार पर 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है.

कारों में सीएनजी प्रौद्योगिकियां उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं

शून्य उत्सर्जन कारें वायु प्रदूषण घटाने में मददगार : चंद्रा

भाषा । नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा का मानना है कि केवल शून्य उत्सर्जन वाली कारें ही वायु प्रदूषण में कमी लाने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती हैं. उद्योग के एक वर्ग द्वारा हाइब्रिड कारों पर लगाए गए करों में कटौती की मांग के बीच चंद्रा ने कहा कि ऐसे वाहन शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने, वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार और जीवाश्म ईंधन आयात को कम करने के प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ मेल नहीं खाते हैं.

उन्होंने कहा कि कारों में हाइब्रिड

और सीएनजी प्रौद्योगिकियां ईंधन दक्षता में सुधार करने और उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं, लेकिन इसकी तुलना शुद्ध बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से नहीं की जा सकती. चंद्रा ने कहा कि सरकार पहले से ही कम कराधान के जरिये हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है और इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के समान लाने की कोई जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कारों की तुलना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से नहीं की जा सकती क्योंकि वे अनिवार्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले 'जीवाश्म ईंधन' पर चलती हैं. चंद्रा ने कहा कि ईवी की तुलना में हाइब्रिड को 'अनावश्यक दर्जा' देने पर जोर दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार हालांकि ईवी को समर्थन देने के मामले में बहुत सहयोगी और दृढ़ रही है. देश में

बोले एमडी

- सरकार पहले से ही हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है
- हाइब्रिड कारों की तुलना ईवी से नहीं की जा सकती

हाइब्रिड वाहनों पर कुल कर 43 प्रतिशत है, जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है. वहीं बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगभग पांच प्रतिशत कर लगता है. टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी घरेलू वाहन कंपनियां बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जबकि टोयोटा, सुजुकी और होंडा जैसे जापानी वाहन विनिर्माता घरेलू बाजार में हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर दांव लगा रहे हैं. चंद्रा ने कहा कि हाइब्रिड वास्तव में एक जीवाश्म ईंधन वाहन है जिसे ईवी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है क्योंकि यह एक मोटर और एक छोटे बैटरी पैक का उपयोग करती है. मूलतः यह ऊर्जा स्रोत के रूप में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती है.

पिस्कानगड़ी में हैवेल्स गैलेक्सी का भव्य शुभारंभ

संवाददाता । रांची

इलेक्ट्रिकल्स प्रोडक्ट के अग्रणी ब्रांड हैवेल्स के एक्सक्लूसिव शोरूम हैवेल्स गैलक्सी का भव्य शुभारंभ पिस्का नगड़ी में रविवार को किया गया. टिकाटोली, रिलायंस पेट्रोल पंप के नजदीक स्थित इस हैवेल्स गैलेक्सी का विधिवत उद्घाटन झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने फीता काट कर किया. इस मौके पर संस्थान के प्रबंधक राज कुमार गुप्ता, विकास कुमार, हैवेल्स के ब्रांच हेड सुशांतो कुमार नंदा, वरिष्ठ समाजसेवी कन्हैया सिंह, नंद किशोर मेहता, चंद्रशेखर गुप्ता, प्रेम मित्तल, केदार महतो, विजय महतो सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे. प्रबंधक ने बताया कि हैवेल्स के उत्पाद अपने आकर्षक डिजाइन, बेहतर क्वालिटी, अफोर्डेबल प्राइस के लिए जाना जाता है.

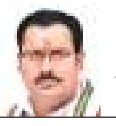

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से समय अच्छा है. आत्मबल में वृद्धि होगी. भाई बहन के सहयोग का समय है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृषभ कोई नया कार्य करने का योग है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन मानसिक सुख मिलेगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा. अपनों से विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. अन्न जल का दान करें.

सिंह यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. किसी से कोई बहस से बचें साथ ही प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी.

कन्या पिता से लाभ होगा. कार्य में सफल रहेगा, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आपके कार्य के प्रभाव से आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. जल दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. व्यापार से अच्छा लाभ का योग है. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा.

धनु समय उत्तम है. अपनों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर मौसमी रोग से कुछ परेशानी हो सकती है. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. अन्न दान करें.

कुंभ संतान के कार्य पर ध्यान दें. परीक्षा का सुंदर परिणाम होगा. पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. मंदिर में दर्शन पूजन करें.

मीन किसी से बेकार की बहस हो सकती है. माता को कष्ट होगा. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी.

‘एसआईपी प्रोडिजी 2024’ में बच्चों का हुनर देख दंग रह गये लोग

संवाददाता। रांची

एसआईपी एकेडमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने रविवार को अखिल झारखंड राज्य ''एसआईपी प्रोडिजी 2024'' का खेलगांव के टाना भगत स्टेडियम में सफल आयोजन किया. इसमें रांची, जमशेदपुर, रामगढ़, हजारीबाग, झुमरी तिलैया, बोकारो, चास, धनबाद, डालटनगंज, चक्रधरपुर, खूंटी, देवघर, मधुपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 एसआईपी लर्निंग सेंटरों से पहुंचे 2,050 प्रतिभागियों ने अबेकस के मानसिक अंकगणितीय प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रतिभागियों के कैलकुलेशन को देखकर सभी दंग रह गये. राज्य के विभिन्न जिलों से आये बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया. इसमें चैंपियन, फर्स्ट रनरअप, सेंकेंड रनरअप, थर्ड रनरअप को सेलेक्ट किया गया.

- 75 लर्निंग सेंटरों के 2,050 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा
- पांच मिनट की अवधि में किये 150 से 300 अर्थमैटिक सॉल्व

एसआईपी अबेकस का यह है 19 वां साल

एसआईपी एकेडमी इंडिया के प्रबंध निदेशक दिनेश विक्टर ने इस आयोजन पर खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा कि देखकर खुशी हो रही है कि एसआईपी अबेकस के कई पूर्व छात्र शिक्षा और करियर में बहुत अच्छा कर रहे हैं. इस मौके पर स्टेट हेड इकबाल सिंह होरा ने बताया कि एसआईपी अबेकस का यह 19वां साल है, जिसमें 75 सेंटर से 2050 बच्चों ने भाग लिया. इस मंच से आज बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई. इस आयोजन से सभी के पैरेंट्स भी काफी खुश हैं. इसमें सभी शिक्षकों और पैरेंट्स के साथ-साथ बच्चों की मेहनत झलक रही है. उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया.

क्लास वन से सेवन तक के बच्चों के हुनर को पहचानें

आज मोबाइल व टेलीविजन की वजह से बच्चे पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं. एसआईपी के बच्चों से अगर मिलेंगे तो उनको मैथ्स सबसे इजी विषय लगेगा. यह हम अपने ट्रेनिंग के माध्यम से बच्चों को सिखाते हैं. उन्होंने सभी माता-पिता से अपील करते हुए कहा कि क्लास वन से 7 तक के बच्चे के हुनर को पहचानें. वह सही मार्गदर्शन में अपने हुनर का इस्तेमाल कर इसमें बहुत कुछ कर सकते हैं. इस प्रतियोगिता में झारखंड अबेकस के कुल 11500 बच्चों में से 2050 चुन्निदा बच्चों ने भाग लिया. जिनमें से कुल 16 चैंपियन और 434 बच्चे विजेता रहे. जिन्हें प्रतियोगिता के बाद सम्मानित किया गया. इस प्रतियोगियों में पांच मिनट में बच्चों ने सौ से दो सौ तक गणित के सवाल हल किये. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक एसआईपी अकादमी इंडिया एंड इंटरनेशनल सीबी शेखर, क्षेत्रीय प्रबंधक शुभजीत मलिक, प्रमुख फ्रेंचाइजी और कौशल विकास संजीव मेनन, प्रबंधक उत्पाद अरुण रामचंद्रन मौजूद रहे.

जानिए सोशेबल इंटेलेक्चुअल प्रोग्रेसिव एकेडमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बारे में

एसआईपी (सोशेबल इंटेलेक्चुअल प्रोग्रेसिव) अकादमी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बच्चों के लिए एक कौशल विकास संगठन है, जिसका मुख्यालय चेन्नई में है. एसआईपी अकादमी भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम वर्षों के शोध और परीक्षण के बाद विकसित किए गए हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित है. ये कार्यक्रम बच्चों में विभिन्न कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं. 6-12 वर्ष के बच्चों के लिए खुला कार्यक्रम है. जिसमें ब्रेन जिम अभ्यास के साथ अबेकस सिखाया जाता है. इसे मानसिक अंकगणित के रूप में जाना जाता है, जो बच्चे की मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाता है. SIP प्रोग्राम दुनियाभर के 14 देशों में 800 से अधिक केंद्रों पर उपलब्ध है. वर्तमान में इस एकेडमी में 1,10,000 छात्र हैं. एसआईपी एकेडमी इंडिया दुनिया की इकलौती अबेकस कंपनी है, जो बच्चे के मानसिक गणनात्मक कौशल में 5 गुना सुधार की गारंटी देती है. यह आईएसओ 9001: 2008 प्रमाणित संगठन है.एसआईपी अकादमी इंडिया जनवरी 2002 से भारत में कार्यक्रम आयोजित कर रही है.

बनायी गयी सबसे बड़ी रंगोली, निकाली भव्य शोभायात्रा

बिरला मंदिर में भव्य प्रतिमा स्थापित

संवाददाता | जमशेदपुर

गोलमुरी केबुल टाउन के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में विश्व की अब तक की सबसे बड़ी रंगोली बनकर तैयार हो गई है. इसे आदित्यपुर के कलाकार विवेक मिश्रा ने अकेले अपनी मेहनत से बनाया है. रंगोली का क्षेत्रफल 18,500 वर्गफीट से ज्यादा है. जिसकी लंबाई 165 फीट है और चौड़ाई 125 फीट है. इसे बनाने में करीब तीन टन रंगोली की खपत हुइ है. रंगोली बनाने के लिए स्थान का समतलीकरण, उस पर हरे रंग की कार्पेट एवं वर्षा से बचाने के लिए प्लास्टिक तथा विभिन्न रंगों की तीन टन रंगोली एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था आदि श्री लक्ष्मी नारायण जीर्णोद्धार समिति के संयोजक एवं पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय द्वारा की गई है. सोमवार को 11 बजे दिन मे इसका विधिवत उद्घाटन होगा.

कार्यक्रम में ये थे उपस्थित : कार्यक्रम में आशुतोष राय, अमित चौधरी, युके शर्मा, हरेराम सिंह, असीम पाठक, अनिकेत सावरकर, सुधीर सिंह शुशील खड़का, मनोज सिंह उज्जैन, कुलविंदर सिंह पन्नु, चंद्रशेखर राव आदि उपस्थित थे.

गाजे बाजे के साथ मंदिर में लाई गई भगवान की प्रतिमा

इसके अतिरिक्त देव विग्रह विहीन इस निर्माणाधीन मंदिर में श्री लक्ष्मी नारायण की नौ फीट ऊंची अभिमंत्रित प्रतिमा स्थापित होगी और साथ ही पूजा अर्चना आरम्भ होगी. प्रतिमा रविवार को मंदिर के भीतर उचित स्थान पर स्थापित कर दी गई है. इसके लिए गोलमुरी टीनप्लेट चौक से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा निकाली गई. जिसमें भगवा ध्वज, पताका लहराते हुए गाजे बाजे के साथ लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर में प्रतिमा लाया गयी. शोभा यात्रा में समाजसेवी अशोक भालोटिया, अशोक गोयल, रामाश्रय प्रसाद आदि शामिल थे.

विभिन्न कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह के निर्माण का कार्य भी कल 22 जनवरी से शुरू होगा. गर्भ गृह में शीघ्र ही विधि विधान के अनुरूप श्री लक्ष्मी नारायण के विग्रह की स्थापना अगले राम नवमी तक करने का लक्ष्य है. श्री श्री स्वामी लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर में 22 जनवरी को 11 बजे विश्व की सबसे बड़ी 18,500 वर्गफीट की रंगोली का उद्घाटन होगा. 12 बजे श्री लक्ष्मी नारायण की स्थापित मृतिका प्रतिमा का अनावरण होगा. 12.30 बजे श्री लक्ष्मी नारायण गर्भ गृह निर्माण का कार्य आरम्भ होने के बाद भजन संध्या होगी.

उमरा कर रांची एयरपोर्ट पहुंचा 90 लोगों का जत्था

रांची। मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ग्रुप गिरिडीह पिछले 13 वर्षो से हज उमराह करा रही है. रविवार को 90 जायरीन उमराह कर जद्दा से रांची बाई फ्लाइट पहुंचे. मौके पर ट्रेवल्स ग्रुप के मौलाना इलियास मजाहिरी ने कहा कि आज 90 लोगों का जत्था उमरा कर रांची लौटा. मौलाना ने कहा कि मुझे काम करने पर यकीन है, अल्लाह पाक जिससे चाहता है काम लेता है. उन्होंने कहा कि सभी जायरीन बहुत खुश है, सभी जायरिनों ने मदीना टूर एंड ट्रेवल्स की व्यवस्था को सराहा. मौलाना इलियास ने कहा कि मेरा यह काम करने का मकसद झारखंड के मुसलमानो के खिदमते खल्क करना है, मक्का में 500 मीटर की दूरी पर और मदीना में 600 मीटर की दूरी पर ठहराया गया। और सभी जायरीन को मक्का और मदीना की सभी जगह की जियारत कराई गई. मक्का और मदीना में भारतीय भोजन की व्यवस्था है, यह जत्था मौलाना जौहर मजाहिरी के नेतृत्व में वापस हुई. वहीं मौलाना मो जौहर मजाहिरी ने कहा कि इसी माह 24 जनवरी को रांची से फ्लाइट के द्वारा 45 जायरीन का जत्था मौलाना इलियास मजाहिरी के नेतृत्व में जायेगा.

रजक समाज बाघमारा विधानसभा का हुआ गठन

बिनोद कुमार रजक बनाये गये अध्यक्ष और सुरेश रजक सचिव

संवाददाता। कतरास

रविवार को कतरास बाजार स्थित लिलौर स्थान मंदिर के पुराने पार्क में रजक समाज बाघमारा विधानसभा की एक बैठक बिनोद कुमार रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सभी रजक परिवार को एक मंच पर लाने के लिए आम सहमति बनी और इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया.

इसके बाद सर्वसम्मति से रजक समाज बाघमारा विधानसभा कमेटी का गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष बिनोद कुमार रजक, उपाध्यक्ष रिंटू रजक मलकेरा उत्तर मुखिया प्रतिनिधि उपाध्यक्ष विनोद कुमार रजक मुखिया दक्षिण पंचायत मलकेरा सचिव सुरेश रजक केसरगढ़ा पंचायत समिति सदस्य सह सचिव तोताराम रजकसह सचिव लखन कुमार रजक केसर गढा, कोषाध्यक्ष गुरुदेव प्रसाद रजक सह कोषाध्यक्ष संजय रजक सोनारडीह को सर्वसम्मति से बनाया गया. इसके अलावा 11 कार्यकारिणी समिति के सदस्य चुने गए. जिसमें मुख्य रूप से लीलावती देवी मलकेरा, राधा देवी माटीगढा मंगरु रजक जमुआटांड, विनोद रजक मालकेरा लक्ष्मण रजक, डब्लू रजक कतरास, सागर रजक केसर गड़ा, बालेश्वर रजक मालकेरा, महादेव रजक मालकेरा को सर्वसम्मति से चुना गया. बैठक में मुख्य रूप से विवेक कुमार रजक संजय कुमार रजक सुरेश रजक बालेश्वर रजक प्रशांत रजक राधा देवी वीरेंद्र रजक रमेश रजक अमित रजक तोताराम रजक आदि मौजूद थे. धन्यवाद ज्ञापन विनोद कुमार रजक ने किया, एवं बैठक का संचालन सुरेश कुमार रजक ने किया.

खास बातें

- सभी रजक परिवारों को एक मंच पर लाने के लिए सहमति
- लिलौर स्थान मंदिर के पुराने पार्क में आयोजित हुई बैठक

आॅस्ट्रेलियाई ओपन : एड्रियन मानारिनो को हराकर नोवाक जोकोविच क्वार्टर फाइनल में

जोकोविच ने रोजर फेडरर के ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की

भाषा । मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां एड्रियन मानारिनो पर 6-0, 6-0, 6-3 की जीत से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया और रोजर फेडरर के सर्वकालिक ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की. 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच ने एक घंटे 44 मिनट में मिली जीत के दौरान 31 विनर जमाये और मेजर में 58वीं बार अंतिम आठ में प्रवेश कर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की. जोकोविच 14वीं दफा ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे और उनकी निगाहें 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब पर लगी हैं. अब उनका सामना 12वें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा. फ्रिट्ज पिछले साल यहां उप विजेता रहे स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6 (3), 5-7, 6-3, 6-3 की जीत से पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे.

58 वीं बार ग्रैंडस्लैम के अंतिम आठ में पहुंचे नोवाक जोकोविच

14 वीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच

- एकतरफा मुकाबले में 6-0, 6-0, 6-3 से जीते जोकोविच
- क्वार्टर फाइनल में टेलर फ्रिट्ज से भिड़ेंगे जोकोविच

गॉफ व सबालेंका क्वार्टर फाइनल में

कोको गॉफ

आर्यना सबालेंका

महिलाओं के वर्ग में गत चैंपियन आर्यना सबालेंका और अमेरिकी ओपन विजेता कोको गॉफ ने शानदार जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया. दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था. उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-2 से हराया. उनका सामना 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और नौवें नंबर की खिलाड़ी बारबोरा क्रेजसिकोवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा. सितंबर में अमेरिकी ओपन में पहला मेजर जीतने वाली गॉफ ने मागडालेना फ्रेच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगी जिन्होंने मारिया टोमाफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मेजर के अंतिम आठ में जगह बनायी.

ब्रीफ खबरें

'बैजबॉल के सामने हमारे पास है विराटबॉल'

नयी दिल्ली । भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है. इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है. गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा कि विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है.

यूथ खेल के तकनीकी अधिकारी बने भुपेंद्र

रांची। तमिलनाडु में होने वाले यूथ राष्ट्रीय खेल के लिए तकनीकी अधिकारी के रुप में भुपेंद्र कुमार तिवारी को आमंत्रित किया गया है, इस उपलब्धि पर झारखंड तैराकी संघ की अध्यक्षा बरखा सिन्हा, चेयरमैन राम बालक सिंह, वरीय उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार तिवारी, अर्चित आंनद शैलेश सहाय, सचिव उपेंद्र कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष अमर सिंह, सुरजीत सिंह मक्कड़, राकेश पाठक, राजेश यादव, रंधीर कुमार, श्रवण जालान, आतीस सिंह के साथ संघ के सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी.

कबड्डी लीग के लिए 96 खिलाड़ी चयनित

रांची । झारखंड कबड्डी प्रीमियर लीग का ट्रायल बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराहाबादी के कबड्डी ग्राउंड में संपन्न हुआ. इस ट्रायल में झारखंड के सभी जिलों और ओडिशा, यूपी, बिहार, वेस्ट बंगाल से 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया. जिसमें 96 खिलाड़ियों का चयन किया गया. इस प्रतियोगिता का उद्घाटन कुणाल आजवानी, मुनचुन राय, संजय झा, डॉ राजेश गुप्ता, मोनू शुक्ला समेत एसोसिएशन के लोग व खेल प्रेमी मौजूद थे.

इंडिया ओपन के फाइनल में हारी सात्विक-चिराग की जोड़ी

कैंग-सियो बने चैंपियन

- पहला सेट जीतने का बावजूद भारतीय जोड़ी हारी
- 21-15, 11-21, 18-21 से जीती कैंग और सियो की जोड़ी

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की दक्षिण कोरिया की विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद हार के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा. सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे यह जोड़ी दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीतने में सफल रही.विश्व चैंपियन कैंग और सियो के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने के बाद भारतीय जोड़ी ने लय गंवा दी और लगातार सहज गलतियां की जिसका खामियाजा मेजबान देश की जोड़ी को खिताब गंवाकर चुकाना पड़ा.भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली.

सात्विक और चिराग ने पहले तीन अंक शटल को नेट के पार कराने में नाकाम रहने के कारण गंवाए. सात्विक में शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले. खेल की गति काफी तेज थी इसलिए गलती की गुंजाइश भी काफी कम थी. सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे. ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बरकरार रखते हुए इसे 18-13 किया. चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम प्वाइंट हासिल किए.

दूसरे गेम ने कोरिया दबदबा

दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई. चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक जुटाकर स्कोर 4-6 किया. सात्विक और चिराग ने इस बीच कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे कैंग और सियो ब्रेक तक 11-5 की मजबूत बढ़त बनाने में सफल रहे. सात्विक और चिराग गलतियों पर अंकुश नहीं लगा पा रहे थे और कोरिया की जोड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 16-5 किया और फिर आसानी से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया.

रोमांचक रहा तीसरा गेम

तीसरे गेम काफी रोमांचक रहा. सात्विक व चिराग ने लगातार सहज गलतियां की जिससे कैंग और सियो ने 6-3 की बढ़त बनाई. सात्विक और चिराग ने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जबकि विरोधी जोड़ी को नेट से पीछे भी नहीं धकेल पाए. कोरियाई जोड़ी ब्रेक तक 11-6 से आगे रही. भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए स्कोर 10-12 किया लेकिन कोरिया की जोड़ी लगातार अंक जुटाकर बढ़त बरकरार रखने में सफल रही.

पुरुष वर्ग में शी युकी व महिला वर्ग में ताइ जू ने जीता खिताब

चीन के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी और चीनी ताइपे की दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ताइ जू यिंग ने रविवार को यहां फाइनल में सीधे गेम में जीत के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंट टूर्नामेंट का क्रमश: पुरुष और महिला एकल का खिताब जीता. वर्ष 2018 के चैंपियन युकी ने कड़े फाइनल में हांगकांग के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू को 54 मिनट में 23-21, 21-17 से हराकर दूसरी बार इंडिया ओपन जीता. ताइ जू को हालांकि चीन की ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चेन यू फेई को सीधे गेम में हराने के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा. तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चौथी वरीय ताइ जू ने दूसरी वरीय यू फेई को 41 मिनट में 21-16, 21-12 से हराकर खिताब अपने नाम किया. टूर्नामेंट में ताइ जू यिंग के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी गेम नहीं गंवाया.

पांचवें टी-20 में 42 रनों से हारा न्यूजीलैंड

क्लीन स्वीप से बचा पाकिस्तान

- न्यूजीलैंड की टीम ने 4-1 से श्रृंखला जीती
- इफ्तिखार ने 11 रन देकर तीन विकेट चटकाए

भाषा । क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड)

पाकिस्तान रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 42 रन से हराकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप होने से बच गया. पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 134 रन बनाये. यह श्रृंखला में मेहमान टीम का न्यूनतम स्कोर था, इससे पहले टीम ने पिछले चार टी-20 में 180, 173, सात विकेट पर 179 और पांच विकेट पर 158 रन बनाये थे. लेकिन हेगले की खराब पिच पर यह स्कोर भी काफी साबित हुआ और न्यूजीलैंड की टीम महज 92 रन के स्कोर पर सिमट गयी. इसमें पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद नायक साबित हुए जिन्होंने 11 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे न्यूजीलैंड के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ. यह इफ्तिखार अहमद का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा, इससे पहले उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन सात रन देकर एक विकेट लेना था.

इफ्तिखार ने टिम सिफर्ट (19), मैट हेनरी (01) और ईश सोढी (01) को आउट किया जबकि विल यंग (12) का कैच लेकर आउट किया और मार्क चैपमैन (01) को रन आउट करने में भूमिका अदा की. इससे पाकिस्तानी टीम श्रृंखला में 5-0 से हारने से बच गयी और न्यूजीलैंड ने 4-1 से श्रृंखला जीती. पाकिस्तान की पारी में मोहम्मद रिजवान ने 38 और फखर जमां ने 33 रन बनाये. वहीं न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स ने सर्वाधिक 26 रन बनाये.

बैडमिंटन : मो मिमशाद व नेशात बने चैंपियन

रांची । मॉर्निंग ग्रुप रांची के तत्वावधान में खेले गए शब्बीर आजाद मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में रविवार को जूनियर वर्ग के फाइनल में नेशात अनवर पप्पू का मुकाबला नसीम अख्तर से हुआ. नसीम अख्तर ने शानदार फार्म जारी रखते हुए नेशात अनवर को पहले सेट में मात दे दी, दूसरे सेट के खेल में नेशात अनवर ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दो सेटों में जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम किया. जबकि सीनियर वर्ग का फाइनल मैच मौलाना आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट के चैंपियन डॉ शेरान अली और मोम मिमशाद के बीच हुआ. एकतरफ मुकाबले में डॉ शेरान ने मिमशाद को हराकर खिताब जीता. टूर्नामेंट में बच्चों के साथ बुजुर्गों का मुकाबला हुआ जिसमें किड्स कैटोग्री में फरहान ने हंजला को हराकर फाइनल जीता, जबकि वेटरन कैटेगरी में बड़े भाई और मॉर्निंग ग्रुप के विजय कुमार साहू का मुकाबला डॉ ताबा से हुआ जहां डॉ ताबा ने जीत हासिल की.

राउंड 16 में पहुंचा पीएसजी

भाषा । पेरिस

किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करने में मदद की और दो गोल दागे जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने शनिवार को यहां ओरलियांस को 4-1 से हराकर फ्रेंच कप के राउंड 16 में प्रवेश किया. एम्बाप्पे ने 16वें और 62वें मिनट में दो गोल दागे जिससे इस सत्र के 26 मैच में उनके गोल की संख्या 28 हो गयी. फिर एम्बाप्पे ने 71वें मिनट में क्रास से गोंकालो रामोस को और 88वें मिनट स्थानापन्न मिडफील्डर सेनी मायुलु को गोल करने में मदद की.

अनुभवी स्ट्राइकर विसाम बेन येडर की हैट्रिक की बदौलत मोनाको ने रोडेज पर 3-1 की जीत से पीएसजी के साथ अगले दौर में प्रवेश किया. लेकिन 2022 के विजेता नानटेस को लावाल से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा. राउंड 32 के अन्य मुकाबले में नाइस ने बोर्डेक्स पर 3-2 से जीत हासिल की. ब्रेस्ट ने भी ट्रेलिसाच पर 2-1 की जीत से अगले दौर में प्रवेश किया.

फ्रेंच कप

- 4-1 से पीएसजी ने ओरलियांस को हराया
- विसाम की हैट्रिक से मोनाको अगले दौर में

एसजीएफआई रांची में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का सामपन, झारखंड का प्रदर्शन शानदार

प. बंगाल को हराकर झारखंड बालिका टीम बनी चैंपियन

खेल संवाददाता । रांची

- फाइनल में झारखंड की बालिका टीम 6-0 से जीती
- मणिपुर की टीम बालिका वर्ग में तीसरे स्थान पर रही

रांची में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल (एसजीएफआई) के अंडर-14 फुटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ. प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रांची के मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया. जिसमें बालिका वर्ग में झारखंड और बालक वर्ग में बिहार की टीम चैंपियन बनी. एसजीएफआई अंडर-14 फुटबॉल में झारखंड की बालिका टीम का दबदबा रहा. झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा फाइनल मुकाबले में पश्चिम बंगाल को 6-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया. वहीं तीसरे स्थान पर मणिपुर की टीम रही.

बालक वर्ग के फाइनल में बिहार से हारा झारखंड

- बालक वर्ग के फाइनल में 2-0 से हारा झारखंड

बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में बिहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड की टीम को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया. विजेता टीमों के पुरस्कार वितरण समारोह में झारखंड पेयजल आपूर्ति मंत्री मिथिलेश ठाकुर, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की निदेशक किरण कुमारी पासी, राज्य शिक्षा परियोजना के प्रशासी पदाधिकाकी जयंत मिश्रा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग समेत खेल विभाग के कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

राज्य के मयंक व साहिल ने जीता रजत

अंतराष्ट्रीय कराटे प्रति.

- दोनों खिलाड़ियों ने अपने आयु वर्ग के काता स्पर्धा में रजत पदक जीता

संवाददाता । रांची

कोलकाता के न्यू टाउन फुटबॉल स्टेडियम में जेतेकन शीतोरियु कराटे एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित बोंगो भूमि कप इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ियों देश को रजत पदक दिलाया.

भारतीय कराटे टीम की ओर से खेलते हुए झारखंड के मयंक कुमार दास और साहिल कुमार महतो ने रजत पदक जीता. दोनों खिलाड़ियों ने अपने आयु वर्ग के काता स्पर्धा में रजत पदक जीता. मयंक कुमार दास फाइनल राउंड में बांग्लादेश से हारे, वही साहिल को मलेशिया के खिलाड़ी से फाइनल राउंड में हार का सामना करना पड़ा. वहीं रोशन कुमार ने 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के काता स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. सभी सफल खिलाड़ियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व कराटे संघ के रेफरी हंशी प्रेमजीत सेन ने पदक प्रदान किया.

घर आएंगे श्री राम : प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज, सज कर पूरी तरह से तैयार है रामनगरी

10 लाख दीपों से जगमग होगी अयोध्या

100 प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर जलाए जाएंगे दीप

सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी अयोध्या

भाषा । अयोध्या

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूरा होने के बाद सोमवार शाम को 10 लाख दीपों से जगमगाएगी अयोध्या. अधिकारियों ने बताया कि मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर ''राम ज्योति'' प्रज्ज्वलित की जाएगी. उन्होंने बताया कि अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी. अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत ''राम ज्योति'' प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी. क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी (आरटीओ) आरपी यादव ने बताया कि सोमवार की शाम 100 प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए जाएंगे और इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है. उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप दीप जलाए जाएंगे तो इसमें स्थानीय कुम्हारों की मदद ली जा रही है और उनसे दीपों को खरीदा जा रहा है. योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही दीपोत्सव की शुरुआत हुई थी. अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद योगी सरकार की तरफ से पूरी अयोध्या को दीपों से सजाया जाएगा और राज्य पर्यटन विभाग की ओर से इसकी भव्य तैयारी की जा रही है.

प्रतिष्ठा समारोह से पहले एक कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

51 स्थानों पर 22 हजार से अधिक वाहनों के पार्किंग का इंतजाम

उत्तर प्रदेश सरकार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले अतिथियों के वाहनों की पार्किंग के लिए 51 स्थानों पर व्यापक इंतजाम किये हैं. एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इन पार्किंग में 22,825 वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा. पार्किंग के लिए किसी को भटकना न पड़े, इसके लिए पार्किंग स्थलों को गूगल मैप पर अपलोड कर दिया गया है. वहीं, पार्किंग स्थलों को वीवीआईपी, वीआईपी और अन्य मेहमानों के लिए भी आरक्षित किया गया है. अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी), यातायात बीडी पॉल्सन ने बताया कि अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों की गाड़ियों को पार्क करने के लिए 51 स्थानों को चिह्नित किया गया है. इनमें एक समय में एक साथ करीब 22,825 वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा. उन्होंने बताया कि रामपथ पर पांच स्थानों, भक्ति पथ मार्ग पर एक स्थान, धर्म पथ मार्ग पर चार स्थानों, परिक्रमा मार्ग पर पांच स्थानों, बंधा मार्ग पर दो स्थानों, टेढ़ी बाजार रामपथ से महोबरा मार्ग पर एक और टेढ़ी बाजार रामपथ से उनवल मार्ग पर सात स्थानों को पार्किंग के लिए चिह्नित किया गया. इसके अलावा अयोध्या से गोंडा मार्ग पर दो, एनएच 27 पर 10 स्थानों, तीर्थ क्षेत्र पुरम में सात स्थानों और कारसेवक पुरम टेंट सिटी के आस-पास तीन स्थानों, रामकथा मंडपम टेंट सिटी पर चार स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है. इन पार्किंग को सरकारी, निजी और पर्यटन विभाग की भूमि पर बनाया गया है. इसके अलावा अयोध्या धाम में बनी मल्टीलेवल पार्किंग में भी गाड़ियों को खड़ा किया जाएगा.

7500 पौधों से सजा श्री राम जन्मभूमि परिसर

- 51 स्थानों पर किए गए हैं पार्किंग के इंतजाम
- गूगल मैप पर पार्किंग स्थलों को किया गया है अपलोड

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले महाराष्ट्र से लाए गए साढ़े सात हजार पौधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर में रोपे गए हैं, जिससे पूरा क्षेत्र अत्यंत मनोहारी लगने लगा है. एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत लगभग आठ हजार से अधिक आगंतुक श्रीराम जन्मभूमि परिसर में प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे, तो आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ यहां की हरियाली भी उनका मन मोह लेगी. पौधे रोपने का यह कार्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व उप्र वन विभाग की तरफ से किया जा रहा है. इन पौधों में एग्लोनेमा रेड-लिपिस्टक, पिंक, ऐलोकेशिया ब्लैक वेलवेट- कुकुलता, वेस्टिल, फिलोड्रेनड्रॉम रिंग ऑफ फायर-बिरकिन, जेनाडू, रेड कांगो, पिंक फायर, पिंक प्रिसेंज, डिफेनबेकिया व्हाइट, होमालोमेना ब्रांज, केलेडियम मिक्स, मेलपिधिया श्रीराम, ड्रकाना महात्मा, सेफलेरा, वेरीगेटेड, लोरोपेटलम, रेडार मचेरा, डिफेनबेकिया बोमानी, मोंसटेरा डेलीसिओसा, आर्केड मिक्स, पीस लिली आदि प्रमुख हैं. जन्मभूमि परिसर में स्थापित नक्षत्र वाटिका की खूबसूरती भी आकर्षित कर रही है. नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्रों से जुड़े 27 पेड़ लगाए गए हैं इनमें पीपल, पाकड़, नीम, गुटेल, महुआ, शीशम, खैर,आदि शामिल हैं.

सरयू नदी घाट पर आरती करते आरती करते पुजारी

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में लगी श्रद्धालुओं की भीड़

सुरक्षा घेरे में अयोध्या

'रामलला की नई मूर्ति के सामने रखी जाएगी पुरानी मूर्ति'

श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा है कि अस्थायी मंदिर में रखी राम लला की पुरानी मूर्ति को नई मूर्ति के सामने रखा जाएगा, जिसे सोमवार को यहां मंदिर में प्रतिष्ठित किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर के निर्माण में अब तक 1,100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं तथा काम पूरा करने के लिए 300 करोड़ रुपये की और आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि अभी निर्माण पूरा नहीं हुआ है. भगवान राम की तीन मूर्तियों का निर्माण किया गया था, जिनमें से मैसूर स्थित मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई मूर्ति को "प्राण प्रतिष्ठा" के लिए चुना गया है. यह पूछे जाने पर कि अन्य दो मूर्तियों का क्या होगा, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने कहा कि हम उन्हें पूरे आदर और सम्मान के साथ मंदिर में रखेंगे.

इसरो ने राम मंदिर का उपग्रह तस्वीर जारी किया

बेंगलुरु । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की है. इसरो ने अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह से ली गई तस्वीर रविवार को साझा की, जिसमें अयोध्या में बन रहा भव्य मंदिर दिखाई दे रहा है जिसमें रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होना है. पिछले साल 16 दिसंबर को ली गई तस्वीर में दशरथ महल, अयोध्या रेलवे स्टेशन और पवित्र सरयू नदी भी दिखाई दे रही है.

सिक्किम चुनाव विभाग ने शुरू किया जागरुकता कार्यक्रम

- ईवीएम व वीवीपीएटी को लेकर किया गया शिक्षित
- मशीनों से रूबरू कराने के लिए बनाए 26 प्रदर्श केंद्र

भाषा । गंगटोक

सिक्किम के चुनाव विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) को लेकर राज्यव्यापी जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया है. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई. विज्ञप्ति में कहा गया है कि चुनाव विभाग ने नागरिकों को मतदान प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव कराने और मशीनों से रूबरू कराने के लिए छह जिलों में 26 प्रदर्शन केंद्र बनाए हैं और छह मोबाइल वैन तैनात की हैं. इसमें कहा गया कि जागरुकता कार्यक्रम हर आम चुनाव और राज्य विधानसभा चुनाव से पहले चलाया जाता है जिसका उद्देश्य मतदाताओं को वोट डालने के लिए चरण-दर-चरण प्रक्रिया से अवगत कराकर ईवीएम और वीवीपीएटी की कार्यप्रणाली के बारे में शिक्षित करना है.

हिमाचल प्रदेश में आज सार्वजनिक अवकाश

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश की रविवार को घोषणा की. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लोगों से अपने घरों में दीप प्रज्वलित करने की भी अपील की. उन्होंने संभवतः भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा, भगवान राम किसी एक राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं हैं बल्कि वह हर किसी के आदर्श हैं और देश की संस्कृति हैं. मैं अपने घर में दीये जलाऊंगा और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करूंगा.

हिमंत विश्व शर्मा का राहुल गांधी से आग्रह

असमी संत शंकरदेव की जन्मस्थली न जाएं

भाषा । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सोमवार को बरदोवा में श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली पर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि भगवान राम और राज्य में एक आदर्श के रूप में पूजे जाने वाले मध्यकालीन वैष्णव संत के बीच कोई स्पर्धा नहीं हो सकती. शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान अल्पसंख्यक बहुल इलाकों के संवेदनशील मार्गों पर कमांडो तैनात किये जायेंगे. मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम राहुल गांधी से राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान सोमवार को बरदोवा न जाने का अनुरोध करेंगे क्योंकि इससे असम की गलत छवि पेश होगी. उन्होंने कहा कि राहुल अनावश्यक स्पर्धा पैदा किये बगैर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद वहां जा सकते हैं.

जन्मस्थल पर जायेंगे राहुल गांधी : कांग्रेस

बिश्वनाथ (असम) । कांग्रेस ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी की यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गांधी अपनी पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार असम के नागांव जिले में बोर्दोवा थान का दौरा करेंगे. उन्होंने आग्रह किया कि इस पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए.

निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से अस्थिरता होगी : इमरान

इस्लामाबाद । जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी को समान अवसर देने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव में निष्पक्षता की कमी से 'अस्थिरता और अनिश्चितता' का माहौल बढ़ेगा. खान ने अदियाला जेल में संवाददाताओं को अनौपचारिक रूप से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की. क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने खान ने दावा किया कि उनकी पार्टी को चुनाव प्रचार करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से पार्टी को जनसभाएं करने में मुश्किलें हो रही हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

जानिए, कैसे बनें साइंटिस्ट और क्या है इसकी प्रक्रिया

एजुकेशन रिपोर्टर/ रजनीश प्रसाद । किसी भी देश के विकास और रिसर्च में साइंटिस्ट्स मुख्य भूमिका निभाते हैं. भारत के साथ-साथ विदेश में भी साइंटिस्ट बनने के लिए कई कोर्सेज मौजूद हैं. साइंटिस्ट की मांग हर देश को होती है. वहीं इनका सैलरी पैकेज भी अच्छा होता है. कोई भी व्यक्ति जो ज्ञान प्राप्ति के लिए सिस्टमैटिक रूप से कार्यरत हो उसे वैज्ञानिक (साइंटिस्ट) कहा जा सकता है. एक सीमित परिभाषा के अनुसार वैज्ञानिक विधि को करते हुए किसी भी क्षेत्र में सीखने वाले व्यक्ति को आम तौर से वैज्ञानिक कहते हैं.

साइंटिस्ट के प्रकार

- एग्रोनॉमिस्ट
- एस्ट्रोनॉमर
- बॉटनिस्ट
- केमिस्ट
- साइटोलॉजिस्ट
- इकोलॉजिस्ट
- एपिडेमियोलॉजिस्ट
- एथोलॉजिस्ट
- जेनेटिसिस्ट
- जियोलॉजिस्ट
- जियोग्राफर
- मरीन बायोलॉजिस्ट
- माइक्रोबायोलॉजिस्ट
- प्लेनेटोलॉजिस्ट
- फिजिसिस्ट
- सीस्मोलॉजिस्ट
- जूलॉजिस्ट

साइंटिस्ट बनने के लिए जरूरी स्किल्स

- **लगन :** सिर्फ वैज्ञानिकों में ही नहीं परंतु जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसमें लगन होना बहुत ही जरूरी है .अपने लक्ष्य को पाने के लिए, सभी तरह के प्रयास करें. वैज्ञानिक बनने के लिए अपने अंदर एक जुनून होना बहुत ही अनिवार्य है, लक्ष्य को पाने के लिए तब तक मेहनत करें जब तक अपनी मंजिल को नहीं पा लेते.
- **विज्ञान में रुचि :** वैज्ञानिक बनने के लिए बचपन से ही विज्ञान में रुचि होनी चाहिए. विज्ञान में रुचि होने से अपने लक्ष्य को और सपनों को पूरा कर सकता है.
- **प्रैक्टिकल नॉलेज :** किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज होना बहुत ही जरूरी है. वैज्ञानिक बनने के लिए अलग-अलग और नई-नई चीजों का संशोधन करना होता है, उसकी खोज करनी होती है. अगर आपने प्रैक्टिकल नॉलेज होगा तो आप नए-नए प्रयोग कर सकते हैं.
- **कारण खोजें :** किसी भी चीज ,वस्तु, मशीन के पीछे का कारण खोजें.
- **भाषा :** अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषा में भी ज्ञान होना जरूरी है. अगर आपके पास अन्य भाषाओं का ज्ञान होगा तो आप दूसरे देश के साइंटिस्ट के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं साथ ही आपको उसके बारे में जानने में कठिनाइयां नहीं होगी. आप उसके बारे में अच्छे से और आसानी से समझ सकते हैं.
- **रिसर्च को पढ़ें :** महान वैज्ञानिकों के रिसर्च के बारे में पढ़ने से आपको लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी ज्यादा मदद होगी, साथ ही आपको नई जानकारी भी मिलेगी.

जॉब अलर्ट

1. राजस्थान उच्च न्यायालय ने जूनियर निजी सहायक, जूनियर पर्सनल असिस्टेंट के पदों पर भर्ती निकाली है.

- संस्था का नाम – राजस्थान हाई कोर्ट
- पद नाम – जूनियर पर्सनल असिस्टेंट
- पद संख्या – 30
- अधिसूचना – जारी
- योग्यता – स्नातक
- नौकरी का स्थान – राजस्थान
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 9 फरवरी- 9 मार्च 2024
- ऑफिसियल वेबसाइट – https://hcraj.nic.in
- आयु सीमा – 18 से 40 वर्ष

2. मांड्या जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लिमिटेड (एमडीसीसीबी) ने जूनियर असिस्टेंट अटेंडेंट समेत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेश जारी किया है.

- संस्था का नाम – मांड्या जिला सहकारी केंद्रीय बैंक
- पद नाम – जूनियर असिस्टेंट अटेंडेंट
- पद संख्या – 94
- योग्यता – डिग्री
- नौकरी का स्थान – कर्नाटक
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 18 जनवरी- 16 फरवरी 2024
- ऑफिसियल साईट – https://www.mandyadccbank.com

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)

श्री राम ... कोई धर्म नहीं! श्री राम ... एक आस्था! श्री राम ... एक शक्ति! श्री राम ... विश्वास!
समस्त देशवासियों को श्री रामलला की
प्राण प्रतिष्ठा पर हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं
Imperial Home World
राम मंदिर के उद्घाटन पर,
Imperial Home World
कि ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं!
यह पवित्र स्थल हमारी सांस्कृतिक धरोहर
की नई शुरुआत को समर्पित करता है।
इस अद्वितीय क्षण में, हम सभी भक्तों को
धार्मिक आनंद और शांति की कामना करते हैं।
इस महत्वपूर्ण क्षण के शुभआरंभ के साथ,
हम समृद्धि और धरोहर के पथ पर अग्रसर होते हैं।
श्रीराम की कृपा सदैव हमारे साथ बनी रहे।
जय श्रीराम!
Panasonic LED
Crompton
KENT
orient electric
Kalyanpur Road No. 4,
Singh More, Hatia, Ranchi-834003
Call Us. : 7004698852
8809262851
श्री राम मंदिर
22 जनवरी 2024